■ क्रिसिल की रिपोर्ट : एफडीआई में 2 प्रतिशत से ज्यादा होगी चीन की हिस्सेदारी-12

■ वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है ईरान युद्ध : आईईए-12

■ गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से विकसित भारत का लक्ष्य संभव नहीं-13

■ अक्षर पटेल ने कहा- मुझे आईपीएल का 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम पसंद नहीं : अक्षर पटेल-14

आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

16.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.13

सूर्यास्त 06.24

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी 04:08 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 24 मार्च 2026, वर्ष 6, अंक 27, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

जन-जन के सहयोग से पूरा हो रहा देवभूमि का गौरव पुनर्स्थापित करने का संकल्प : धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर परेड ग्राउंड में आयोजित जन-जन की सरकार चार साल बेमिसाल, उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर उत्तराखंड समारोह को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने 401.86 करोड़ रुपए की लागत से 74 विकास योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया जिसमें 99.44 करोड़ रुपए की 33 योजनाओं का शिलान्यास और 302.42 करोड़ की 41 विकास योजनाओं के लोकार्पण शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से चार वर्ष पूर्व प्रदेश की जनता ने सभी मिथक तोड़कर उन्हें पुनः राज्य की सेवा का अवसर प्रदान किया था। इसके बाद इसी मैदान में शपथ ग्रहण के दौरान उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुसार देवभूमि के गौरव को पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया था। अब चार साल के बाद वे गर्व से कह सकते हैं कि वे संकल्प तेजी से सिद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में बाबा केदारनाथ की दिव्य धरा से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा इसलिए प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के मुख से निकले इन शिवोमयी शब्दों को चरितार्थ करने के संकल्प को लेकर काम कर रही है।

संकल्प से सिद्धि विकसित उत्तराखंड ब्रॉशर का विमोचन करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

● सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर परेड ग्राउंड में 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम में बोले सीएम

● 401.86 करोड़ रुपए की लागत से 74 विकास योजना का लोकार्पण-शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री मोदी का सीएम को विशेष संदेश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री को भेजे गए अपने विशेष संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा है कि देवभूमि उत्तराखंड के ऊर्जावान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विस्तृत पेज-2

सीएम ने कहा कि, प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते चार वर्षों में जहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत कर नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास किया है। वहीं, विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के समग्र विकास का विजन प्रस्तुत किया है। इन्हीं प्रयासों से बीते चार वर्षों में राज्य ऐसी कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का साक्षी बना है जो किसी भी छोटे राज्य के लिए असंभव समझी जाती थीं। पहली बार राज्य में जी-20 वैश्विक सम्मेलन का सफल व राष्ट्रीय खेलों का भी भव्य आयोजन किया गया। उत्तराखंड में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन हुआ जिसमें 3.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिसमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारा जा चुका है। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने कनक चौक से कार्यक्रम स्थल तक भव्य रोड शो में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

सरकार की प्रगति रिपोर्ट रखी

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते चार साल में राज्य की आर्थिकी में डेढ़ गुना से अधिक की वृद्धि और बीते एक वर्ष में राज्य की जीएसडीपी में 7.23 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई। प्रतिव्यक्ति आय भी 41 प्रतिशत बढ़ी है। राज्य में 20 हजार से ज्यादा उद्योग स्थापित हुए हैं। स्टार्टअप की संख्या 700 से बढ़कर 1750 हो गई है। इस दौरान 2.65 लाख से अधिक माताएं-बहनें लखपति दीदी बनी हैं। सरकार के सतत प्रयासों से रिवर्स पलायन में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

न्यूज ब्रीफ

इंडिगो ने आलोक सिंह को मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त किया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने सोमवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस के पूर्व प्रबंध निदेशक अलोक सिंह को अपना मुख्य रणनीति अधिकारी (सीएसओ) नियुक्त करने की घोषणा की। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के अचानक इस्तीफे को दो सप्ताह भी नहीं हुए हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि सिंह में रणनीतिक दृष्टि और परिचालन क्षमता का उत्कृष्ट मिश्रण है।

दिल्ली के उत्तम नगर में हाई अलर्ट, नवरात्र के कारण कड़ी निगरानी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के उत्तम नगर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और नवरात्र के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस हाई अलर्ट पर है। एक अधिकारी ने बताया कि ईद के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस ने एहतियाती उपाय के तौर पर 100 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया था। सत्यापन के बाद उन सभी को रिहा कर दिया गया। द्वारका के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने कहा, नवरात्र के दौरान जेजे कॉलोनी क्षेत्र में सुरक्षा बल तैनात किए गए है।

होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर, सरकार हर अप्रत्याशित संकट से निपटेगी : मोदी

प्रधानमंत्री बोले- युद्ध का प्रभाव लंबा रह सकता है, इसलिए हमें तैयार और एकजुट रहना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए अप्रत्याशित संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है जिससे निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर वक्तव्य देते हुए यह भी कहा कि इस संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है और इसका सामना देशवासियों को कोरोना संकट की तरह ही करना होगा।

उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट और व्यावसायिक जहाजों पर हमलों को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि इस समस्या का समाधान कूटनीति और बातचीत से ही संभव है तथा भारत तनाव को कम करने व संघर्ष समाप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में ऊर्जा क्षेत्र में सरकार की तैयारियों के कारण आज हालात से निपटने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री ने सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, सरकार संवेदनशील है, सतर्क है और हर सहायता के लिए तत्पर भी है। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व ऐसे संकट में गलत फायदा उठाने का प्रयास करते हैं, इसलिए कानून व्यवस्था से जुड़ी सभी एजेंसियों को सतर्क रखा गया है। इस युद्ध के कारण दुनिया में बने हालात का प्रभाव लंबे समय तक रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा, हमें एकजुट रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। अब हमें फिर से उसी तरह तैयार रहने की आवश्यकता है। धीरज, संयम और शांत मन से हर चुनौती का मुकाबला करना है। मोदी ने कहा कि होर्मुज से कच्चे तेल, गैस और उर्वरक से लदे जहाजों के आवागमन में चुनौती के बावजूद सरकार का प्रयास देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति बहुत अधिक प्रभावित नहीं होने देने का है। देश में एलपीजी उत्पादन बढ़ाया जा रहा है और पेट्रोल-डीजल की लगातार सुचारू आपूर्ति पर काम किया गया है।

● पश्चिम एशिया संकट पर लोकसभा में मोदी ने दिया वक्तव्य, कहा- कूटनीति से ही युद्ध का समाधान संभव

बढ़ेगी बिजली की मांग पर्याप्त संसाधन मौजूद

प्रधानमंत्री ने कहा, आज देश में किसानों ने अन्न भंडार भर रखे हैं। हमारे पास पर्याप्त खाद्यान्न हैं। प्रयास है कि खरीफ मौसम की सही से बुवाई हो। उन्होंने कहा, मैं देश के किसानों को विश्वास दिलाता हूं कि सरकार उनकी हरसंभव मदद करती रहेगी। कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली की मांग बढ़ने की चुनौती रहेगी, लेकिन सभी संयंत्रों के लिए पर्याप्त कोयला भंडार पर्याप्त हैं।

आर्थिक, राष्ट्रीय व मानवीय सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती

पिछले तीन सप्ताह से अधिक समय से पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के हालात ने भारत के सामने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं जो आर्थिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय सुरक्षा से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, यह आवश्यक है कि भारत की संसद से इस संकट को लेकर एकमत और एकजुट आवाज में संदेश दुनिया में जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट की स्थिति बनने के बाद उन्होंने स्वयं पश्चिम एशिया के अधिकतर राष्ट्राध्यक्षों से दो बार फोन पर बात की है और उन सभी ने वहां भारतीयों की सुरक्षा का पूरा आश्वासन दिया है। मोदी ने कहा कि प्रभावित देशों में भारत के जितने भी मिशन हैं वे निरंतर भारतीयों की मदद में जुटे हैं, वहां काम करने वाले भारतीयों, पर्यटकों को हर संभव मदद दी जा रही है। मोदी ने कहा, युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक लगभग 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही अभी तक लगभग एक हजार भारतीय सुरक्षित वापस आए हैं।

ट्रंप ने ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमला टाला, होर्मुज के लिए समयसीमा बढ़ाई

दुबई, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए दी गई समयसीमा सोमवार को बढ़ा दी और कहा कि अमेरिका पांच दिन के लिए ईरानी बिजली संयंत्रों पर हमले टाल रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल साइट पर युद्ध के समाधान की संभावना भी जताई। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने बातचीत होने से इनकार किया है। कहा कि तेल कीमत घटाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप गुमराह कर रहे हैं।

ट्रंप के रुख में आए बदलाव से अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध का कुछ समाधान निकलने की उम्मीद जगी है। बाद में, ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी दूत एक सम्मानित ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पश्चिम एशिया के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके (ट्रंप के) दामाद जेरेड कुशनर ने रविवार शाम तक बातचीत की तथा वार्ता जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से बात नहीं की है।

ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान के साथ कोई समझौता हो जाता है, तो अमेरिका ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण संवर्धित यूरेनियम को अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई करेगा। सोशल मीडिया पर ट्रंप की घोषणा के ठीक बाद ईरानी सरकारी टेलीविजन ने कहा, ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पीछे हटे।

● ट्रंप बोले- 5 दिन अटैक नहीं करेंगे पहले दिया था 48 घंटे का अल्टीमेटम

● समझौता होने पर संवर्धित यूरेनियम को अपने कब्जे में लेने की बात कही

● ईरान ने कहा- कड़ी चेतावनी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पीछे हटे

हर घटनाक्रम पर भारत की है बारीक नजर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान के बिजली संयंत्रों पर हमले को पांच दिन के लिए स्थगित करने की घोषणा किए जाने के तुरंत बाद भारत ने सोमवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। ट्रंप की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम इन घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। जायसवाल ने पश्चिम एशिया के प्रमुख देशों के साथ भारत के लगातार संपर्क में रहने और नई दिल्ली द्वारा इस क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

दो और एलपीजी टैंकर होर्मुज पार कर भारत के लिए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाले दो और एलपीजी टैंकर युद्धग्रस्त होर्मुज को पार कर गए हैं और दो से ढाई दिन में भारतीय बंदरगाह पर पहुचेंगे। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत जलडमरूमध्य को पार करने से पहले सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुए। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं। इन जहाजों पर लदी गैस देश में लगभग एक दिन की खाना पकाने की गैस की खपत के बराबर है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि दोनों जहाज पर लगभग 92,000 टन एलपीजी है। - विस्तृत कारोबार पर

प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज ढहा, 4 की मौत

प्रयागराज के फाफामऊ थाना क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज की गिरी छत।

प्रयागराज, एजेंसी

● अमोनिया गैस का रिसाव होने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मची, एक किमी तक फैली गैस, 12 घायल

यहां के गंगा नगर के फाफामऊ थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक कोल्ड स्टोरेज के अचानक ढह जाने से चार श्रमिकों की मृत्यु हो गई, जबकि 12 श्रमिक घायल हो गए। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया, घायलों का इलाज एसआरएन अस्पताल में चल रहा है। जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग की टीम घटनास्थल से मलबा हटाकर लोगों की तलाश रही है।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-गंगा नगर) कुलदीप गुनावत ने बताया कि फाफामऊ थाना क्षेत्र में एक कोल्ड स्टोरेज अचानक भर भराकर ढह गया और उससे अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। जिला प्रशासन और पुलिस की टीम राहत और बचाव कार्य में लगी है तथा अग्निशमन विभाग की टीम भी सक्रिय है जो गैस रिसाव रोकने की दिशा में काम कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा है, इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित लोगों और उनके परिजनों के साथ मेरी सहानुभूति है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज में हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

शेयर बाजार क्रैश, सेंसेक्स 1,836 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,837 अंक का गोता लगा गया, जबकि एनएसई निफ्टी 602 अंक लुढ़क गया। पश्चिम एशिया युद्ध अब चौथे सप्ताह में पहुंच गया है।

इसके कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर पूंजी निकासी व रुपये की विनिमय दर में गिरावट को देखते हुए निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। सेंसेक्स 1,836.57 अंक यानी 2.46 प्रतिशत टूटकर 72,696.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार दौरान, एक समय यह 1,974.52 अंक का गोता लगाकर 72,558.44 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 601.85 अंक यानी 2.60% लुढ़ककर 22,512.65 अंक पर बंद हुआ। इसके अलावा ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटरग्लोब एविएशन, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। युद्ध शुरू होने के बाद से निवेशकों के अब तक 48.29 लाख करोड़ डूब गए।

● युद्ध शुरू होने के बाद से निवेशकों के 48.29 लाख करोड़ डूबे

रुपए ने छुआ 94 का सर्वोच्च स्तर, बाद में स्थिर

मुंबई। पहली बार सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 94 के स्तर को लांघ गया। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में आये सुधार के बीच कारोबार के अंत में रुपया 93.53 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.84 पर खुला और पूरे दिन गिरावट में रहा। अंततः यह पहली बार 94 के स्तर को पार कर गया। बाद में रुपया अपनी गिरावट रोकने में कामयाब रहा और डॉलर के मुकाबले रुपया 93.53 प्रति डॉलर पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ।

अधिकारी आत्महत्या मामला: आप के पूर्व मंत्री भुल्लर गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब राज्य भंडारण निगम के एक अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी राज्य के पूर्व मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक लालजीत सिंह भुल्लर को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि भुल्लर को मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा। अमृतसर स्थित पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शनिवार तड़के जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। वीडियो सामने आया है, जिसमें वह (रंधावा) भुल्लर पर उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप लगाते दिख रहे हैं। मामले में उनके पिता समेत तीन पर मामला दर्ज है।

आदेश | सुप्रीम कोर्ट ने कंपनियों से जुड़े बैंकिंग धोखाधड़ी मामले की जांच में सीबीआई और ईडी द्वारा दिखाई गई अनिच्छा पर जताई नाराजगी

अनिल अंबानी बैंक फ्रॉड केस की निष्पक्ष व समयबद्ध जांच हो

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) व उसकी कंपनियों से जुड़े बैंकिंग धोखाधड़ी मामले की जांच में सीबीआई और ईडी द्वारा दिखाई गई अनिच्छा पर सोमवार को नाराजगी व्यक्त की। कोर्ट ने उन्हें इस मामले में निष्पक्ष, तटस्थ, पारदर्शी और समयबद्ध जांच करने का निर्देश दिया।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने सीबीआई और ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया और सभी संबंधित वित्तीय संस्थानों को ईडी को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया। अंबानी के नेतृत्व वाले एडीएजी की कंपनियों द्वारा कथित तौर पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण धोखाधड़ी मामले की अदालत की निगरानी में जांच का अनुरोध करते हुए पूर्व नौकरशाह ईएएस शर्मा ने जनहित याचिका दायर की है।

इस पर सुनवाई करते हुए, पीठ ने केंद्रीय जांच एजेंसियों को यह अनुमति दी कि यदि अन्य सरकारी निकाय उन्हें सहयोग देने में अनिच्छा दिखाते हैं तो वे उससे संपर्क कर सकते हैं। सुनवाई की शुरुआत में मेहता ने पीठ को सूचित किया कि एक एसआईटी का गठन किया गया है। जांच एजेंसियों ने अब तक 15,000 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है और कुछ वरिष्ठ अधिकारियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

73,000 करोड़ रुपये है धोखाधड़ी की कुल राशि

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम उन्हें यह निर्देश नहीं दे सकते कि किसे गिरफ्तार करना है, लेकिन जांच एजेंसियों की ओर से दिखाई गई अनिच्छा स्वीकार्य नहीं है। उन्हें समयबद्ध तरीके से बताना चाहिए कि क्या पाया गया है। आपकी जांच से पता चलना चाहिए कि क्या किया गया है और इससे न केवल हमें, बल्कि सभी को विश्वास होना चाहिए। पीठ ने जांच एजेंसियों की नयी वस्तु स्थिति रिपोर्ट में सामने आए कुछ तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि सीबीआई और ईडी वर्तमान में क्रमशः सात और आठ प्राथमिकी की जांच कर रही हैं। पीठ ने यह भी कहा कि 3,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण का निपटारा कथित तौर पर 26 करोड़ रुपये का भुगतान करके किया गया है। पीठ ने कहा कि अनुमान है कि धोखाधड़ी की कुल राशि लगभग 73,000 करोड़ रुपये है। न्यायालय ने कहा, जांच एजेंसियों को इस मामले की तह तक जाना चाहिए। हम सीबीआई और ईडी से आग्रह करते हैं कि जांच को पूरी तरह निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से पूरा किया जाए ताकि इसे समयबद्ध तरीके से तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा सके।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,24 मार्च 2026

स्टेट ब्रीफ

एक्स पर ट्रेंड करता रहा 4 साल बेमिसाल

देहरादून : धामी सरकार के चार साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर भी लोगों ने सरकार की उपलब्धियों की सराहना की। इस मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर DhamiSarkarKe4Saal Bemisaal ट्रेंड करता रहा और यह हैशटैग लंबे समय तक नंबर 1 पर बना रहा। देशभर से लोगों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों ने मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए राज्य में हुए विकास कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से रेखांकित किया। सोशल मीडिया एक्स पर प्रशांत कुमार ने लिखा कि "मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना से युवाओं को ऊर्जा उद्यमी बनाया जा रहा है।" वहीं, मुकुल ने लिखा कि "किसानों की आय बढ़ाने के लिए धामी सरकार ने कृषि, बागवानी और जैविक खेती को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किया गया।" वर्षा सिंह ने लिखा कि "धामी सरकार के 4 वर्षों में सुशासन और जनसेवा सर्वोच्च प्राथमिकता रही।

फार्म फेंसिंग को मिली 25 करोड़ की धनराशि

- राज्य में खेती को जंगली जानवरों से बचाने में मिलेगी मदद
- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने सीएम धामी को दी जानकारी

प्रमुख संवाददता, देहरादून

अमृत विचार: केन्द्र सरकार द्वारा राज्य में जंगली जानवरों से कृषि फसलों की सुरक्षा के लिए 25 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है, इस संबंध में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे पत्र में अवगत कराया है कि राज्य सरकार द्वारा भेजे गये इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेश के किसानों के व्यापक हित तथा कृषि फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री से घेरबाड़ के लिये वित्तीय सहायता दिये जाने का अनुरोध किया गया था।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने फार्म फेंसिंग (घेरबाड़) के लिए 25.00 करोड़ रुपये की धनराशि के प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति प्रदान करते हुए इसे राज्य के किसानों के हित में सकारात्मक कदम बताया है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश के किसानों को जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान से राहत प्रदान करेगी और कृषि उत्पादन को सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

प्रधानमंत्री का विशेष संदेश: धामी सरकार के चार साल बेमिसाल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

चार साल में विकास और सुशासन की पहचान बना उत्तराखंड

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री को भेजे गए अपने विशेष संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा है कि देवभूमि उत्तराखंड के ऊर्जावान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि सदियों से आस्था, अध्यात्म, साहस और समृद्ध परंपराओं की भूमि रही है। यहां की विविध भाषाएं-

बोलियां, लोक परंपराएं और सरल जीवनशैली प्रदेश को विशिष्ट पहचान देती हैं। उन्होंने कहा कि जब से केंद्र में हमारी सरकार बनी है, तब से उत्तराखंड 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत चारधाम यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन के माध्यम से प्रदेश में रेल संपर्क को मजबूत किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने सरकार के प्रयासों को सराहा

प्रधानमंत्री ने प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने और शीतकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को भी सराहा। उन्होंने कहा कि इन पहलों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि पलायन रोकने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी मदद मिली है। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, स्टार्टअप्स को बढ़ावा तथा डिजिटल और हरित विकास जैसे प्रयासों को सराहनीय बताया। साथ ही, आपदा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया।

अमृत काल में और मजबूत होगी भूमिका

प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि 'अमृत काल' में विकसित भारत के निर्माण में उत्तराखंड की भूमिका और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर, समृद्ध और सुदृढ़ उत्तराखंड के निर्माण में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अहम है। प्रधानमंत्री ने राज्य के नागरिकों को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में उत्तराखंड विभिन्न क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

एचीवर्स व स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर्स श्रेणी में आया राज्य

राज्य में चार साल में हुए विकास को केंद्र ने सराहा, सतत विकास लक्ष्य इंडेक्स में प्रथम आने से राज्य सरकार के प्रयासों पर लगी मुहर

- परेड ग्राउंड में हुए कार्यक्रम में सीएम ने चार साल के कार्यों की जानकारी दी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सरकार के चार वर्ष पूरा होने पर परेड ग्राउंड में आयोजित "जन-जन की सरकार चार साल बेमिसाल, उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर उत्तराखंड" समारोह में सरकार के चार वर्षों के कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि, चार साल में हुए राज्य के चौगुना विकास को केंद्र ने भी सराहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी वर्ष 2023-24 के सतत विकास लक्ष्य इंडेक्स में उत्तराखंड को प्रथम स्थान प्राप्त होने से राज्य सरकार के प्रयासों पर मुहर लगी है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी उत्तराखंड को एचीवर्स तथा स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर्स की श्रेणी भी प्राप्त हुई है। नीति आयोग द्वारा जारी इंडिया इनोवेशन इंडेक्स रिपोर्ट में हिमालयी राज्यों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। बीते चार वर्षों से लगातार देश में ''मोस्ट फिल्म

विकास योजनाओं का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

30 हजार युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश में नकल और पेपर लीक के कारण प्रतिभावान युवाओं के सपने चूर-चूर हो जाते थे इसलिए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश सरकार सख्त नकल विरोधी कानून लेकर आई। जिसके परिणामस्वरूप पिछले साढ़े 4 चार वर्षों में राज्य के 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्राप्त हुई है। आज 100 से अधिक नकल माफिया जेल की हवा खा रहे हैं। कहा कि पूर्व में प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामलों में केवल छोटी मछलियों पर ही कार्रवाई होती थी। लेकिन आज प्रदेश में बड़े आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जा रहा है।

फ्रेंडली स्टेट'' होने का गौरव प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड को नेशनल लॉजिस्टिक्स इंडेक्स, स्टेट स्टार्ट अप इकोसिस्टम, स्टेट एनर्जी एंड ग्रीन इंडेक्स जैसे कई राष्ट्रीय सूचकांकों में भी विभिन्न पुरुस्कार प्राप्त हुए हैं। राज्य को खनन क्षेत्र में किए गए सुधारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी ''राज्य खनन तत्परता सूचकांक'' में देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

साथ ही, इसके लिए राज्य को 200 करोड़ रुपये का पुरस्कार भी प्रदान किया गया है। सरकार द्वारा लिए गए सख्त और पारदर्शी निर्णयों का ही परिणाम है कि आबकारी और खनन जैसे विभागों से राज्य को पहले की तुलना में कई गुना अधिक राजस्व प्राप्त हो रहा है।

'उत्तराखण्ड़ की मिट्टी से-नायक से जन नायक पुष्कर सिंह धामी' का विमोचन

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में पंचांग टेबल कैलेंडर 'उत्तराखण्ड़ की मिट्टी से-नायक से जन नायक पुष्कर सिंह धामी' का विमोचन किया। इस पंचांग कैलेंडर में तिथि, वार, पक्ष, मास, पर्व एवं विशेष दिवसों की जानकारी के साथ पारंपरिक त्योहारों, व्रतों आदि को दर्शाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलेगा। कैलेंडर की संकल्पना सीएम के मीडिया समन्वयक मदन मोहन सती ने की है। इस मौके पर मीडिया सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. गोविन्द सिंह, दीप कोश्यारी, किशोर भट्ट आदि मौजूद रहे।

नई कार्य संस्कृति विकसित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार देहरादून को विकसित शहर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। देहरादून में 14 सौ करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है। पूर्ववर्ती सरकारों के समय केंद्र से भेजे गए 1 रुपए में से 15 पैसे ही लोगों तक पहुंच पाते थे परंतु आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नई कार्य संस्कृति का सूत्रपात कर शासन व्यवस्था से दलालों और बिचौलियों का सफाया किया, इसलिए आज प्रदेश सरकार जिस कार्य का शिलान्यास करती है उसे तय समय में पूर्ण कर उसका लोकार्पण भी करती है।

देवभूमि के देवत्व बचाने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार देवभूमि के देवत्व की रक्षा के लिए डेमोग्राफी को भी संरक्षित रखने का प्रयास कर रही है। इसके लिए जहां एक ओर प्रदेश में सख्त धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानूनों को लागू किया। वहीं, सख्त कार्रवाई करते हुए 12 हजार एकड़ से अधिक की सरकारी भूमि को मुक्त कराया गया है। छद्म भेष धारण कर लोगों को ठगने वालों के खिलाफ ऑपरेशन कालनेमि संचालित किया। प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता कानून लागू कर सभी धर्मों के नागरिकों के लिए एक समान कानून लागू किया है।

अर्थव्यवस्था-सामाजिक सूचकांक में शानदार सुधार

राजधानी में भव्य रोड शो में जनता का अभिवादन स्वीकार करते मुख्यमंत्री धामी।

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विगत चार साल के कार्यकाल में, राज्य के आर्थिक, सामाजिक सूचकांक प्रगति की असल कहानी बयां करते हैं। इस दौरान उत्तराखंड ने अर्थव्यवस्था से लेकर बुनियादी ढांचा, रोजगार और सामाजिक विकास के कई मानकों पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

धामी सरकार के चार साल के कार्यकाल में राज्य की अर्थव्यवस्था ने मजबूत प्रदर्शन किया है। रोजगार, स्वरोजगार को बढ़ावा दिए जाने के लिए जारी राज्य सरकार के प्रयासों से वर्ष 2024- 25 में राज्य की जीएसडीपी 3,81, 889 करोड़ रुपए दर्ज की गई, इस तरह वर्ष 2021-22 के मुकाबले जीएसडीपी में डेढ़ गुना का उछाल आया है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय भी 2021-22 में 1 लाख 94 हजार 670 थी, जो अब बढ़कर 2 लाख 74 हजार रुपए तक पहुंच गई है। वर्ष 2024- 25 में राज्य की ग्रोथ रेट 7.33 प्रतिशत रही। बीते चार साल में राज्य के मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स में भी आशातीत सुधार आया है, वर्ष 2021-22 में 9.7 प्रतिशत के मुकाबले, यह अब घटकर 6.92 प्रतिशत पर आ गया है। वहीं ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स वर्ष 2021-22 में प्वाइंट 718 (.718) प्रतिशत था जो अब सुधर कर प्वाइंट 722 (.722) प्रतिशत हो गया है। धामी सरकार के चार साल के कार्यकाल में राज्य के भीतर एमएसएमई इकाईयों की संख्या 59,798 से बढ़कर 79,394 तक पहुंच गई है, अकेले इस क्षेत्र में अब 4.56 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है।

पुलिस पर चौकीदार को पीटने का आरोप

- पीड़ित परिवार ने आरोपी पुलिस कर्मी पर कार्रवाई की मांग की
- निजी अस्पताल में चल रहा बुजुर्ग चौकीदार का उपचार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर के खताड़ी क्षेत्र में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग चौकीदार के साथ कथित पुलिस मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। रुपेश कुमार ने पुलिस क्षेत्राधिकारी को दी तहरीर में बताया कि उनके दादा ओमप्रकाश जीआईसी खताड़ी में चौकीदार हैं।

22 मार्च 2026 की रात वे ड्यूटी पर जा रहे थे, तभी चौकी के पास मौजूद पुलिसकर्मी अनिल कुमार ने उन्हें रोककर पूछताछ की। आरोप है कि वह नशे में था

निजी अस्पताल में उपचार कराते बुजुर्ग। ● अमृत विचार

और बिना वजह गाली-गलौज करते हुए बुजुर्ग को जमीन पर पटककर बेरहमी से पीटने लगा। बीच-बचाव करने आए शरद कुमार को भी कथित रूप से पीटा गया।

गंभीर हालत में परिजन ओमप्रकाश को घर ले गए, बाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनके कंधे में फ्रैक्चर और कई चोटें पाई गईं। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अभिषेक अग्रवाल के अनुसार उन्हें ऑपरेशन की जरूरत है। पीड़ित का आरोप है कि चौकी में भी उनके साथ मारपीट हुई। परिवार ने इसे गंभीर मामला बताते हुए न्याय की मांग की है। वहीं, पुलिस क्षेत्राधिकारी सुमित पांडे ने कहा कि शिकायत मिल चुकी है और निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सीएम धामी के नेतृत्व में जुड़े विकास के नए आयाम: भट्ट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राज्य स्तरीय राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट ने राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर इसे ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा कार्यकाल बताया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को शुभकामनाएं दी हैं।

भट्ट ने कहा कि सीएम धामी के नेतृत्व में राज्य ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार पारदर्शी सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और समावेशी विकास के लक्ष्य को लेकर निरंतर काम कर रही है। सरकार की नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में विश्वास और विकास का वातावरण बना है।

बीते चार वर्षों में बुनियादी ढांचे के विकास, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ है, जिससे वहां के लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं, महिलाओं और किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। साथ ही, निवेश को बढ़ावा देने और पर्यटन को नई पहचान दिलाने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

सीएम ने काली मंदिर में की पूजा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पलटन बाजार स्थित मां कालिका मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए मां भगवती से प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि शक्ति, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मबल और एकता का संदेश देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुखद, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग तक लाभ पहुंचाया जा रहा है।

देहरादून के मां कालिका मंदिर में श्रद्धालुओं का अभिवादन करते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के पुनरोद्धार का कार्य तेजी से हो रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, बद्रीनाथ मास्टर प्लान और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण इसके उदाहरण हैं।

कहा कि राज्य की सांस्कृतिक विरासत और पहचान को सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। साथ ही "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी से सहभागिता का आह्वान किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास सहित कई जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु रहे।

सुझाव | मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों से एलपीजी गैस उपलब्धता की ताजा स्थिति जानी, दिए निर्देश

गैस के विकल्प के रूप में पिरुल ब्रिकेट को दें बढ़ावा

- सीएस ने पीएनजी आधारित गैस कनेक्शन बढ़ाने पर जोर दिया

प्रमुख संवाददता, देहरादून

अमृत विचार: एलपीजी गैस सिलेंडरों को लेकर आमजन में मची उहापोह के बीच मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने जिलाधिकारियों को पीएनजी आधारित गैस कनेक्शन बढ़ाए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने इसके लिए व्यावसायिक संस्थानों को पीएनजी कनेक्शन के लिए प्रेरित किए जाने की बात भी कही। मुख्य सचिव ने गैस के विकल्प के रूप में पिरुल ब्रिकेट को भी बढ़ावा दिए जाने की बात कही। कहा कि इससे एलपीजी की कम खपत के साथ ही चीड़ के जंगलों

जिलाधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करते मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन। ● अमृत विचार

से पिरुल का निस्तारण हो सकेगा।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय से सभी जिलाधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में एलपीजी गैस उपलब्धता की ताजा स्थिति समझी। उन्होंने एलपीजी घरेलू एवं व्यवसायिक सिलेंडरों की आवश्यक मांग के अनुरूप भी आपूर्ति समय पर किए जाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने ग्रामीण क्षेत्रों से नए अपग्रेड शहरी क्षेत्रों को तेल कंपनियों के सिस्टम में भी अपग्रेड किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव एल. फ़ैनाई, सचिव विनोद कुमार सुमन, आनन्द स्वरूप एवं डीजी यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों को निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित हो

मुख्य सचिव ने जनपदवार गैस आपूर्ति की जानकारी लेते हुए प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं सहित अस्पतालों, शैक्षणिक एवं अन्य संस्थानों को भी निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को एलपीजी स्टेट कॉर्डिनेटर से लगातार संपर्क में रहकर आपूर्ति बढ़ाए जाने पर जोर दिया।

कैट में अपना पक्ष रखें आईपीएस

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने आईजी नीरू गर्ग और अरुण मोहन जोशी की केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन डीआईजी पद पर भेजने के आदेश को चुनौती देती याचिका पर सुनवाई की।

खंडपीठ ने केंद्र सरकार के आदेश को सही पाते हुए याचीकर्ताओं से केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) की खंडपीठ में अपना पक्ष रखने को कहा है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ये केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं। केंद्र सरकार ने इन्हें सेवा करने हेतु राज्यों में भेजा है। जब इनकी जरूरत केंद्र सरकार को पड़ती है तो केंद्र सरकार उन्हें प्रतिनियुक्ति के आधार पर वापस केंद्र में बुला सकती है। अगर इसमें भी इन कर्मचारी की शिकायत होती है तो उसके निवारण के लिए भी केंद्र सरकार ने सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल बोर्ड का गठन किया हुआ है। अभी इनके द्वारा बोर्ड में अपना पक्ष नहीं रखते हुए सीधे उच्च न्यायालय का रुख किया गया है जो कि केंद्र सरकार की नियमावली के खिलाफ है इसलिए याचिका पोषणीय नहीं है और इसे निरस्त किया जाए।

हाईकोर्ट ने याचीकर्ताओं से मांगा शपथपत्र

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने प्रदेश के एलटी शिक्षकों और प्रवक्ताओं की पदोन्नति में सीधी भर्ती व पदोन्नति के मामले में दायर कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए याचिकर्ताओं से कहा है कि इस मामले में राज्य सरकार द्वारा जो शपथपत्र पेश किया गया है, अगर उस पर आपको कुछ कहना है तो दो सप्ताह के भीतर अपना शपथपत्र कोर्ट में पेश करें। मामले की अगली सुनवाई 6 अप्रैल को होगी।

शादी की समस्या का समाधान निकालें

नैनीताल : हाईकोर्ट ने अल्मोड़ा के भतरौंजखान थाने में एक भाजपा नेता पर महिला उत्पीड़न के गंभीर आरोप और उसके बाद महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी द्वारा उसे निरस्त करने के मामले पर सुनवाई की। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने आरोपी से मौखिक आदेश पारित कर कहा है कि तीन दिन के भीतर पीड़िता से मिलकर शादी की समस्या का समाधान निकालें। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 27 मार्च की तिथि नियत की है।

हाईकोर्ट ने सौंग नदी को लेकर मांगा जवाब

नैनीताल: हाईकोर्ट ने देहरादून स्थित सौंग नदी के स्वरूप को लेकर सोमवार को सिंचाई विभाग से स्पष्टीकरण मांगा है। पूछा है कि सौंग नदी सदानीरा नदी है या मौसमी। इस मामले में दो सप्ताह बाद सुनवाई होगी। यह प्रकरण सौंग नदी के किनारे दून वैली स्टोन क्रशर को लेकर सामने आया है।

याचिकाकर्ता गुरचण सिंह का दावा है कि यह सदाबहार और सदानीरा नदी है जबकि दूसरे पक्ष का दावा है कि यह बरसाती नदी है। सुनवाई के दौरान यह भी बात सामने आयी कि सौंग नदी को लेकर सिंचाई विभाग में भी स्पष्टता नहीं है। विभाग ने दो जगह अलग-अलग तथ्यों का उल्लेख किया है। एक जगह इसे गंगा की तरह सदानीरा तो दूसरी जगह मौसमी बताया गया है।

षष्ठम कात्यायनी

कात्यायनी नवदुर्गा या हिंदू देवी पार्वती शक्तिद्ध के नौ रूपों में छठवां रूप हैं। कात्यायनी अमरकोष में पार्वती के लिए दूसरा नाम है। संस्कृत शब्दकोश में उमा, कात्यायनी, गौरी, काली, शाकुम्भरी व ईश्वरी इन्हीं के अन्य नाम हैं। शक्तिवाद में उन्हें शक्ति या दुर्गा, जिसमें भद्रकाली और चंडिका भी शामिल हैं में भी प्रचलित हैं। देवी कात्यायनी की पूजा से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है।

बीज मंत्र...

माँ कात्यायनी: क्लीं श्री त्रिनेत्रायै नमः

अल्मोड़ा में है मां नंदादेवी का मंदिर, भक्तों को सपने में देती हैं दर्शन, चंद वंशीय राजाओं की कुलदेवी शैलपुत्री के रूप में पूजी जाती हैं मां नंदा

200 अशर्फियां गलाकर हुआ था मां नंदादेवी की प्रतिमा का निर्माण

कमलेश कनवाल, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा स्थित मां नंदा देवी का पावन मंदिर हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। यहां स्थापित मां नंदा देवी को शैलपुत्री का रूप माना जाता है। अल्मोड़ा की नंदा देवी चंद वंश राजाओं की कुलदेवी हैं, जो आज भी अपने भक्तों को सपने में दर्शन देती हैं और उनकी मनोकामना पूरी करती हैं।

पुजारी तारा दत्त जोशी बताते हैं कि यह मंदिर प्राचीन काल का है और माता की मूर्ति की स्थापना इस प्रांगण में करीब 200 साल पहले की गई थी। इससे पहले नंदा देवी को मल्ला महल में पूजा जाता था। उसके बाद इस प्रांगण में माता की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। तब से लेकर आज तक यहां माता की पूजा-अर्चना की जाती है। नवरात्र में यहां भक्तों की काफी भीड़ होती है। श्रद्धालुओं द्वारा यह भी कहा जाता है कि माता ने उन्हें सपने में आकर दर्शन दिए। जिसके बाद वह इस मंदिर तक पहुंचे हैं। बताया कि चंद वंशज राज परिवार मां नंदादेवी को अपनी कुल देवी के रूप में पूजन करते हैं।

अल्मोड़ा में स्थित ऐतिहासिक मां नंदादेवी मंदिर। ● अमृत विचार

मंदिरों में खजुराहो कलाकृति: नंदादेवी मंदिर अल्मोड़ा की मंदिर की निर्माण शैली भी काफी पुरानी है। यहां उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर की स्थापना 17वीं शताब्दी के अंत में मानी जाती है। उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर के ऊपरी हिस्से में एक लकड़ी का छज्जा है। मंदिर में बनी कलाकृति खजुराहो मंदिरों की तर्ज पर है। ये मंदिर संरक्षित श्रेणी में शामिल हैं।

ऐसे हुई मंदिर की स्थापना

नंदादेवी मंदिर समिति संयोजक अर्जुन बिष्ट ने बताया कि 1670 में बाज बहादुर चंद बधानगढ़ से नंदादेवी की स्वर्ण प्रतिमा अल्मोड़ा लाए थे। 1699 में राजा ज्ञानचंद भी बधानकोट से एक स्वर्ण प्रतिमा अल्मोड़ा लाए। 1710 में राजा जगत चंद को बधानकोट विजय के अवसर पर नंदादेवी की प्रतिमा प्राप्त नहीं हुई। जिसके बाद उन्होंने अपने खजाने से 200 अशर्फियों को गलाकर नंदादेवी की प्रतिमा का निर्माण कराया और इन्हें मल्ला महल स्थित नंदादेवी मंदिर में प्रतिष्ठित कराया। जिस परिसर में वर्तमान नंदादेवी मंदिर स्थित है वहां पर 1690-91 में तत्कालीन नरेश उद्योत चंद ने दो शिव मंदिर उद्योत चंद्रेश्वर और पार्वती चंद्रेश्वर बनाए। अंग्रेजी शासनकाल में 1815 में तत्कालीन कमिश्नर ट्रेल ने उन्हें उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर में रखवा दिया। इसके बाद कमिश्नर ट्रेल उनकी आंखों की रोशनी अचानक काफी कम हो गई। कुछ लोगों की सलाह पर उन्होंने अल्मोड़ा आकर 1816 में नंदादेवी का मंदिर बनवाकर (वर्तमान मंदिर) वहां नंदादेवी की मूर्ति स्थापित कराई। उसके बाद उनके आंखों की रोशनी लौट आई।

तारा दत्त जोशी, पुजारी नंदादेवी मंदिर।

चंद वंशज करते हैं तांत्रिक पूजा

मां नंदा की पूजा-अर्चना तारा शक्ति के रूप में तांत्रिक विधि से करने की परंपरा है। पहले से ही विशेष तांत्रिक पूजा चंद शासक व उनके परिवार के सदस्य करते आए हैं। वर्तमान में चंद वंशज नैनीताल के पूर्व सांसद स्व. केसी सिंह बाबा का परिवार राजा के रूप में पूजा में बैठते हैं।

शिक्षकों को डिजिटल अरेस्ट करने का प्रयास

भीमताल: पिछले दो दिनों से एक अज्ञात नंबर से ब्लॉक धारी के अध्यापकों को लगातार धमकियां दी जा रही हैं। शिक्षकों के अनुसार, फोन करने वाला व्यक्ति उनसे मोबाइल पर अश्लील कंटेंट देखने का आरोप लगाकर एक लाख रुपये का जुर्माना और नौकरी जाने का भय दिखा रहा है। इस व्यक्ति ने शिक्षकों से पैसे की मांग करते समय बेहद आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया और उन्हें डराने का प्रयास किया।

शिक्षकों ने बताया कि खुद को देहरादून से क्राइम ब्रांच का अधिकारी इंद्रजीत सक्सेना बताने वाला यह व्यक्ति 25,000 रुपये में मामला निपटाने की बात कह रहा है। इसकी जानकारी शिक्षकों ने संगठन को दी है। संगठन ने सभी शिक्षकों से सतर्क रहने और किसी भी प्रकार के झांसे में न आने की अपील की है।

सिटी ब्रीफ

पुलिस ने सटोरिया पकड़ा

हल्द्वानी : बनभूलपुरा पुलिस ने सटोरिये को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, बीती 22 मार्च को कांस्टेबल लक्ष्मण राम, शिवम कुमार और दिलशाद अहमद गश्त करते हुए रेलवे क्रासिंग चोरगलिया रोड के पास पहुंचे तो वहां कुछ लोग झुंड बनाकर खड़े थे। पुलिस को देख वह घबरा गए। पुलिस ने भरत सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी आंवला चौकी गेट बनभूलपुरा को पकड़ लिया। 19 वर्षीय भरत के पास से सट्टा पर्ची, गत्ता और 2470 रुपये बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कच्ची शराब के साथ धरा

हल्द्वानी : चोरगलिया पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, टीम ने चेकिंग के दौरान हरदेव सिंह पुत्र सुच्चा सिंह निवासी ग्राम टुकड़ी, थाना नानकमत्ता, जिला ऊधमसिंह नगर को 105 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के सामने पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में एएसआई मनजीत सिंह, हेड कांस्टेबल जगदीश सिंह व कांस्टेबल चन्दन सिंह थे।

लालकुआं पुलिस के हत्थे चढ़ा फरार वारंटी

हल्द्वानी : लालकुआं पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, न्यायालय प्रथम अपर सिविल जज/ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हल्द्वानी से गांधीनगर खलयान बिंदुखत्ता लालकुआं निवासी ललित बिष्ट पुत्र दरबान सिंह के खिलाफ वारंट जारी किया गया था।

बनभूलपुरा में लगे कैंप बनेंगे 'मिनी तहसील'

कैंपों में नोटरी अधिवक्ताओं की तैनाती के बाद स्टांप निकालने के लिए लगाए जाएंगे लैपटॉप व प्रिंटर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण प्रकरण प्रभावितों की जागरूकता के लिए लगाए गए कैंप अब मिनी तहसील में तब्दील होंगे। इन कैंपों से स्टांप की भी ब्रिकी होगी और नोटरी अधिवक्ता तो तैनात किए ही जा चुके हैं। दरअसल, कैंप में राजस्व, प्रशासन, विधिक कर्मियों की नियुक्ति है। ऐसे में कैंप में सभी सुविधाएं होंगी जो एक तहसील में होती हैं।

इससे पहले सोमवार को रेलवे, प्रशासन, नगर निगम, रेलवे पुलिस फोर्स, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने बनभूलपुरा रेलवे भूमि प्रभावितों के लिए लगाए गए जागरूकता कैंप का स्थलीय निरीक्षण किया। टीम ने हल्द्वानी रेलवे स्टेशन, अंजुमन इस्लामिया कन्या पूर्वोत्तर माध्यमिक स्कूल किदवई नगर और राजकीय प्राथमिक विद्यालय बनभूलपुरा में लगे जागरूकता कैंपों का निरीक्षण किया।नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से कैंपों में जनता की सहूलियत के लिए नोटरी अधिवक्ता भी नियुक्त कर दिए हैं। सामने आया था कि कैंपों में जनता को परेशानी नहीं हो। इस तरह से ये कैंप एक तरह से मिनी तहसील बन जाएंगे क्योंकि यहां राजस्व, विधिक समेत अन्य विभागीय कर्मी व तकनीकी संसाधन भी होंगे।

इसके बाद टीम ने किदवई नगर में अंजुमन इस्लामिया पूर्वोत्तर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। यहां गफूर बस्ती के लोग थे। कैंप में कर्मियों की संख्या कम और आवेदकों की संख्या ज्यादा थी। इस पर एसडीएम प्रमोद कुमार ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से पैरा लीगल वॉलंटियर्स की संख्या बढ़ाने की मांग की ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को कम से कम समय में योजना समझाने के साथ ही अन्य प्रक्रिया हो सके। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव पारुल थपलियाल, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अभिषेक श्रीवास्तव, एडीआरएम मनोज कुमार, आरपीएस के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन श्रीवास्तव, सीनियर डिविजनल इंजीनियर रणजीत सिंह आदि रहे।

बनभूलपुरा में लगे एक कैंप में फार्म व दस्तावेज जमा करते लोग। ● अमृत विचार

बनभूलपुरा में एक कैंप का निरीक्षण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

5236 परिवार हैं रेलवे भूमि अतिक्रमण प्रकरण में

अधिकारियों के अनुसार, हल्द्वानी रेलवे स्टेशन से लगी 30 हेक्टेयर से ज़्यादा ज़मीन पर अभी अतिक्रमण है, जहां लगभग 5,236 परिवार और 50,000 की आबादी रहती है। 24 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में हुई एक सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभावितों को प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में जानकारी पहुंचाए और यह पक्का करे कि योग्य लाभार्थियों को इस योजना का लाभ मिले।

कैंपों में उठ रहे हैं ये सवाल

- पीएम आवास योजना में जो मकान मिलेगा किसके नाम पर होगा सरकार या आवेदक
- पीएम आवास योजना में कितनी कैटेगरी हैं, आवेदन कौन सी कैटेगरी का पात्र है
- पीएम आवास योजना में मकान कब तक और कहां पर मिलेगा
- फार्म जमा करने के कितने दिनों बाद मकान या जमीन मिल जाएगी।

नवरात्र पर रेस्टोरेंट्स में स्पेशल थाली बनी पसंद

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नवरात्र के व्रतों के चलते शहर में फलाहारी व्यंजनों की धूम देखने को मिल रही है। माता के भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेस्टोरेंट्स ने स्पेशल व्रत थाली और स्नैक्स की सीरीज तैयार की है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

रामपुर रोड स्थित स्टैंडर्ड स्वीट्स में व्रत की स्पेशल थाली 440 रुपये में उपलब्ध है। इस थाली में फ्रूट चाट, दही भल्ला, आलू बोंडा, मखाना, अरबी और कद्दू की सब्जी जैसे डिशेज शामिल हैं। वहीं, फ्रूट चाट 147 रुपये प्रति प्लेट और अरबी व कद्दू की सब्जी 347 रुपये प्रति प्लेट में मिल रही है। इसी तरह नैनीताल रोड स्थित बीकानेर स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट में 345 रुपये की फलाहारी स्पेशल थाली ग्राहकों को आकर्षित कर रही है। यहां फलाहारी डीलक्स थाली, समक चावल, पनीर की सब्जी, शाही कोफ्ता, आलू चिप्स और अरबी का अचार जैसे डिश उपलब्ध हैं। साथ ही 195 से 320 रुपये तक के विभिन्न कॉम्बो ऑफर भी ग्राहकों को भा रहा है। इधर, बाजार में भी व्रत से जुड़ी खाद्य सामग्री की मांग बढ़ गई है। मखाना 150 से 200 रुपये प्रति 100 ग्राम तक बिक रहा है, जबकि व्रत के चिप्स 50 रुपये प्रति पैकेट से शुरू होकर वजन के अनुसार अधिक कीमतों तक बिक रहे हैं।

न्यूट्रीशन से भरपूर है व्रत की थाली

व्रत की स्पेशल थाली में कुट्टू के आटे की पूरी, अरबी की सब्जी, पनीर मखाने और सीताफल की सब्जी, साबुदाने की खीर, कुट्टू और साबुदाना की पकौड़ी, खीरे का रायता, साबुदाना पापड़ और फ्रूट सलाद शामिल है।

शहर के एक रेस्टोरेंट स्पेशल थाली की जानकारी लेतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

जनता गैस के लिए परेशान सरकार मना रही जश्न: आर्य

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने जारी बयान में कहा कि सरकार रसोई गैस को लेकर केवल झूठे दावे कर रही है कि सब कुछ नियंत्रण में है। सच्चाई यह है कि आज प्रदेश की जनता रसोई गैस के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है।

शहरों में जब यह हाल है, तो गांवों की स्थिति कितनी भयावह होगी, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। शादियों का सीजन चल रहा है, लेकिन लोग गैस सिलेंडर के लिए लाइन में खड़े हैं। आम परिवारों के चूल्हे ठंडे पड़े हैं, और सरकार सब ठीक है का ढोल पीट रही है।कहा कि यह केवल अव्यवस्था नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनहीनता और नाकामी का जीता-जागता उदाहरण है। सरकार के मंत्री और अधिकारी एसी कमरों में बैठकर रिपोर्टों के आधार पर स्थिति सामान्य बता रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत अलग है। सरकार जश्न मना रही है, लेकिन जनता संकट झेल रही है। कहा कि हमारी मांग है कि प्रदेश में गैस आपूर्ति की वास्तविक स्थिति तुरंत सार्वजनिक की जाए। गैस संकट के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। कालाबाजारी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो और हर जिले में गैस आपूर्ति के लिए आपात योजना लागू की जाए।

घायल स्कूटी सवार की चार दिन बाद मौत

हल्द्वानी : बिना हेलमेट स्कूटी से जा रहा युवक ट्रक की चपेट में आ गया। उसके सिर पर मल्टीपल फ्रैक्चर हुए। युवक को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

ऊंचापुल ब्लॉक निवासी 33 वर्षीय गर्वित असवाल के बड़े भाई हर्षवर्धन असवाल ने बताया कि बीती 19 मार्च को गर्वित स्कूटी से निकला था। रात करीब 11 बजे वह घर की ओर लौट रहे थे। कुसुमखेड़ा में हनुमान मंदिर के पास गर्वित एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया। ट्रक की टक्कर से गर्वित गंभीर रूप से घायल हो गया। गर्वित को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान 23 मार्च की सुबह उनकी मौत हो गई।

बीबी को ठगकर एक साल से फरार पति हुआ गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पत्नी को ठग कर एक साल से फरार चल रहे पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने बिना पत्नी की जानकारी के उसके नाम पर 10 लाख रुपये का लोन ले लिया था। मामला खुला, पत्नी ने मुकदमा दर्ज कराया और पति तभी से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे उसकी बहन और जीजा के घर से गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, मंडी पुलिस चौकी क्षेत्र में रहने वाली यशा तेजवानी से संदीप गोयल नाम के व्यक्ति ने लव मैरिज की थी। यशा का कहना है कि वर्ष 2023 में संदीप ने उसके नाम से आगरा के कमला नगर से 10 लाख रुपये का लोन लिया था और इस बात की जानकारी उसे थी ही नहीं। लोन की किश्तें जमा नहीं हुईं और जब बैंक से रिकवरी के लिए फोन आने लगे तब पता कि संदीप ने धोखे से यशा से कई कागजों पर हस्ताक्षर कराए और लोन ले लिए। यशा ने जब इस बारे में बात की तो मामला बिगड़ गया। यह मामला लोन लेने के दो साल बाद सामने आया। जिसके बाद यशा ने हल्द्वानी कोतवाली में संदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। मुकदमा दर्ज कराते ही आरोपी संदीप फरार हो गया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मंडी चौकी पुलिस ने आरोपी को भोलानाथ गार्डन में रहने वाले उसके दीदी-जीजा के घर से गिरफ्तार कर लिया है।

लाखों की स्मैक संग दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पेशे से मजदूर और स्मैक के लती दो युवकों को काठगोदाम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों युवक न सिर्फ नशा करते बल्कि लोगों को बेचते भी थे। इनके पास से पुलिस ने लाखों रुपए कीमत की स्मैक बरामद की है।

सोमवार को पुलिस बहुउद्देशीय भवन में मामले का खुलासा करते हुए एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि बीती 22 मार्च को काठगोदाम पुलिस ने वन विभाग की जू डंपिंग जोन से देवलचौड़ बंदोबस्ती फूलचौड़ निवासी 29 वर्षीय आनन्द सिंह रावत पुत्र दिवान सिहं रावत और देवलचौड़ फूलचौड़ निवासी 21 वर्षीय रोहित थापा पुत्र पप्पू थापा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जब दोनों को पकड़ा तो दोनों डंपिंग जोन में बैठ कर बीड़ी पी रहे थे। आनन्द सिंह रावत और उसके दोस्त रोहित के कब्जे से स्मैक के साथ फॉइल पेपर, बीडी बंडल, लाइटर, एक पाइपनुमा कागज मिला। दोनों को मौके से उठाया गया तो कुल 91.10 ग्राम स्मैक मिली। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 27 लाख रुपए है। पुलिस टीम में मल्ला काठगोदाम चौकी प्रभारी दिलीप कुमार, कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह, एसओजी से हेड कांस्टेबल त्रिलोक रोतेला और कांस्टेबल भानू प्रताप थे। एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने पुलिस टीम को दो हजार रुपए इनाम की घोषणा की है। एसपी सिटी ने बताया कि दोनों आरोपी पेशे से मजदूर और स्मैक की तस्करी करते हैं। बरामद स्मैक आरोपी ऊधमसिंह नगर के शक्तिफार्म सितारगंज निवासी पिंचू से खरीद कर लाए थे। पुलिस पिंचू की तलाश कर रही है और उसे मुकदमे में सहअभियुक्त बनाया गया है।

तस्करी का खुलासा करते एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल, साथ में सीओ सिटी।

98 वाहनों के चालान, 8 किए सीज

- परिवहन विभाग ने सोमवार को शहर में चेकिंग अभियान चलाया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में अधिक किराया वसूली और यातायात नियमों के उल्लंघन पर परिवहन विभाग ने सोमवार को चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें पांच प्रवर्तन टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग की। अभियान के दौरान 98 चालान किए गए, जबकि 8 वाहनों को सीज किया गया।

चेकिंग के दौरान कई ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा चालक निर्धारित रेट से अधिक किराया वसूलते पाए गए, जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं, 5 वाहनों में किराया सूची प्रदर्शित न होने पर भी चालान किए गए। आरटीओ प्रवर्तन व सड़क सुरक्षा अरविंद पांडे के निर्देश पर गठित टीम में नो-एंट्री में चल रहे दो ओवरलोड ट्रकों को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित परिवहन थाने में सीज किया गया। बिना परमिट और टैक्स के संचालित बाहरी राज्यों की बसों पर भी कार्रवाई की गई। इस दौरान एक टैक्सी बाइक का चालान किया गया, जबकि अन्य संचालकों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। टीम में शामिल अधिकारियों ने वाहन चालकों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी। अभियान में एआरटीओ प्रवर्तन जितेंद्र सिंगवान, परिवहन कर अधिकारी पवन कुमार, अपराजिता पांडे, अनुभा आर्य, परिवहन उपनिरीक्षक गिरीश कांडपाल और नंदन सिंह शामिल रहे।

हल्द्वानी में वाहनों की चेकिंग करती परिवहन विभाग की टीम। ● अमृत विचार

अच्छी खबर | खेल मंत्री रेखा आर्या ने निर्माण स्थल का किया निरीक्षण, आगामी सत्र से कक्षाएं शुरू करने की तैयारी

खेल विश्वविद्यालय का सपना जल्द होगा साकार : आर्या

- मंत्री ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी तैयारियों का जायजा लिया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय को लेकर तैयारियां को लेकर खेल मंत्री रेखा आर्या ने हल्द्वानी के गौलापार स्थित स्वीकृत भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि वर्षों के संकल्प और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय बनने से प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर मंत्री ने सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के प्रशिक्षण शिविर का भी निरीक्षण किया और खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने विश्वास जताया कि 1 अप्रैल से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में प्रदेश की टीमें बेहतर प्रदर्शन करेंगी। कार्यक्रम में रविंद्र बाली, यशपाल आर्य, लता शाह, लीलावती जोशी, सुनील कुमार, राहुल यादव और गोविंद लटवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इधर ब्लॉक कार्यालय में सरकार के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम हुए। कई विभागों ने स्टॉल भी लगाए। समाज कल्याण विभाग, वन स्टॉप सेंटर, नैनीताल दुग्ध संघ,पशुपालन विभाग आदि विभागों की योजनाओं का प्रदर्शन किया गया। मंत्री रेखा आर्य ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया। साथ निर्देश दिए कि जनता तक सभी विकास योजनाओं को लेकर जाएं। इसके अलावा ब्लॉक कार्यालय सभागार में भी कार्यक्रम हुआ। मेयर गजराज बिष्ट और दर्जा मंत्री रेखा आर्य, सुरेश भट्ट भी रहे। एलईडी के माध्यम से सीएम धामी के विकास योजनाओं की झलक दिखाई गई। बीडीओ असगर अली ने बताया कि विकासखंड कार्यालय संबंधित योजनाओं को भी मंत्री रेखा आर्य के समक्ष रखा गया है।

गौलापार स्टेडियम में हॉकी टीम के साथ कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 24 मार्च 2026

नैनीताल

किसानों की मेहनत पर पानी फेर रहे जानवर

आलू की फसल चौपट, रातभर पहरा देने के बाद भी किसान सूअरों से नहीं बचा पा रहे अपनी फसल

- किसानों ने की जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग
- कुछ किसानों की दोबारा बोई गई आलू की फसल भी की बर्बाद

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: पहाड़ी क्षेत्रों में किसानों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब खेती केवल मेहनत और मौसम पर ही निर्भर नहीं रह गई है, बल्कि जंगली जानवरों का बढ़ता आतंक भी किसानों के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। धारी विकास खंड के कई गांवों में इन दिनों जंगली सूअरों ने किसानों की नींद उड़ा दी है। हालात ऐसे हैं कि किसान रातभर खेतों में पहरा देने को मजबूर हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी फसल सुरक्षित नहीं रह पा रही है।

आलू की फसल को पूरी तरह किया तबाह: धानाचूली व आसपास के गांवों में आलू की खेती करने वाले किसानों को इस वर्ष भारी नुकसान उठाना पड़ा है। किसानों का कहना है कि जंगली सूअर घेराबंदी तोड़कर खेतों में घुस रहे हैं और पूरी फसल को चौपट कर दे रहे हैं। कई किसानों की लाखों रुपये की फसल बर्बाद हो चुकी है।

ग्रामीणों के अनुसार, कुछ किसानों ने पहली बार फसल नष्ट होने के बाद दोबारा आलू की बुवाई की, लेकिन सूअरों ने दूसरी बार भी फसल को नष्ट कर दिया। इससे किसानों में गहरी निराशा है और कई किसानों ने अब आलू की खेती छोड़ने का मन बना लिया है। धानाचूली गांव के बची सिंह, रतन सिंह, राजेंद्र सिंह, गणेश सिंह और राजू बिष्ट सहित दर्जनों किसानों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

बंदर व आवारा मवेशियों ने बढ़ाई परेशानी

सिर्फ जंगली सूअर ही नहीं, बल्कि बंदर और आवारा मवेशी भी किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मटर, लहसुन सहित अन्य सब्जियों को बंदर और मवेशी तबाह कर रहे हैं। आने वाले एक-दो महीनों में आड़ू, प्लम और सेब की फसल तैयार होगी, जिस पर भी बंदरों का खतरा बना हुआ है। इन सभी कारणों से किसानों की स्थिति दिन-ब-दिन दयनीय होती जा रही है।

जंगली सूअरों द्वारा बर्बाद किए गए आलू के खेत। ● अमृत विचार

प्रशासन से ठोस समाधान की मांग

स्थानीय किसानों ने सरकार और प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि वन विभाग और कृषि विभाग को जंगली सूअरों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए या फिर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई, तो खेती करना उनके लिए असंभव हो जाएगा और उनका जीवनयापन गंभीर संकट में पड़ जाएगा।

कृषि विभाग द्वारा जंगली जानवरों से बचाव के लिए चेन लिंक फेंसिंग योजना चलाई जा रही है। इसके तहत ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रस्ताव देकर किसान योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना में विभाग द्वारा तार और पोल उपलब्ध कराए जाते हैं।
-दीप्ति मेहता, सहायक खंड कृषि अधिकारी, धारी

जंगली सूअरों को मारने का प्रावधान है। इसके लिए विधिवत वन विभाग से अनुमति लेनी होती है। लाइसेंसधारी बंदूकधारी किसान अपने खेतों में ही उन्हें मार सकता है। वहीं फसल नुकसान पर मुआवजे का भी प्रावधान है, जिसके लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। **- विजय भट्ट,** वन क्षेत्राधिकारी, उत्तरी गोला रेंज, नथुवाखान

राहगीरों के लिए समस्या बने आवारा सांड

रामनगर : नगर के मुख्य मार्गों पर इन दिनों आवारा सांडों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नेशनल हाईवे-309 पर घूम रहे सांड खुलेआम सड़कों पर नजर आ रहे हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये सांड अक्सर बीच सड़क पर बैठ जाते हैं या अचानक दौड़ने लगते हैं। कई बार दो सांड आपस में भिड़ जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है। खासतौर पर रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है, जब कम रोशनी के कारण ये सांड अचानक सामने आ जाते हैं। बाहर से आने वाले पर्यटक भी इस समस्या से परेशान हैं और खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने कई बार इस समस्या को लेकर प्रशासन और नगर पालिका, रामनगर से शिकायत की है। लोगों का कहना है कि आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या पर ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। वहीं, नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही अभियान चलाकर इन आवारा सांडों को पकड़कर गौशाला भेजा जाएगा।

नवरात्र पर माता के भजन कीर्तनों में झूम रहे श्रद्धालु

भरतपुरी में भजन कीर्तन करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: चैत्र नवरात्र के अवसर पर जहां मंदिरों में भक्तों की कतारें लगी हुई हैं, वहीं घरों में पूजन के साथ भजन-कीर्तन भी चरम पर हैं। भक्तों ने मां नवदुर्गा की पांचवीं शक्ति स्कंदमाता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। देवी मंदिरों में माता के जयकारों की गूंज के साथ भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में भरतपुरी में मंजू भट्ट, शांति घुगत्याल, सुनीता रावत, कमला जोशी, हेमा सनवाल आदि के आवास पर आयोजित नवदुर्गा भजन-कीर्तन में श्रद्धालुओं ने जमकर मां का गुणगान किया। श्रद्धालुओं ने गिरिजा मैया सदा तेरी जय-जयकार है, चारों ओर कोसी नदी की बहती धार है, कोई फूल बिछा आंगन में, मेरी मैया आने वाली है, सच्ची है तू, सच्चा तेरा दरबार माता रानिये, कर दे दया की एक नजर एक बार माता रानिये, जय-जय माता रानिये आदि भजनों से माहौल भक्तिमय कर दिया।

इस दौरान नीमा मठपाल, मंजू भट्ट, पुष्पा पंत, रेनू रावत, सुनीता रावत, रेखा मठपाल, सुनीता बहुगुणा, नीमा उप्रेती, जया जोशी, हेमा कुनयाल, प्रीति जखमोला, सतेश्वरी रावत, शांति घुगत्याल, सुमन रावत, प्रेमा घुगत्याल, दीपा भदोला, रेखा, गुड्डी रावत रहे।

प्रबंधक से वार्ता करते ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी एवं ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी। ● अमृत विचार

लोगों को गैस न मिली तो करेंगे आंदोलन : प्रमुख

रामनगर, अमृत विचार : गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी ने अपने समर्थकों और स्थानीय नागरिकों के साथ गैस प्रबंधक का घेराव किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की लगातार बाधित हो रही आपूर्ति अब गंभीर जनसमस्या बन गई है, जिससे आम जनता को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मंजू नेगी ने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग समस्या के प्रति पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है। उन्होंने साफ कहा कि यदि जल्द ही गैस आपूर्ति सुचारू नहीं हुई, तो वे जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगी। उन्होंने प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की। उधर, ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी ने भी कहा कि गैस एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों की उदासीनता के कारण जनता को भारी संकट झेलना पड़ रहा है। चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान शीघ्र नहीं हुआ, तो धरना-प्रदर्शन करने से पीछे नहीं हटेंगे। आम जनता को राहत मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रबंधक दीपक कुमार आर्या ने कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं। गैस वाहनों के माध्यम से मोहल्लों तक पहुंचाई जा रही है और जल्द ही व्यवस्था को और दुरुस्त करने के प्रयास किए जाएंगे।

डॉ. नंदन बिष्ट उप परीक्षा नियंत्रक बने

नैनीताल: कुमाऊं विश्वविद्यालय में परीक्षा कार्यों के सुचारु संचालन को लेकर महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय की 157वीं कार्य परिषद की बैठक में लिए गए फैसले के तहत भौतिकी विभाग के डॉ. नंदन सिंह बिष्ट को उप परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया गया है।

इस संबंध में जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, डॉ. बिष्ट परीक्षा संबंधी कार्यों के संचालन में कुलसचिव की सहायता करेंगे। यह दायित्व नियमित परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति होने तक प्रभावी रहेगा। बताया गया है कि डॉ. बिष्ट यह जिम्मेदारी अपने वर्तमान शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों के साथ अतिरिक्त रूप से निभाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन को उम्मीद है कि इस नियुक्ति से परीक्षा प्रणाली के संचालन में और अधिक सुगमता आएगी।

सफाई कर्मियों की हड़ताल खत्म

संवाददाता, कालाढूंगी

वाल्मीकि समाज के लोगों की मांगें सुनते एसडीएम बिपिन चंद्र पंत। ● अमृत विचार

अमृत विचार: वाल्मीकि मंदिर में सौंदर्यकरण के लिए नगर पालिका द्वारा पार्किंग स्थल बनाए जाने के विरोध में पांच दिन से चल रही हड़ताल खत्म हो गई है। हड़ताल के कारण शहर में सफाई व्यवस्था पूर्ण रूप से चरमरा गई थी और हर जगह गंदगी का अम्बार लग गया था। नवरात्रि के त्योहार के बीच यह स्थिति और अधिक समस्या खड़ी कर रही थी।

सोमवार को नगर पालिका कार्यालय के गेट पर धरना दे रहे लोगों और पालिका के बीच वार्ता सफल नहीं हो पाई। शाम को एसडीएम बिपिन चंद्र पंत मौके पर पहुंच समस्या सुनी। इसके बाद नगर पालिका, प्रशासन और वाल्मीकि समाज के बीच हुई बैठक में सहमति बनी। इसमें पार्किंग स्थल पर स्लाटर गेट बनाने और एक चाबी मंदिर समिति तथा एक पालिका के पास रखने पर समझौता हुआ। उक्त स्थल पर पालिका अध्यक्ष और ईओ के वाहन खड़े होने पर सहमति बनी। पालिका परिसर के कुछ दुकानदारों ने इस निर्णय का विरोध किया। इसके बावजूद वाल्मीकि समाज और सफाई कर्मचारियों ने एसडीएम और नगर पालिका अध्यक्ष के फैसले का स्वागत किया और हड़ताल समाप्त करने का ऐलान किया। नगर पालिका अध्यक्ष रेखा कत्यूरा ने कहा कि यह धार्मिक आस्था का विषय है। कुछ बाहरी लोग इसे राजनीतिक षड्यंत्र बताने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मामला स्पष्ट हो चुका है। उन्होंने कहा कि कल से शहर में सफाई व्यवस्था पटरी पर लौट आएगी।

इस दौरान ईओ अभिनव कुमार, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष पुष्कर कत्यूरा, भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल, मंदिर समिति अध्यक्ष सचिन वाल्मीकि, आकाश वाल्मीकि, अंकुश वाल्मीकि, रितिक वाल्मीकि, कैलाश वाल्मीकि, मंजू देवी, सुमित्रा देवी, सुनीता देवी, गुड्डी देवी, सची देवी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

एनएसएस का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा

रामनगर: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनएसएस का विशेष शिविर पंडित गोरी दत्त दानी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, छोई में प्रारंभ हो गया है।

मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रधानाचार्य केडी जोशी एवं विशिष्ट अतिथि प्रधान गजपुर-गड़वा (छोई) सुनील बिष्ट ने दीप जलाकर किया। स्वयंसेवियों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता भदोला ने एनएसएस के उद्देश्यों एवं छात्र जीवन में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुमन कुमार ने स्वयंसेवियों को महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद के विचारों का अनुसरण को प्रेरित किया। मुख्य अतिथि केडी जोशी ने छात्र जीवन में अनुशासन को जरूरी बताया। ग्राम प्रधान सुनील बिष्ट व महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एमसी. पांडे ने शिविरार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

पर्यटकों की कार में लगी आग, जलकर हुई खाक

संवाददाता, नैनीताल

- कार सवार सभी लोग सुरक्षित बाहर निकले

अमृत विचार: दिल्ली से कैंची धाम दर्शन के लिए आए पर्यटकों की कार में सोमवार को अचानक आग लग गई, जिससे कुछ ही सेकंड में पूरी गाड़ी आग का गोला बन गई। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, गनीमत रही कि समय रहते सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गए और कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, सेनेटोरियम भवाली के पास खड़ी कार में अचानक आग लग गई। वाहन दिल्ली निवासी अजय कुमार पुत्र अशोक कुमार का बताया जा रहा है, जो कैंची धाम दर्शन के लिए आए हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार से अचानक धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन मल्लीताल नैनीताल से फायर यूनिट तुरंत मौके के लिए रवाना हुई। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंचकर टीम ने आग पर काबू पाया और कुछ ही देर में आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। यहां प्रकाश कांडपाल, पुष्कर सिंह, भूपेंद्र सिंह और किशोर सिंह मौजूद रहे।

शहादत दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू को किया याद

संवाददाता, रामनगर

कालाढूंगी में मोमबत्ती जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि देते युवा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर युद्ध-विरोधी आम सभा का आयोजन किया गया। संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले शहीद पार्क में हुई सभा में अमेरिका-इजराइल गठजोड़ द्वारा ईरान पर थोपे गए युद्ध की कड़ी भर्त्सना की गई। सभा में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अमेरिका तेल-गैस संसाधनों पर कब्जे के लिए विभिन्न देशों पर हमले कर रहा है और इसी क्रम में इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमला किया गया है।

उन्होंने कहा कि ईरान के रिहायशी इलाकों, स्कूलों और अस्पतालों पर भी बमबारी की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में निर्दोष लोग मारे गए हैं। इस दौरान 'पछास' से जुड़े भुवन एवं राज ने "मेरा रंग दे बसंती चोला" जनगीत प्रस्तुत कर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि दुनिया भर की जनता ईरान के साथ खड़ी है और अमेरिका-इजराइल का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि ईरान, खाड़ी देशों और इजराइल के बीच तेल-गैस स्रोतों, रिफाइनरियों और अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले हो रहे हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर तेल-गैस की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। सभा में युद्ध को तत्काल रोके जाने की मांग की। सभा को उपपा के महासचिव प्रभात ध्यानी, रोहित रुहेला, गिरीश चंद्र, तुलसी छिम्वाल, मुनीष कुमार, सुमित कुमार सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया। यहां मनमोहन अग्रवाल, सुमित्रा बिष्ट, फैजल खान, टीके खान, लालता प्रसाद श्रीवास्तव, आनंद सिंह नेगी, भुवन, चिंता राम, आसिफ आदि रहे।

कालाढूंगी में युवाओं ने शहीदों को किया नमन

कालाढूंगी : शहीद दिवस पर नगर के उधमसिंह पार्क में युवाओं ने शहीद वीरों के सम्मान में नमन कर उन्हें याद किया। सोमवार को सामाजिक कार्यकर्ता मंयक गुप्ता के नेतृत्व में दर्जनों युवाओं ने पार्क पहुंचकर शहीदों को दो मिनट का मौन रख कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सामाजिक कार्यकर्ता मंयक गुप्ता ने कहा कि यह दिन भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव सहित सभी वीरों के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्होंने अपनी कुर्बानी से देश की स्वतंत्रता की राह आसान बनाई। यह दिन उनकी वीरता, साहस और बलिदान की याद दिलाने के साथ ही लोगों के दिल में देशभक्ति की भावना जगाता है। इस अवसर पर रीतिक गोस्वामी, गौरव बुढलाकोटी, मेहर बिष्ट, निर्मल सैंखों, विक्रम सिंह, प्रिंसं वालिया, लक्की वाल्मीकि, आकाश वाल्मीकि, अजय, रतिक, अंकुल, उदय, सक्षम, राज, गौरव, सौरभ, वंश, वासु गुप्ता, नानू रहे।

शोषण के खिलाफ संघर्ष का संकल्प

लालकुआं : शहीद-ए-आज़म भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहादत दिवस पर शोषण के खिलाफ संघर्ष को बढ़ाने का संकल्प लिया गया। माले कार्यकर्ताओं ने 23 मार्च को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस पर उन्हें क्रांतिकारी श्रद्धांजलि अर्पित की। वरिष्ठ नेता बहादुर सिंह जंगी ने कहा कि आज के दौर में सरकार द्वारा असहमति की आवाज़ों को दबाने की कोशिशें तेज हुई हैं। ऐसे समय में भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का जीवन हमें साहस, प्रतिरोध की प्रेरणा देता है। डॉ. कैलाश पांडेय, विमला रौथाण, पुष्कर दुबड़िया, किशन बघरी, नैन सिंह कोरंगा रहे।

उत्साह | शहरी विकास मंत्रालय मिलने से महायोजना के फिर से अस्तित्व में आने की आस जगी

कैड़ा के कैबिनेट मंत्री बनने से भीमताल वासियों की उम्मीदें बढ़ीं

राकेश सनवाल, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल के विधायक राम सिंह कैड़ा के कैबिनेट मंत्री बनने और शहरी विकास मंत्रालय उनके पास आने से भीमताल नगर के वासियों में विशेष उत्साह है। यह उत्साह महायोजना को लेकर है। जिला विकास प्राधिकरण की महायोजना 2011 में समाप्त हो गई थी। 2011 से नई महायोजना आज तक नहीं बन पाई है, जिसके चलते नियोजित विकास प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय लोगों द्वारा महायोजना को लागू करने की मांग लंबे समय से लंबित है। उनका कहना है कि बढ़ती आबादी और क्षेत्र के समुचित विकास के लिए महायोजना आवश्यक है, जिससे सभी मूलभूत सुविधाएं सुव्यवस्थित ढंग से लोगों तक पहुंच सकें। महायोजना को लेकर स्थानीय भाजपा नेताओं पर भी निवासियों और मतदाताओं का दबाव बढ़ रहा है। जिला स्तरीय भाजपा नेता और कार्यकर्ता बताते हैं कि कैबिनेट मंत्री से महायोजना 2011 के संदर्भ में निवेदन किया जाएगा।

रोडवेज व फायर स्टेशन: स्थानीय विधायक को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिलने और शहरी विकास मंत्रालय का भार मिलने से भीमताल की दो महत्वपूर्ण योजनाओं रोडवेज स्टेशन और फायर स्टेशन के पूर्ण होने की आशा जागी है, जो लगभग तीन दशक से लंबित हैं। भीमताल एक महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल होने के बावजूद आज तक रोडवेज स्टेशन और फायर स्टेशन से वंचित है। रोडवेज स्टेशन नहीं होने से यहां आने वाले पर्यटकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां पहुंचने के लिए मुख्य रूप से निजी वाहन, टैक्सी, या हल्द्वानी से भीमताल होते हुए जाने वाली सीमित रोडवेज बसें तथा कुमाऊं मोटर्स ओनर्स यूनियन की बसें ही उपलब्ध हैं। दूसरी ओर, 200 से अधिक होमस्टे, होटल, रिसोर्ट और गेस्ट हाउस होने के बावजूद यहां आज तक फायर स्टेशन नहीं बन पाया है। इसके कारण आग लगने की स्थिति में भीमताल के लोगों को हल्द्वानी या नैनीताल पर निर्भर रहना पड़ता है। भीमताल में पर्याप्त प्रसाधन केंद्रों का निर्माण भी नहीं हो सका है, जिससे पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

महा योजना 2011 के मामले से कैबिनेट मंत्री को अवगत कराया जाएगा और उनसे निवेदन किया जाएगा कि महायोजना को धरातल पर उतारा जाए।
-मनोज भट्ट, जिला मंत्री, भाजपा

यह मांग जनहित से जुड़ी है और लंबे समय से लोग इसके लिए प्रयासरत हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो और सभी सुविधाएं लोगों को मिलें, इसके लिए महायोजना का लागू होना जरूरी है। **-नितेश बिष्ट,** सामाजिक कार्यकर्ता

डिप्लोमा इंजीनियर मांगों को लेकर हड़ताल पर गए

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ ने अपनी लंबित 27 सूत्रीय मांगों के समाधान न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। महासंघ के प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर सोमवार से प्रदेशभर के डिप्लोमा इंजीनियर हड़ताल पर चले गए हैं, जिससे विभिन्न कार्य प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

नैनीताल में महासंघ के अध्यक्ष दीप चौधरी की अध्यक्षता में प्रांतीय खंड के इंजीनियरों ने धरना-प्रदर्शन और बैठक की। इस दौरान महासंघ के सदस्यों में मांगों को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिला। अध्यक्ष दीप चौधरी ने बताया कि पूर्व में इस संबंध में शासन स्तर पर कई बार वार्ता की गई, पर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। कहा कि मांगों के निराकरण में लगातार हो रही अनदेखी के चलते इंजीनियरों को हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि हड़ताल के कारण आम जनता को होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी के लिए शासन और प्रशासन जिम्मेदार होगा। धरना-प्रदर्शन में सुरेश डंगवाल, गोविंद सिंह, तुलाराम टम्टा, राजेंद्र गिरी, किशोर कुमार, जीबी जोगी, जीसी जोशी, वंदना, वेद प्रकाश, शालू प्रजापति, मोहन सिंह, नीरज तिवारी, विवेक सिंह, मनोज सिंह, विजय बिष्ट आदि रहे।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

सिटी ब्रीफ

स्वयंसेवियों ने भाषण व स्वरचित कविता में किया प्रतिभाग

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज के एनएसएस विशेष शिविर का शुभारंभ राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुभाष नगर में हुआ। शिविर का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने किया। एनएसएस की पांचों इकाइयों में 250 स्वयंसेवियों ने भाषण, स्वरचित कविता, गीत एवं पर्यावरण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। शिविर के पहले दिन स्वयंसेवियों ने महिला सशक्तिकरण पर सुंदर प्रस्तुति दी। इस दौरान स्वयंसेवियों ने रचनात्मक रूप से विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवी मणिशंकर पोखरिया ने किया। इस मौके पर डॉ. दीपा सिंह, डॉ. किरन कर्नाटक, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. भुवन चंद्र मेलकानी, डॉ. जीवन सिंह गड़िया, चंदन बगडवाल रहे।

एसकेएम का छात्र लक्ष्य आचार्यकुलम् शैक्षिक संस्थान के लिए चयनित

हल्द्वानी : एसकेएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मेधावी छात्र लक्ष्य जोशी का चयन आचार्यकुलम् शैक्षिक संस्थानम् हरिद्वार के लिए हुआ है। आचार्यकुलम् योग गुरु स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण का एक प्रमुख आवासीय शिक्षण संस्थान है, जो पतंजलि योगपीठ के अंतर्गत संचालित होता है। लक्ष्य जोशी ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका शर्मा, उप प्रधानाचार्या भामिनी चौहान जोशी, प्रशासक ऋषभ जोशी सहित समस्त शिक्षकों ने लक्ष्य को बधाई दी है।

गंगा की पवित्रता, जल संरक्षण व प्रदूषण नियंत्रण पर रखे विचार

हल्द्वानी : गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत महिला डिग्री कॉलेज में नमामि गंगे प्रकोष्ठ की ओर से भाषण व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गंगा नदी के महत्व, स्वच्छता, संरक्षण व पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने गंगा की पवित्रता, जल संरक्षण व प्रदूषण नियंत्रण पर विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान गंगा स्वच्छता अभियान से जुड़ी जानकारी भी दी गई। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने गंगा के संरक्षण के लिए जनभागीदारी पर जोर दिया। इस मौके पर पूर्व नोडल अधिकारी डॉ. प्रभा साह, डॉ. गीता पंत आदि मौजूद रहे।

पहाड़ी जिलों में पुलिस की हालत बुरी, गिरफ्तारी न के बराबर, साइबर क्राइम पर कार्रवाई के आंकड़े पुलिस की ही कार्यशैली पर उठा रहे सवाल

बहुत बेइंसाफी है... जिले 06, वारदात 312 और पकड़े सिर्फ 46

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार: बहुत बेइंसाफी है... डॉयलॉग तो फिल्मी है लेकिन निरंतर बढ़ते साइबर अपराध के मामलों और दबोचे गए अभियुक्तों के आंकड़ों पर गौर करें तो यह फिट बैठता है। साइबर क्राइम पर पुलिस कार्रवाई के आंकड़े, पुलिस की ही कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पिछले साल कुमाऊं के छह जिलों में साइबर अपराध के कुल 312 मामले दर्ज कर दिए गए, लेकिन इन अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने में पुलिस लगभग नाकाम रही।

मैदानी जिलों में पुलिस ने फिर भी काम किया, लेकिन पहाड़ी जिलों में साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी पुलिस की संजीदगी पर सवाल खड़े कर रही है। कुल मिलाकर 312 वारदातों को अंजाम देने वाले शातिरों में से पुलिस सिर्फ 46 साइबर क्रिमिनल्स को ही सलाखों के पीछे पहुंचा सकी।

आरटीआई से मिले आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले साल जनवरी से नवंबर के बीच साइबर अपराधियों ने सबसे ज्यादा वारदातों को ऊधमसिंह नगर जिले में अंजाम दिया। कुल 130 वारदातें सामने आईं और इन वारदातों को अंजाम देने वाले सिर्फ 12 अपराधियों को ही पुलिस सलाखों के पीछे पहुंचा सकी। इसी तरह नैनीताल जिले में 88 मुकदमे दर्ज हुए और 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया। ऊधमसिंह नगर और नैनीताल के अलावा अन्य पहाड़ी जिलों की पुलिस गिरफ्तारियों के मामले में बेहद कमजोर नजर आई। पुलिस विभाग से जारी आंकड़ों पर नजर डालें तो अल्मोड़ा में 25 घटनाएं और 8 गिरफ्तारियां, बागेश्वर में 15 मुकदमे और केवल 1 गिरफ्तारी, पिथौरागढ़ में 12 मुकदमे और 3 गिरफ्तारी हुई। इसी तरह चम्पावत में साइबर क्राइम से जुड़े 42 मुकदमे दर्ज किए गए और गिरफ्तारियां सिर्फ 4 हुईं।

11 महीनों में 31 करोड़ 85 लाख 25 हजार 465 रु. की ठगी

हल्द्वानी : पिछले साल के 11 महीनों में कुमाऊं के छह जिलों से साइबर क्रिमिनल घर बैठे 31,85,25,465 (करोड़) रुपए की साइबर ठगी की। साइबर क्रिमिनल्स ने नैनीताल से 7,043,3,373 रुपए, ऊधमसिंह नगर से 1,68,27,4493 रुपए, अल्मोड़ा से 3,36, 43, 482, बागेश्वर से 1,26, 51, 483, पिथौरागढ़ से 1,54, 59, 638 और चम्पावत से 1, 80, 62, 996 रुपए की ठगी को अंजाम दिया। यानी कुल 31,85,25,465 (करोड़) रुपए की ठगी को अंजाम दिया गया।

नवंबर में नैनीताल पुलिस ने पकड़े थे बड़े साइबर अपराधी

हल्द्वानी : पिछले साल नवंबर में नैनीताल पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। ज्योलीकोट चौकी इंचार्ज की तहरीर पर सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ बाहरी लोग क्षेत्र में लोगों को गेमिंग ऐप में पैसा लगाने और बैंक खाते व सिम कार्ड देने के बदले 3 प्रतिशत कमीशन का लालच दे रहे थे। जिसके बाद इन चारों को ज्योलीकोट से पकड़ा गया था। इनके पास से बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, सिम कार्ड और डेबिट कार्ड बरामद हुए थे।

> साइबर क्राइम के मामलों में पुलिस को सख्त निर्देश हैं कि पीड़ित की तहरीरों पर तुरंत मुकदमा दर्ज कर प्रभावी कार्रवाई की जाए। इसमें बेहतर प्रदर्शन न कर पाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।
> **-रिद्धिम अग्रवाल**, आईजी

एपस्टीन फाइल से हो रही ठगी युद्ध ने रोकी

हल्द्वानी : कुछ दिनों पहले तक एपस्टीन फाइल पूरी दुनिया में चर्चा का विषय थी। बड़े-बड़े देशों के बड़े-बड़े की तस्वीर और फाइलें दुनिया ने देखी। गूगल सर्च में कुछ समय पहले तक टॉप रैंक कर रही थी और साइबर क्रिमिनल्स ने इसका भी जमकर इस्तेमाल किया, लेकिन अचानक ही इस तरह का साइबर अपराध लगभग थम गया। इसकी वजह थी ईरान से अमेरिका और इजाइल का युद्ध। आज एपस्टीन फाइल के बजाय गूगल सर्च में टॉप रैंक पर युद्ध है। इसको लेकर पिछले माह तक पुलिस भी लोगों को गूगल पर एपस्टीन फाइल को सर्च करने पर सुरक्षा बरतने की हिदायत दे रही थी।

विभिन्न वर्गों की मैराथन आज

हल्द्वानी : जिला क्रीड़ाधिकारी निर्मला पंत ने बताया कि जन-जन की सरकार, चार साल बेमिसाल थीम पर 23 से 25 मार्च तक खेल प्रतियोगिताएं होंगी। इसी क्रम में 24 मार्च को सुबह 7 बजे जिला खेल कार्यालय से महिला, पुरुष, बालक, बालिक मैराथन का आयोजन होगा।

सुबह 9:30 बजे से जिला स्तरीय ओपन बालक वालीबॉल प्रतियोगिता हल्द्वानी स्पोर्टस स्टेडियम में होगी। इसमें इच्छुक खिलाड़ी आधार कार्ड, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, फोटो लेकर आएंगे।

उन्होंने बताया कि इस वालीबॉल प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी 26-27 मार्च को गोपेश्वर चमोली में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

सिलेंडर नहीं मिला तो चौपट हो जाएगा व्यापार

व्यापारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी को ज्ञापन सौंपकर की कॉमर्शियल सिलेंडर आपूर्ति की मांग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने जिला प्रशासन से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति की मांग की है। आरोप लगाया कि कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने से कई छोटे-मध्यम रेस्टोरेंट, फड़ वगैरह ठप हो गए हैं। आगामी शादी सीजन में कैटरिंग व्यवसाय भी प्रभावित होने का आसार है।

जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी को ज्ञापन सौंपकर कहा कि पिछले कुछ दिनों से कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरह बंद है। जिससे व्यापरियों के सामने रोजी रोटी का संकट आ गया है। छोटे व्यापारियों को फड़, दुकानें बंद करने को मजबूर हैं। होटल, रेस्टोरेंट में भी सिलेंडर नहीं मिलने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। जबकि कर्मियों को बिना काम के ही भुगतान करना पड़ रहा है। नवरात्रि समाप्त के बाद शादी का सीजन शुरू हो रहा है, ऐसे में कैटरिंग व्यवसाय भी चौपट होने के आसार हैं। एक आम बजट की शादी में 12-15 सिलेंडर और भव्य शादी में 40-50 सिलेंडरों की खपत होती है जब कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलेंगे तो कैटरिंग हो पाना बेहद मुश्किल है। सभी ने एक सुर में कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति शुरू करने की मांग की। इस पर सिटी मजिस्ट्रेट बाजपेयी ने बताया कि कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर गाइड लाइन आ रही है, जल्द ही इस बारे में बताया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में हर्षवर्धन पांडे, योगेश शर्मा, हरिमोहन अरोरा, प्रदीप सब्बरवाल आदि रहे।

हल्द्वानी में व्यावसायिक गैस की किल्लत को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते व्यापारी। ● अमृत विचार

सिलेंडर नहीं मिलने पर गैस एजेंसी का घेराव किया

हल्द्वानी : पार्षद मनोज जोशी के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने सोमवार को इंडेन की आशीर्वाद गैस एजेंसी का घेराव किया। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति के लिए रोज नए स्थान बताए जा रहे हैं, जब जनता पहुंचती है तो इंकार कर दिया जाता है। गुस्साए लोगों ने एक सुर में कहा कि यदि गैस आपूर्ति नहीं हो सकती है तो लिखित में दे दें ताकि वह प्रशासनिक अधिकारियों की गुहार लगाएं। जनता को बेवजह गुमराह नहीं किया जाए। इसको लेकर एजेंसी स्वामी व कर्मियों की तीखी बहस हुई। बाद में एजेंसी संचालक ने आश्वासन दिया कि बुधवार से नियमित आपूर्ति होगी। सर्वप्रथम 16 मार्च तक का बैकलॉग दूर किया जाएगा। इस पर पार्षद ने चेतावनी दी कि यदि बुधवार से आपूर्ति सुचारू नहीं हुई तो एजेंसी में ही धरना दिया जाएगा। इस दौरान केदारपुरम, केशवपुरम, बिहारी कलोनी, वसुंधरा कलोनी, मयूर विहार, स्पैरो कलोनी, मोरारजी नगर, शक्ति विहार, मोटाहल्दू सुयाल आदि कॉलोनियों के लोग थे। इस दौरान हेम तिवारी ,नवांबल्लभ तिवारी, प्रेमा मेहता, नीलम गुप्ता, ललित नेगी, प्रभा, खुशबू आदि थे।

पटरी पर लौटी पेट्रोल आपूर्ति, एलपीजी की दिक्कतें बरकरार

हल्द्वानी : शहर में एलपीजी की किल्लत के बीच ईद के बाद पेट्रोल आपूर्ति भी प्रभावित हो गई थी, जिससे कई पेट्रोल पंपों पर ड्राई जैसे हालात बन गए थे। सोमवार को डिपो से तेल के टैंकर पहुंचने के बाद स्थिति में सुधार हुआ और अधिकांश पंपों पर प्रीमियम पेट्रोल के साथ साधारण पेट्रोल की बिक्री फिर से शुरू हो गई। हालांकि, समता आश्रम गली के पास स्थित एक पेट्रोल पंप पर अब भी पेट्रोल नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि डिपो को एडवांस पेमेंट न किए जाने के कारण आपूर्ति बाधित है, जिससे यहां पेट्रोल भराने पहुंचे लोगों को निराश लौटना पड़ रहा है। वहीं, पास ही स्थित इंडियन ऑयल के पंप पर टैंकर पहुंचने के बाद उपभोक्ताओं को राहत मिली। इधर, घरेलू एलपीजी सिलेंडर को लेकर संकट अभी भी बना हुआ है। डोर-टू-डोर डिलीवरी के दावों के बावजूद कई उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। डीएसओ मनोज वर्मा ने बताया कि एलपीजी की आपूर्ति डोर-टू-डोर की जा रही है, हालांकि सामान्य से अधिक समय लग रहा है।

विधायक भगत ने स्कूल के भवन का किया लोकार्पण

कालाढूंगी में स्कूल के नवनियुक्त भवन का लोकार्पण करते विधायक बंशीधर भगत।

संवाददाता, हल्द्वानी/कालाढूंगी

अमृत विचार : भाजपा विधायक बंशीधर भगत ने सोमवार को कोटाबाग ब्लॉक के बैलपोखरा स्थित प्राथमिक विद्यालय बच्ची नगर में 25.69 लाख रुपये से नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया और भवन को विद्यार्थियों के समर्पित किया।

विधायक भगत ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास की मजबूत आधारशिला होती है। बच्चों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण में शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। विद्यालय का पुराना भवन काफी जर्जर हो चुका था, जिस कारण छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को पढ़ाई-लिखाई में अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। स्थानीय जनता, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन की मांग को गंभीरता से लेते हुए नए भवन का निर्माण कराया गया है।

इस अवसर पर जनसंवाद बैठक में क्षेत्रवासियों ने सड़क, पेयजल एवं बिजली से जुड़ी विभिन्न समस्याएं उठाईं। इस पर विधायक ने संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान प्रधानाध्यापक नीलम आर्या, अध्यापक शिवानी सिंह, ग्राम प्रधान राजरानी, बीडीसी सदस्य जसविंदर पाल, प्रधान सुरेंद्र बोरा, अनिल कांबोज, अजय कांबोज, प्रकाश पटवाल, जयप्रकाश कांबोज रहे।

बच्चों को स्कूल वैग वितरित करते प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत। ● अमृत विचार

विकास भगत ने बच्चों को बांटे स्कूल बैग

हल्द्वानी, अमृत विचार : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने मिशन मुस्कान हर हाथ में स्कूल बैग अभियान के 24वें दिन सोमवार को देवलचौड़ बंदोबस्ती, देवलचौड़ खाम और हल्दूपोखरा नायक में नन्हे-मुन्ने बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए। उन्होंने कहा कि बैग मिलने पर बच्चों की आंखों में आई चमक और उनकी खुशी ही इस अभियान की असली ताकत है। हमारा संकल्प है कि कोई भी बच्चा संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे और हर बच्चे के सपनों को नई उड़ान मिले। इस अवसर पर प्रधान किशन दर्मवाल, प्रधान अर्चना बिष्ट, प्रधान गंगोत्री देवी, पूर्व प्रधान सुरेन्द्र बिष्ट, बालम बिष्ट, मोहन देवरानी, गंगा दर्मवाल, टीकम दर्मवाल, कोमल दर्मवला, दीपू नेगी, पंकज कुंजवाल, त्रिलोक निगलटिया, जगत सिंह बिष्ट, वीरु पाल, गौरव जोशी, तरुण बिष्ट, नरेन्द्र दर्मवाल, पंकज निगलटिया रहे।

मिशन उत्तराखंड : 26 को अल्मोड़ा में सम्मेलन

रामनगर: मिशन उत्तराखंड 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य की क्षेत्रीय पार्टियों, जन संगठनों, बुद्धिजीवियों एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक 26 मार्च गुरुवार को शिखर होटल, अल्मोड़ा में आयोजित की जाएगी। बैठक में तीसरे मोर्चे के गठन को लेकर रणनीति बनाए जाने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि 26 मार्च को आयोजित इस बैठक में उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी, उत्तराखंड लोक वाहिनी, भारत की लोक जिम्मेदार पार्टी, राष्ट्रीय रीजनल पार्टी और स्वाभिमान मोर्चा सहित विभिन्न संगठनों ने भागीदारी के लिए सहमति दी है। इसके अलावा पूर्व सैनिक संगठनों, राज्य आंदोलनकारियों, सामाजिक एवं जन संगठनों से जुड़े लोगों तथा बुद्धिजीवियों को भी आमंत्रित किया गया है।

10 से 24 अप्रैल तक होगी डिजिटल स्वगणना

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जनपद में जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना 25 अप्रैल से 24 मई 2026 के बीच होगी। जनपद प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने सोमवार को काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस सभागार में जनगणना-2027 के मास्टर ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किया है, यह जनगणना ही उसका आधार तैयार करेगी। सभी विकास योजनाएं जनगणना के आंकड़ों पर ही आधारित होती है इसलिए यह बहुत जिम्मेदारी का काम है।

इधर, एडीएम शैलेंद्र नेगी ने फील्ड प्रगणकों को मकानों एवं परिवारों के सूचीकरण का प्रशिक्षण दिया। मास्टर ट्रेनर जिला अर्थ संख्याधिकारी मुकेश नेगी ने जनगणना की प्रक्रिया, मकानों और परिवारों के सूचीकरण और डिजिटली डाटा संग्रहण की जानकारी दी। एडीएम नेगी ने कहा कि पहली बार डिजिटली जनगणना कराई जा रही है जिसके लिए मोबाइल एप से डाटा संकलन किया जाएगा। फील्ड ट्रेनरों को एप के संचालन, डाटा एंट्री और सर्वेक्षण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना प्रशासन की विश्वसनीयता और शासन की पारदर्शिता की परीक्षा है, आंकड़े अधूरे व त्रुटिपूर्ण नहीं हो।

डीएसटीओ ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके लिए प्रशिक्षण के माध्यम से फील्ड ट्रेनरों को पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। प्रशिक्षण में वर्चुअली जुड़ी जनगणना निदेशक इवा आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि मकान गणना के तहत 10 से 24 अप्रैल तक 15 दिन की अवधि में प्रदेश की जनता को स्वगणना का विकल्प भी दिया जाएगा। प्रशिक्षण में जनगणना की तकनीकी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान हाउस लिस्टिंग ऑफिसर (एचएलओ) के गठन, डेटा संकलन एवं रिपोर्टिंग प्रणाली पर विस्तार से बताया।

काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस सभागार में जनगणना प्रशिक्षण के शुभारंभ पर मौजूद कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या व अन्य। ● अमृत विचार

डॉ. गोल्डी ने प्री स्कूल के बच्चों को किया पुरस्कृत

हल्द्वानी : लायंस क्लब ग्रीन सिटी के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद अग्रवाल (गोल्डी) ने आदर्श नगर मुखानी स्थित लिटिल हार्ट प्री स्कूल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि प्री-स्कूल शिक्षा बच्चों को मोबाइल व टीवी के दुष्प्रभावों से दूर रखकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होती है। इस दौरान डॉ. अग्रवाल ने स्कूल के नए परिसर का उद्घाटन भी किया और विभिन्न गतिविधियों में विजेता बच्चों को सम्मानित किया। प्रधानाचार्य अंकिता जोशी ने डॉ. अग्रवाल को भगवान राम मंदिर अयोध्या की कलाकृति भेंट की। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका ज्योति बिष्ट, प्रेरणा, कविता जोशी, रीता जोशी, राधा नेगी का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर स्नेहा अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, भुवन चंद तिवारी, गीता तिवारी रहे।

मेरा बाघ मेरा विद्यालय के तहत बच्चों को स्कूल बैग वितरित करते वन कर्मी।

मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम का पढ़ाया पाठ

हल्द्वानी, अमृत विचार : वन विभाग मेरा बाघ-मेरा विद्यालय कार्यक्रम के जरिए स्कूली बच्चों को मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहा है। डीएफओ कुंदन कुमार ने बताया कि हल्द्वानी वन डिवीजन ने मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण के लिए मेरा बाघ मेरा विद्यालय कार्यक्रम के तहत जंगलों से सटे गांवों के 20 स्कूलों में जाकर 500 बच्चों को जागरूक करना है। इसी क्रम में सोमवार को नंधौर एवं छकाता रेंज में जागरूकता कार्यक्रम हुए। इसमें राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय लाखनमंडी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय चोरगलिया, गोविंद ग्राम माध्यमिक विद्यालय एवं कुंवरपुर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को बाघ, तेंदुए, हाथी जैसे वन्यजीवों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां बताई गईं। मानव वन्यजीव आमने सामने होने पर क्या करना है, क्या नहीं करना है इसके बारे में बताया गया। इसके अलावा वन एवं वन्यजीव संरक्षण के महत्व, वनाग्नि से सुरक्षा उपाय बताए गए। बाघ मित्र भी चुने गए। छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए बैग एवं ज्यामितीय बॉक्स भी बांटे गए।

अच्छी खबर

न्यूरोसर्जरी विभाग में पांच जेआर की नियुक्ति की संभावना, दो दिन के अंदर हो जाएगी ज्वाइनिंग

कैजुअल्टी व न्यूरोसर्जरी विभाग को मिलेंगे नौ जेआर

- जेआर की कमी के चलते मरीजों के ऑपरेशन में हो रही दिक्कत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में न्यूरोसर्जरी विभाग के लिए राहत की खबर है। विभाग में जल्द जेआर की नियुक्ति होने वाली है। न्यूरोसर्जरी विभाग को 5 जेआर मिलेंगे साथ ही कैजुअल्टी विभाग को भी 4 जेआर मिलेंगे। वर्तमान में यहां कई दिनों से जेआर (जूनियर रेजीडेंट) की कमी चल रही है। जिस वजह से मरीजों के ऑपरेशन करने में दिक्कत हो रही है।

एसटीएच के न्यूरोसर्जरी विभाग में एसआर (सीनियर रेजीडेंट) के लगातार इस्तीफे हो रहे हैं। पहले स्वास्थ्य विभाग के डॉ. अमित देवल ने इस्तीफा दिया और अब डॉ. अभिषेक राज भी नोटिस पर चल रहे हैं। वह भी जल्द ही इस्तीफा दे देंगे। देखा जाए तो यह विभाग केवल एक एसआर डॉ. अखिलेश जोशी के भरोसे चल रहा है। इसमें भी दिक्कत यह है कि यहां जेआर की भारी कमी है। मौजूदा समय में केवल दो ही जेआर विभाग के पास हैं। ऐसे में मरीजों के ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है क्योंकि ऑपरेशन से पहले और बाद में मरीजों की देखभाल में जेआर की अहम भूमिका होती है। अब राहत की बात है कि नौ जेआर की नियुक्ति एसटीएच में होने वाली है। इसमें पांच जेआर न्यूरोसर्जरी विभाग को दिए जाएंगे। साथ ही कैजुअल्टी को भी चार जेआर दिए जाएंगे। इनकी दो दिनों के अंदर कर दी जाएगी। इसके बाद न्यूरोसर्जरी विभाग में कुल जेआर की संख्या सात हो जाएगी। जिसके बाद ऑपरेशन करने की गति बढ़ जाएगी। हालांकि फिर भी दिक्कत यह आएगी कि डॉ. अभिषेक राज के जाने के बाद केवल एक एसआर के भरोसे ही इस विभाग को चलाना पड़ेगा। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि एक अन्य एसआर की नियुक्ति के प्रयास किए जा रहे हैं।

> न्यूरोसर्जरी विभाग में पांच जेआर की ज्वाइनिंग दो दिनों के अंदर हो जाएगी। इसके साथ ही चार जेआर कैजुअल्टी विभाग को भी मिलेंगे। फिलहाल इन विभागों की दिक्कतों का काफी हद तक समाधान होगा। **-डॉ. अरुण जोशी**, एमएस, डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल, हल्द्वानी

कैड़ा के मंत्री बनने पर एक दूसरे को मिठाई खिलाते लोग। ● अमृत विचार

कैड़ा के कैबिनेट मंत्री बनने पर बांटी मिठाई

हल्द्वानी, अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने राज्य आंदोलनकारी राम सिंह कैड़ा को राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर मिठाई बांटकर खुशियां जताई। सोमवार को सभी राज्य आंदोलनकारी एसडीएम कोर्ट के बाहर इकट्ठा हुए। यहां उन्होंने कहा कि एक राज्य आंदोलनकारी को कैबिनेट में मंत्री बनाया जाना हर्ष का विषय है। संभावना जताई कि कैड़ा अब राज्य आंदोलनकारियों की समस्याओं जैसे पेंशन वृद्धि, हाउस टैक्स में रियायत आदि को पूरा कराने के लिए जोरदार पैरवी करेंगे। इसके बाद उन्होंने मिठाई बांटकर खुशियां जताईं। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, कमल जोशी, जसविंदर भसीन, कमल मेहरा, बालम सिंह मेहता, केडी गुणवंत्त, नोयल मैसी, हेम पाठक रहे।

रात 12 बजे से लाइन में लगे, फिर भी नहीं मिला सिलेंडर

गैस गोदामों पर मचने लगी अफरातफरी, उपभोक्ताओं ने काटा हंगामा, बुकिंग दिखाने पर भी नहीं मिली गैस

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार : एलपीजी गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था पूर्णतः ध्वस्त होती नजर आ रही है और गैस सिलेंडर किल्लत के बाद उपभोक्ताओं में हाहाकार की स्थिति पैदा हो चुकी है। यही कारण है कि रात्रि 12 बजे से गैस गोदामों पर लंबी कतार लगाने के बाद भी तमाम उपभोक्ताओं को बैरंग लौटना पड़ा। यही नहीं कई उपभोक्ता ऐसे भी थे। जिनके द्वारा ऑनलाइन गैस बुकिंग कराई और ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी भी दिखा रहा है, लेकिन सिलेंडर घर तक नहीं पहुंचा। जिसको लेकर उपभोक्ताओं ने काफी हंगामा भी काटा।

पिछले कई दिनों से एलपीजी हो या फिर कॉमर्शियल गैस सिलेंडर को लेकर उपभोक्ताओं में हाहाकार मचने लगा है। हालात यह होने लगे हैं कि एक गैस सिलेंडर पाने के लिए उपभोक्ता पहले दिन भर लाइन में लगकर अपनी बारी आने की प्रतीक्षा करता था, लेकिन अब स्थिति इतनी बेकाबू होती जा रही है कि उपभोक्ता को देर रात्रि से ही लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। शनिवार और रविवार को अवकाश होने के कारण हालात इतने बदतर होने लगे है कि रविवार की रात्रि बारह बजे से ही उपभोक्ता गैस एजेंसियों और गोदामों पर खडे.होने लगे।

यह नजारा रविवार की रात्रि बारह बजे काशीपुर बाईपास के अलावा कई वार्डों में देखने को मिला। सोमवार की सुबह होते ही गैस सिलेंडर में नई घपले बाजी सामने आई। लाइन में खडे.तमाम उपभोक्ता ऐसे थे कि उनका कहना था कि उनके द्वारा ऑनलाइन गैस बुकिंग कराई थी और घोषित तिथि में ऑनलाइन ही सिलिंडर होम डिलीवरी दिखा रहा था,जबकि वास्तविकता यह है कि उनको अभी तक सिलेंडर प्राप्त नहीं हुआ है। जिसको लेकर दिनभर हंगामे की स्थिति रही और गोदामों पर पीएसी और पुलिस बल को तैनात किया गया।

गैस गोदामों पर लगी कतार और तैनात पुलिस। ● अमृत विचार

सिलेंडर वितरक गोदाम बंद कर फरार

रुद्रपुर : फ्लाईओवर काशीपुर हाईवे स्थित इंडेन गैस एजेंसी धारक के गोदाम पर उपभोक्ता कई घंटे से खड़े रहे। उधर, संचालक गोदाम पर ताला लगाकर फरार हो गया। जिसकी सूचना मिलते ही व्यापारी नेता संजय जुनेजा भी मौके पर पहुंचे और उनका कहना था कि पिछले सात दिनों से वितरक का गोदाम बंद पड़ा है और सोमवार को भी उपभोक्ता खड़े रहे और गोदाम संचालक समाधान बताने के बजाय ताला लगाकर फरार हो गया। जिसको लेकर डीएसओ से वार्ता हुई और उपभोक्ताओं ने आंदोलन की चेतावनी दे डाली।

एजेंसी कर्मचारी कुछ बोलने को तैयार नहीं

उपभोक्ता ने बताया कि उसने 10 मार्च को ऑनलाइन गैस सिलेंडर बुकिंग किया था और 23 मार्च को मोबाइल पर मैसेज आया कि सलीम नाम के एक व्यक्ति द्वारा सिलेंडर की होम डिलीवरी हो चुकी है,जबकि उसे सिलेंडर मिला ही नहीं है। इसको लेकर इंडेन गैस एजेंसी कर्मचारी कुछ बोलने को तैयार नहीं है और अव्यवस्थाओं का बोलबाला है। उपभोक्ताओं की भीड़ बहुत है।

सिलेंडर मिला नहीं, डिलीवरी का मैसेज आ गया

एक उपभोक्ता का कहना था कि उसके मोबाइल पर नौ मार्च को एलपीजी गैस सिलेंडर की डिलीवरी होने का मैसेज आया था,जबकि सत्यता यह है कि उसके द्वारा कोई भी बुकिंग या फिर डिलीवरी नहीं मिली। इससे साफ है कि उनके नाम पर किसी और शख्स को सिलेंडर दे दिया है। सोमवार की सुबह जब गोदाम कर्मियों से पूछा तो कोई भी कर्मचारी बात करने का तैयार नहीं है और बस लंबी कतार में खडे.होने को कहता है। जब उसके नाम पर सिलेंडर जारी कर दिया है। तो उसे सिलेंडर कैसे मिलेगा,जबकि वह कई घंटे से लाइन में खड़ा है।

दिनेशपुर में उपभोक्ताओं को समझाते जिपं के पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास।

पूर्व उपाध्यक्ष ने पुलिस की मौजूदगी में बंटवाए सिलेंडर

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष कांग्रेस वरिष्ठ नेता त्रिनाथ विश्वास के प्रयासों से पुलिस की मौजूदगी में एलपीजी भारत गैस के 50 सिलेंडर वितरण किए गए। लगभग 250 उपभोक्ताओं को चंद्रा भारत गैस एजेंसी भूरारानी की गाड़ी न आने पर वापस लौटे पड़ा। उपभोक्ता तीन दिन से लगातार गैस सिलेंडर के लिए लाइन लगाए इंतजार कर रहे थे।

सोमवार को जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष कांग्रेस वरिष्ठ नेता त्रिनाथ विश्वास वार्ड- एक प्लांटेशन मोड़ पर पहुंचे। उन्होंने उपभोक्ताओं की परेशानी को देखते हुए। एसडीएम ऋचा सिंह को उपभोक्ताओं की गैस सिलेंडर न मिलने की परेशानी से अवगत कराया। एसडीएम के निर्देश पर पुलिस की मौजूदगी में भारत गैस सिलेंडर वितरण किया गए। जबकि चंद्रा भारत गैस एजेंसी भूरारानी, रुद्रपुर की गैस सिलेंडर का वाहन न आने पर लगभग 250 उपभोक्ताओं को वापस लौटना पड़ा। उपभोक्ताओं ने बताया कि वह लोग तीन दिनों से सिलेंडर लेने के लिए लाइन लगाकर इंतजार करते कर रहे हैं। इधर मां दुर्गा इंडेन गैस एजेंसी भूरारानी द्वारा आनंदखेड़ा में 150 एलपीजी सिलेंडर वितरण किए गए।

सदाचार पर दो को मिली एक साल की आजादी

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार: वर्ष 2012 थाना सितारगंज में चोरी के मामले में दो साल की सजा प्रकरण की सुनवाई करते हुए द्वितीय अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने दो दोषियों को सदाचार की परिवीक्षा के आधार पर एक साल तक छोड़ने का आदेश दिया। साथ ही हिदायत दी कि यदि अभियुक्त आपराधिक गतिविधियों में पाये जाते हैं तो सजा पर पुनर्विचार कर सजा दी जाएगी।

नौ जून 2012 को सितारगंज के रहने वाले सगीर अहमद ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि चोरों ने उसके घर का ताला तोड़कर साढ़े तीन लाख आभूषण, नकदी, मोबाइल और कैमरा चोरी कर लिए था। पुलिस जांच में अशोक शर्मा निवासी रम्पूरा मस्जिद के पास सितारगंज और अबरार हुसैन निवासी ग्राम पंडरी थाना सितारगंज को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया था। वर्ष 2020 में निचली अदालत ने चोरी के दोषियों को दो साल की सजा सुनाई तो याचिकाकर्ता ने सजा पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015, ई-मेलः auction@hindujahousingfinance.com
अश्वनी कॉम्प्लेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी. 263139

ई-नीलामी बिक्री सूचना

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी–9918301885, आरआरएम– हरिश चंद यादव, 7060411785, सीएलएम– श्री रवि दीक्षित 9794347032, सीआरएम– अनिल कुमार, 9927028507

ई-नीलामी सह बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना (परिशिष्ट-IV A) (नियम 8(6))

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एचएचएफएल) जिसका कॉर्पोरेट कॉर्या : 167–169, द्वितीय तल, लिटिल माउंट, सैदापेट, चेन्नई – 600015 और शाखा कार्यालयः अश्वनी कॉम्प्लेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी–263139, को बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (इसके बाद 'अधिनियम') के तहत। जबकि एचएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी ("एओ") ने अधिनियम की धारा 13(2) के तहत जारी नोटिस के अनुसार निम्नलिखित ऋण खातों/संभाव्य सं. में निम्नलिखित संपत्ति को बेचने के अधिकार के साथ कब्जा कर लिया था। बकाया राशि की वसूली हेतु **'जैसा है, जहां है, जो कुछ भी है** के आधार पर बेचा जा रहा है। बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेबसाइट **www.bankeauctions.com** पर उपलब्ध ई–नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी।

संपत्ति के निरीक्षण की तिथिः 20-04-2026 को 11:00 बजे से 14:00 बजे तक
ईएमडी की अंतिम तिथिः 21-04-2026 शाम 05:00 बजे तक
ई-नीलामी की तिथि/समयः 24-04.2026 को 1100 बजे से 1300 बजे तक

क्र. सं.	ऋण खाता नं. और कर्जदार(रों)/ सह–कर्जदार(रों)/ गारंटर(रो) का नाम/	धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस की तिथि और राशि / कुल बकाया	अचल सम्पत्तियां /प्रतिभूति आस्तियों का विवरण	कब्जे की स्थिति और तिथि	आरक्षित मूल्य (आरपी) / जमा धरोहर राशि (ईएमडी) आरपी का 10 प्रतिशत / बोली वृद्धि राशि
1	ऋण खाता नं. UP/HDW/HDWN/A000000512 श्री चंदा मिया (उधारकर्ता) श्रीमती अंजुमन अंजुमन (सह–उधारकर्ता)	11/21/2024 और ₹ 2039774 / ₹ 2039774 10/03/2024 तक	खेत नं. 202 मिन.,एनए,ग्राम–भिटौरा,किछा रोड,यूएस नगर, नया गांव दरगाह, सीतारगंज, उत्तराखंड, 262405 वर्गफुट –1080 दिशा/सीमाएँ – उत्तर – 20 फीट सड़क, दक्षिण – नुसरत अली का मकान, पूर्व–राजेश कन्याल के मकान, पश्चिम–10 फीट सड़क	सांकेतिक कब्जा 27-03-2025	₹ 1978200/- / ₹ 197820/- / ₹ 10,000/-
2	ऋण खाता नं. UP/HDW/KSHP/A000000415 सुश्री इंदु गुप्ता (उधारकर्ता) मुकेश कुमार गुप्ता (सह–उधारकर्ता)	12/27/2024 और ₹ 1332641 / ₹ 1332641 और 25/12/2024 तक	खसरा नंबर 352 मिन,एनए,मौजा जसपुर खुर्द,नीझारा रोड, यूएस नगर, गुरुद्वारा श्री हरगोबिंद साहिब, काशीपुर, उत्तराखंड, 244713 दिशा/सीमाएँ – उत्तर – 16 फीट रोड, दक्षिण – अन्य संपत्ति, पूर्व – दलवीर सागर का प्लॉट, पश्चिम – विक्रेता रीना का प्लॉट	सांकेतिक कब्जा 11-04-2025	₹ 1252800/- / ₹ 125280/- / ₹ 10,000/-
3	ऋण खाता नं. UP/HDW/HDWN/A000000569 श्री विक्रम रावत (उधारकर्ता) श्रीमती मोहनी मोहनी माजरा (सह–उधारकर्ता)	11/21/2024 और ₹ 1029461 / ₹ 1029461 11/12/2024 तक	खासरा सं. 87, एनए,सीला माजरा गदरपुर, काशीपुर रोड,यूएस नगर, रुद्रपुर, उत्तराखंड, 263153 वर्ग फीट 720। दिशा/सीमाएँ – उत्तर – 40 फीट फिर अन्य की खाली भूमि, दक्षिण – 40 फीट फिर रवि रावत की पत्नी विमेलेश का घर, पूर्व – 18 फीट फिर 22 फीट सड़क, पश्चिम–18 फीट फिर अन्य की खाली भूमि	सांकेतिक कब्जा 27-03-2025	₹ 1170900/- / ₹ 11,790/- / ₹ 10,000/-
4	ऋण खाता नं. UP/HDW/HDWN/A000000614 श्री मोहम्मद साहिल अंसारी (उधारकर्ता) श्रीमती सीमा इकबाल (सह–उधारकर्ता)	5/8/2025 और ₹ 1905689 / ₹ 19,05,689 06/05/2025 तक	खाता नंबर 60, खेत नंबर 204, ग्राम भिटौरा, सीतारगंज, सेमीअर्बन, सीतारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262405 दिशा/सीमाएँ – उत्तर – ज्योति अरोड़ा की संपत्ति, दक्षिण – 14 फीट रोड, पूर्व – नवाब अहमद का मकान, पश्चिम सायमा का प्लॉट	सांकेतिक कब्जा 12-08-2025	₹ 1764000/- / ₹ 176400/- / ₹ 10,000/-
5	ऋण खाता नं. UP/HDW/HDWN/A000000614 सुश्री सुनीता सैनी (उधारकर्ता) श्री सतीश सैनी (सह–उधारकर्ता)	24/02/2025 और ₹ 1130137/- / ₹ 1130137/- 24/02/2025 तक	संपत्ति खसरा नंबर 107 मिन, एनए, गांव चांदपुर, सैनिक कॉलोनी रोड, प्रताप्पुर, यूएस नगर, ब्लेंड्स फूड प्राइवेट लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड, 244713 दिशा/सीमाएं – उत्तर – विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण – भुवन चंद्र का मकान, पूर्व – अन्य संपत्ति पश्चिम – 15 फीट सड़क	सांकेतिक कब्जा 05-06-2025	₹ 1215000 / ₹ 121500 / ₹ 10,000/-

क्र.सं. 1 से 5 हेतु भुगतान का प्रकारः– सभी भुगतान हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में हल्द्वानी में देय डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से किए जाएंगे।

ऑनलाइन ई–नीलामी बिक्री के नियम और शर्तें –

1. संपत्ति को **"जैसा है, जहां है, जो कुछ भी है और बिना किसी दायित्व रहित"** आधार पर बेचा जा रहा है। इस तरह की बिक्री किसी भी प्रकार की वारंटी और क्षतिपूर्ति के बिना है। 2. संपत्ति / परिसंपत्तियों का विवरण (अर्थात् ई–नीलामी बिक्री नोटिस में निर्दिष्ट सीमा और माप को सुरक्षित लेनदार की सर्वोत्तम जानकारी के लिए कहा गया है और सुरक्षित लेनदार किसी भी त्रुटि, गलत–बयान या चूक हेतु उत्तरदायी नहीं होगा। वास्तविक मौजूदा और मापन अलग–अलग हो सकते हैं। 3. सुरक्षित लेनदार द्वारा जारी ई–नीलामी बिक्री नोटिस आम जनता को अपनी बोलियां जमा करने के लिएएक निमंत्रण है और इसे सुरक्षित लेनदार की ओर से कोई प्रतिबद्धता या कोई प्रतिनिधित्व नहीं माना जाएगा। इच्छुक बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे सुरक्षित लेनदार के साथ शीर्षक विलेखों की प्रतियों का उपयोग करें और बोलियां प्रस्तुत करने से पहले संपत्ति / परिसंपत्तियों और दावों / देय राशियों के स्वामित्व और वर्तमान स्थिति के बारे में स्वयं की स्वतंत्र पूछताछ / उचित परिश्रम करें जो संपत्ति को प्रभावित करते हैं। 4. नीलामी/बोली केवल वेबसाइट **https://bankeauctions.com** के माध्यम से "ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक मोड" या सेवा प्रदाता **सी1 इंडिया प्रा. लि.** द्वारा प्रदान की गई नीलामी के माध्यम से होगी, जो नीलामी की पूर्ण प्रक्रिया को ई–नीलामी मंच द्वारा व्यवस्थित और समन्वयित करेगा। 5. बोलीदाता अपनी पसंद के स्थान से बोली लगाने के लिए ई–नीलामी में भाग ले सकते हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी खुद बोली लगाने वाले को सुनिश्चित करनी होगी। सुरक्षित लेनदार/सेवा प्रदाता को इंटरनेट कनेक्टिविटी, नेटवर्क समस्याओं, स्वयं के सिस्टम क्रैश, बिजली की विफलता आदि के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा। 6. विवरण, सहायता, प्रक्रिया हेतु तथा ई–नीलामी पर ऑनलाइन बोली लगाने वाले संभावित बोलीदाता सेवा प्रदाता मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि., 605ए, पताः सी1 इंडिया प्रा. लि. तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 68 सेक्टर–44, गुड़गांव, हरियाणा–122003, (हेल्प लाइन नं. +91–124–4302000) सहायता ईमेल **support@bankeauctions.com**, (सहायता मोबाइल नं. **7291981124/1125/1126**) श्री मिथलेश कुमार मोबाइलः 7080804466. ईमेलः **Mithalesh.kumar@c1india.com, delhi@c1india.com** से संपर्क कर सकते हैं। ई–नीलामी बिक्री में भाग लेने के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को अपना नाम **https://bankeauctions.com** पर पहले से पंजीकृत कर लेना चाहिए और यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करना चाहिए। इच्छुक बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे सेवा प्रदाता से पासवर्ड प्राप्त करने के तुरंत बाद ही उसे बदल दें। 7. ई–नीलामी में भाग लेने के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को "हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड" के पक्ष में Demand Draft/NEFT/RTGS/IMPS के माध्यम से आरक्षित मूल्य (जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है) का 10 प्रतिशत की वापसी योग्य बयाना जमा (ईएमडी) उक्त वर्णित तिथि तक या उससे पहले जमा करना होगा। 8. इच्छुक बोलीदाताओं को विधिवत भरा हुआ बोली फॉर्म (**https://bankeauctions.com** पर उपलब्ध प्रारूप), प्राधिकृत अधिकारीएचएचएफएल क्षेत्रीय कार्यालय हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, द्वितीय तल, 212B & 212C, प्लॉट नं. TC/G-2/2 और TC/G-5/5 साईबर हाईट्स, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 को संबोधित सीलबंद लिफाफे में ईएमडी प्रेषण के साथ डिमांड ड्राफ्ट जमा करना होगा। संपत्ति के लिए ऋण खाता नं. (जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है) में ई–नीलामी बिक्री में भाग लेने के लिए मुहरबंद कवर को बोली के साथ लिखा जाना चाहिए (जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है) 9. ईएमडी के साथ बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि की समाप्ति के बाद, प्राधिकृत अधिकारी उसके द्वारा प्राप्त बोलियों की जांच करेगा और योग्य बोलीदाताओं के विवरण की पुष्टि करेगा (जिन्होंने आरक्षित मूल्य के ऊपर और ऊपर अपनी बोलियां उद्धृत की हैं और निर्दिष्ट ईएमडी का भुगतान सुरक्षित लेनदार) सेवा प्रदाता **सी1 इंडिया प्रा. लि.** को ई–नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित तिथि और समय पर केवल उन बोलीदाताओं को ऑनलाइन इंटर–से बोली/नीलामी कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति देने के लिए सक्षम बनाता है। 10. योग्य बोलीदाताओं के बीच परस्पर बोली योग्य बोलीदाताओं द्वारा उद्धृत उच्चतम बोली से शुरू होगी। परस्पर बोली की प्रक्रिया के दौरान, प्रत्येक "10" मिनट का असीमित विस्तार होगा, अर्थात ई–नीलामी का अंतिम समय स्वचालित रूप से प्रत्येक बार 10 मिनट तक बढ़ाया जाएगा यदि बोली अंतिम विस्तार से 10 मिनट के भीतर की जाती है। 11. एक बार की गई बोलियों को रद्द या वापस नहीं लिया जाएगा। बोलीदाता को दी गई यूजर आईडी से की गई सभी बोलियां उसके द्वारा अकेले की गई समझी जाएंगी। 12. सफल बोलीदाता बिक्री के उसी दिन बोली राशि (ईएमडी सहित) का 25% और शेष बोली राशि का 75% DD/Pay order/NEFT/RTGS/IMPS द्वारा हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में बिक्री की तारीख से 15 दिनों के भीतर जमा करेगा। 13. सफल बोलीदाता/नीलामी क्रेता द्वारा निर्धारित समय के भीतर उपरोक्त निर्धारित राशि के भुगतान में चूक के मामले में, बिक्री रद्द कर दी जाएगी और पहले से भुगतान की गई राशि (ईएमडी सहित) को जब्त कर लिया जाएगा और संपत्ति को फिर से बिक्री के लिए रखा जाएगा। 14 सफल बोलीदाता के अनुरोध पर, प्राधिकृत अधिकारी अपने पूर्ण विवेक से बोली राशि की शेष राशि जमा करने के लिए लिखित रूप में और समय दे सकता है। 15. सफल बोलीदाता टीडीएस (बिक्री से बाहर) के लिए बिक्री मूल्य का 1% का भुगतान करेगा और अधिकृत अधिकारी को टीडीएस प्रमाण पत्र जमा करेगा और ईएमडी को समायोजित करते हुए बिक्री मूल्य की पूरी राशि (टीडीएस की ओर 1% की कटौती के बाद) जमा करेगा। प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रस्ताव की स्वीकृति के 15 कार्य दिवसों के भीतर या प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उपयुक्त समझे जाने वालेऐसे अन्य विस्तारित समय के भीतर, जिसके गिरने पर बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी। 16. नगरपालिका/पंचायत कर, बिजली देय (यदि कोई हो) और किसी अन्य प्राधिकरण देय राशि (यदि कोई हो) का भुगतान सफल बोलीदाता द्वारा बिक्री प्रमाण पत्र जारी करने से पहले किया जाना है। संपत्ति से संबंधित सभी वैधानिक देय राशि को ध्यान में रखते हुए बोलियां लगाई जाएंगी। 17. सफल बोलीदाता के पक्ष में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री प्रमाण पत्र केवल संपूर्ण खरीद मूल्य / बोली राशि जमा करने और सभी करों / शुल्कों के भुगतान के संबंध में आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने पर जारी किया जाएगा। 18. कानूनी शुल्क, स्टांप ड्यूटी, पंजीकरण शुल्क और किसी भी प्रकार के अन्य आकस्मिक प्रभार नीलामी खरीदार द्वारा वहन किया जाएगा। 19. प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई कारण बताए ई–नीलामी बिक्री कार्यवाही को स्थगित/रद्द कर सकता है। यदि निर्धारित ई–नीलामी बिक्री को बिक्री की निर्धारित तिथि से 30 दिन पहले बाद की तारीख में स्थगित कर दिया जाता है, तो इसे सेवा प्रदाता की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। 20. अधिकृत अधिकारी का निर्णय अंतिम, बाध्यकारी और निर्विवाद है। 21. बोली प्रस्तुत करने वाले सभी बोलीदाताओं को ई–नीलामी बिक्री के नियमों और शर्तों को पढ़ और समझ लिया गया माना जाएगा और वे उनके द्वारा बाध्य होंगे। 22. अधिक जानकारी और प्रश्नों के लिए, प्राधिकृत अधिकारी **श्री रवि दीक्षित, मो. नं. 9794347032** ईमेलः **ravidixit.suresh@hindujahousingfinance.com & auction@hindujahousingfinance.com** से संपर्क करें। 23. यह प्रकाशन प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के अनुसार उक्त ऋण खाते के ऋणी/बंधक/गारंटरों को उपरोक्त पर नीलामी बिक्री आयोजित करने के बारे में 30 दिनों का नोटिस भी है। –उल्लिखित तिथि/स्थान

स्थान : हल्द्वानी
दिनांकः **23-03-2026**

प्राधिकृत अधिकारी,
हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

विशेष निर्देश/सावधानीः अंतिम मिनट/सेकंड में बोली लगाने वालों को अपने हित में बोली लगाने से बचना चाहिए।ऐसे मामलों में बोलीदाता की ओर से किसी भी चूक/विफलता (इंटरनेट विफलता, बिजली की विफलता, आदि) के लिए न तो हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड और न ही सेवा प्रदाता जिम्मेदार होगा।ऐसी आकस्मिक स्थिति से बचने के लिए, बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे सभी आवश्यक व्यवस्था/विकल्प जैसे बैक–अप बिजली की आपूर्ति और जो कुछ भी आवश्यक हो, ताकि वेऐसी स्थिति से बचने में सक्षम हों और नीलामी में सफलतापूर्वक भाग ले सकें।

शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के लोकार्पण पर संग्राम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शहर के मुख्य चौक पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की आदमकद प्रतिमा के लोकार्पण को लेकर सोमवार को भारी राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला। लंबे समय से उपेक्षित पड़े इस चौक का सौंदर्यीकरण विधायक शिव अरोरा के प्रयासों से किया गया था, जहां उन्होंने 23 नवंबर 2025 को सात कुंतल वजन की सवा छह फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करवाई थी। लोकार्पण की प्रतीक्षा में यह प्रतिमा चादर से ढकी हुई थी।

विवाद तब शुरू हुआ जब शहीद दिवस के अवसर पर कांग्रेस नेता मोहन लाल खेड़ा और यूथ कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष रणजीत सिंह राणा ने अचानक पहुंचकर प्रतिमा से चादर हटा दी और इसका प्रतीकात्मक लोकार्पण कर दिया। जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर फैली, शहर की राजनीति गरमा गई।

शहीद भगत सिंह की प्रतिमा से चादर हटाकर पुष्प वर्षा करते कांग्रेस नेता मोहन लाल खेड़ा।

● **विधायक शिव अरोरा और कांग्रेस नेता मोहन लाल खेड़ा आमने-सामने**

सूचना मिलते ही विधायक शिव अरोरा अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और कांग्रेस नेताओं पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने इसे ''क्रेडिट पॉलिटिक्स'' और अराजकता करार देते हुए कहा कि नियम-विरुद्ध तरीके से लोकार्पण करना शहीदों का अपमान है।

शहीद की प्रतिमा का हो रहा था अपमान : मोहन

रुद्रपुर : आदमकद शहीद की प्रतिमा से चादर हटाकर लोकार्पण करने वाले कांग्रेस नेता मोहन लाल खेड़ा ने बताया कि शहर में शहीद का शहीदी दिवस सादगी के साथ मनाया जा रहा है। वहीं मुख्य बाजार स्थित भगत सिंह चौक पर शहीद की प्रतिमा चादर से ढकी हुई थी, जो कि शहीद का अपमान सामान है। सोशल मीडिया पर खबर देखते ही उन्होंने प्रतिमा पर से चादर हटाने का निर्णय लिया और चादर हटाकर सार्वजनिक कर दिया,क्योंकि विधायक जी वोट बैंक की खातिर समय की प्रतीक्षा कर रहे थे। सच्चाई यह है कि शहीदी दिवस पर ही लोकार्पण होना चाहिए।

नेता की हरकत अराजकता फैलाने वाली: शिव

रुद्रपुर : प्रकरण को लेकर विधायक शिव अरोरा का कहना था कि सर्व समाज की मांग पर आदमकद शहीद की प्रतिमा स्थापित की थी और सर्व समाज ने निर्णय लिया था कि 13 अप्रैल बैसाखी वाले दिन ही हजारों लोगों के बीच ही प्रतिमा का लोकार्पण कार्यक्रम किया जाएगा। बावजूद इसके झूठी लोकप्रियता बटोरने के लिए कांग्रेस नेता मोहन ने अराजकता फैलाने वाली शर्मसार हरकत की है,जबकि कई वर्षों से कांग्रेस नेता या फिर जनप्रतिनिधि ने चौक की कोई सुध नहीं ली। निर्धारित तिथि पर भव्य लोकार्पण समारोह होगा और जनता ने कांग्रेस नेता का दोहरा चरित्र भी देख लिया है।

पत्नी पर पति को बंधक बनाने का आरोप लगाया

रुद्रपुरः थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में पारिवारिक कलह के चलते एक युवक को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीलीभीत निवासी तिलक राम ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे नरेंद्र की पत्नी रजनी से विवाद रहता है। 1 दिसंबर 2025 को पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों ने नरेंद्र को बंधक बनाकर प्रताड़ित किया और हत्या कर शव फांसी पर लटकाने की धमकी दी। इस घटना के बाद से पीड़ित मानसिक अवसाद में है। पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर पीड़ित पक्ष ने न्यायालय की शरण ली। अब कोर्ट के आदेश पर ट्रांजिट कैंप पुलिस ने पत्नी, सास-ससुर और साले समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015, ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com
असवानी कॉम्प्लेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी-263132

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी–9918301885, आरआरएम– हरिश चंद यादव, 7060411785, सीएलएम– श्री रवि दीक्षित 9794347032, सीआरएम– अनिल कुमार, 9927028507

भौतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/HDW/HDWN/A000000579 & CO/CPC/CPOF/A000004097, श्री सागर सूद और श्रीमती सीमा सूद, दोनोंः जाफरपुर खानपुर पश्चिम, गदरपुर, सेमीअर्बन, रुद्रपुर, उत्तराखंड, भारत – 263152	21-11-2024 / 19-03-2026 भौतिक	₹ 2254409 दिनांक 12-11-2024 तक + ब्याज इत्यादि	खाता सं. 607, एनए वार्ड सं. 7, नेताजी नगर, जाफरपुर रोड, दिनेशपुर, हरि मंदिर, रुद्रपुर, उत्तराखंड, 263153 वर्ग फीट 2232 सीमाएँ: उत्तर – पुष्पा मंडल की संपत्ति, दक्षिण – पुष्पा मंडल की संपत्ति, पूर्व – 10 फीट की सड़क, पश्चिम – अन्य संपत्ति
2	UP/HDW/KSHP/A000000086 & UP/HDW/HDWN/A000000627 श्री मोशिन रजा, श्री हलीमा बेगम, दोनोंः 386, फरीद नगर एम.एस.टी. ठाकुरद्वारा मोरादाबाद, ठाकुरद्वारा, सेमीअर्बन, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244601	30-08-2024 / 20-03-2026 भौतिक	₹ 40,62,002 दिनांक 28-08-2024 तक + ब्याज इत्यादि	के, 1, खसरा सं. 433 मिन, मोहम्मदगंज, मौजा – जमुनावाला, ठाकुरद्वारा, पुलिस थाना– ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद, यूटी स्टॉरकॉम प्रदेश 244601, 1400 वर्ग फीट क्षेत्रफल का प्लॉट, सीमाएँ : पूर्वः अन्य प्लॉट, पश्चिमः सड़क, उत्तरः 25 फीट की सड़क, दक्षिणः अन्य की संपत्ति

दिनांक : 23-03-2026, स्थान : हल्द्वानी — प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

अधिकारियों का घेराव करते पूर्व विधायक। ● अमृत विचार

स्मार्ट मीटर लगाने आई टीम हंगामे के बाद लौटी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : बिजली चोरी रोकने गई विभाग और विजिलेंस की संयुक्त टीम को सोमवार को गांधी कॉलोनी और सीर गोटिया में स्थानीय निवासियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। विवाद तब शुरू हुआ जब टीम ने जांच के दौरान घरों में जबरन स्मार्ट मीटर लगाना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और अधिकारियों का घेराव कर कार्रवाई रुकवा दी।

पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि विभाग बिजली चोरी का भय दिखाकर जनता पर स्मार्ट मीटर थोप रहा है, जो सरासर गलत है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी कार्रवाई पारदर्शी तरीके से और जनता को विश्वास में लेकर होनी चाहिए। ठुकराल ने स्पष्ट किया कि बिना स्थानीय लोगों की सहमति के स्मार्ट मीटर नहीं लगने दिए जाएंगे। भारी विरोध और तीखी नोकझोंक के बाद संयुक्त टीम को बिना कार्रवाई किए वापस लौटना पड़ा। पूर्व विधायक ने आगाह किया कि यदि खौफ का माहौल बनाकर जबरन मीटर लगाए गए, तो आंदोलन किया जाएगा।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 2131/30-1/नि.नि.(2025-2026) — **अल्पकालीन ई-निविदा सूचना** — दिनांक : 23 मार्च, 2026

वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु नगर निगम, अल्मोड़ा के टैक्सी स्टैण्ड कम शॉपिंग कॉम्प्लैक्स में स्थित दो पहिया / चार पहिया वाहनों की पार्किंग के संचालन हेतु पुनः अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://www.uktenders.gov.in पर दिनांक 23-03-2026 से उपलब्ध होगी।

वेबसाईट पर निविदा जारी होने की तिथि व समय	दिनांक 23-03-2026 अपराह्न 05:00 बजे
वेबसाईट पर निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि / समय	दिनांक 31-03-2026 पूर्वाहन 11:00 बजे
निविदा खोले जाने की तिथि एवं समय	दिनांक 31-03-2026 अपराह्न 01:00 बजे
निविदा प्रपत्र शुल्क	2500.00 (दो हजार पांच सौ रू0) +18% GST
निविदा खोले जाने का स्थान व पत्राचार का पता	नगर निगम, अल्मोड़ा कार्यालय ।

(सीमा विश्वकर्मा) नगर आयुक्त, नगर निगम, अल्मोड़ा — **(अंशुल सिंह)** जिलाधिकारी, अल्मोड़ा — **(अजय वर्मा)** महापौर, नगर निगम, अल्मोड़ा

पुलिस को चुनौती देकर बाइक व ई-रिक्शा चुराए

रुद्रपुरः चोरों ने दिनदहाड़े दो अलग-अलग घटनाओं को अंजाम देकर खाकी को खुली चुनौती दी है। पहली घटना में, बजरंग विहार निवासी हरी राम का ई-रिक्शा सिविल लाइन इलाके से चोरी हो गया, जब वे बैंक में खाता खुलवाने गए थे। दूसरी वारदात रोडवेज बस स्टैंड पर हुई, जहां रुद्र एन्क्लेव निवासी सुरेंद्र कुमार की बाइक मात्र दस मिनट के भीतर गायब कर दी गई। पुलिस ने दोनों पीड़ितों की तहरीर के आधार पर चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अस्पताल के बाहर से बाइक चोरी

बाजपुर : ग्राम चकरपुर निवासी विजय 18 मार्च की दोपहर मुड़िया चौराहा स्थित एक अस्पताल में अपने दोस्त से मिलने गया था। उसने बाइक अस्पताल के गेट के बाहर खड़ी की थी, लेकिन जब लौटा तो बाइक गायब मिली।

ब्रीफ न्यूज

शिक्षा विभाग के लिपिक का निधन

खटीमा : सुल्तानपुर पट्टी में शिक्षा विभाग में लिपिक पद पर तैनात नितिन कुमार टंडन उर्फ चिंटू का मंगलवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। जिनका दोपहर बाद मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार किया गया। जहां उनके ज्येष्ठ पुत्र ईशान टंडन ने उनको मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में विधायक भुवन कापड़ी, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, नीरज सक्सेना, मनोज वाधवा, गणेश ठुकराठी, विजय गुप्ता, अमन अरोड़ा, रवीश भटनागर, राजकिशोर सक्सेना, सतीश गोयल, संतोष अग्रवाल आदि शामिल हुए।

तमंचा व कारतूस के साथ दो युवक पकड़े

सितारगंज /बाजपुर : रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने तमंचा और कारतूस लेकर घूम रहे गांव बरुआबाग निवासी विशाल कुमार उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने युवक के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस उसे न्यायालय में पेश करने के कार्रवाई कर रही है। उधर, बरहैनी पुलिस ने चेकिंग के दौरान ग्राम भट्टपुरी निवासी गुरबाज सिंह को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 315 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है और इलाके में धाक जमाने के लिए हथियार रखता था।

स्मैक के साथ युवक धरा

खटीमा : कोतवाली पुलिस ने सोमवार देर शाम सुजिया महोलिया के कूड़ा घर के पास से एक युवक को 2.73 ग्राम स्मैक के साथ दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने स्वयं को वार्ड संख्या तीनराजा मस्जिद इस्लामनगर के निकट निवासी इमरान बताया।

पुलिस ने छह नशेड़ियों को लिया हिरासत में

काशीपुर : पुलिस ने नशा करते हुए छह लोगों को हिरासत में लिया है। जिन्हें हिदायत देकर छोड़ दिया गया है। बजरंग दल के अंकुर सिंह, सतेंद्र शर्मा, मुकेश आदि ने बताया कि मंगलवार को वह लोग तीर्थ द्रोणा सागर परिसर में घूम रहे थे। इस दौरान दो नाबालिग युवक को नशा करते पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस ने छह नशेड़ी और पकड़े।

चार्जशीट 90 दिन, संपत्ति रिपोर्ट 60 दिन में देना तय, एसएसपी ने दिए आदेश, माफियाओं की सूची तैयार

नशा माफियाओं के जांच अधिकारी की तय होगी जवाबदेही

मनोज आर्या, रुद्रपुर

अमृत विचार : पुलिस ने नशा माफियाओं की कमर तोड़ने के लिए 'ऑपरेशन आर्थिक तंत्र' को नए सिरे से धार देना शुरू कर दिया है। जिले की कमान संभालते ही एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने न केवल माफियाओं की धरपकड़ तेज की है, बल्कि पुलिस विभाग के भीतर जांच अधिकारियों की जवाबदेही भी तय कर दी है। अब नशा तस्करी के मामलों में लापरवाही बरतने वाले जांच अधिकारियों पर भी गाज गिरेगी।

अजय गणपति कुंभार, एसएसपी।

एसएसपी ने आदेश जारी किया है कि एनडीपीएस मामलों में किसी भी बड़े नशा माफिया के खिलाफ जांच अधिकारी को 90 दिनों के भीतर न्यायालय में चार्जशीट पेश करनी होगी। इसके साथ ही, माफिया की अवैध संपत्तियों का पूरा ब्यौरा मात्र 60 दिनों के भीतर देना अनिवार्य कर दिया गया है। अक्सर देखा गया था कि चार्जशीट और संपत्ति रिपोर्ट में देरी के कारण माफिया को कानूनी लाभ मिल जाता था और वे जेल से बाहर आकर पुनः अवैध साम्राज्य खड़ा कर लेते थे। अब इस लेटलतीफी को खत्म करने के लिए सख्त समय सीमा तय की गई है।

रिश्तेदारों की संपत्ति पर भी वार

इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अब पुलिस केवल मुख्य आरोपी तक सीमित नहीं रहेगी। ''ऑपरेशन आर्थिक तंत्र'' के तहत माफिया के खून के रिश्तों (माता, पिता, भाई, बहन और भतीजे) की संपत्तियों की भी गहन जांच होगी। यदि उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति पाई जाती है, तो उसे नशे की कमाई मानकर कुर्क किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अभियुक्त और उनके परिजनों के बैंक खाते, चाहे वे देश के किसी भी कोने में हों, उन्हें तत्काल फ्रीज किया जाएगा।

स्मैक व हेरोइन माफिया 'रडार' पर

पहले चरण में पुलिस ने स्मैक और हेरोइन तस्करी करने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोहों को निशाने पर लिया है, क्योंकि इस काले कारोबार में सबसे अधिक अवैध संपत्ति अर्जित की जाती है। पुलिस ने टॉप नशा माफियाओं की सूची तैयार कर ली है और उनकी करोड़ों की संपत्ति को सेफिमा नई दिल्ली में पंजीकृत कराकर कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि पुरानी फाइलों को भी दोबारा खोला जा रहा है और लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुकानों से कुट्टू के आटे के सैंपल लेती टीम। ● अमृत विचार

मिलावटी कुट्टू के आटे के सैंपल लिए गए

रुद्रपुर : नवरात्र के पावन पर्व पर उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ रोकने के लिए खाद्य विभाग की टीम ने शहर में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। सहायक आयुक्त ललित मोहन पांडेय के निर्देशन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अपर्णा साह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशा आर्य की टीम ने विभिन्न किराना स्टोरों का निरीक्षण किया और व्रत में उपयोग होने वाली सामग्री के नमूने भरे। यह कार्रवाई हाल ही में शहर में कुट्टू का आटा खाने से कुछ लोगों के बीमार होने की खबरों के बाद और अधिक सतर्कता के साथ की गई है। टीम ने रुद्रपुर के चार प्रमुख किराना स्टोरों से कुट्टू का आटा, राजगीर, सिंघाड़ा आटा और साबूदाने के सैंपल लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेज दिया गया है। यदि जांच रिपोर्ट में मिलावट पाई गई तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शहीद भगत सिंह के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत

भगत सिंह के शहीद दिवस पर गुरुद्वारा साहिब संतोषपुर में समागम का आयोजन किया, कविता पाठ कर शहीद-ए-आजम को श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: शहीद-ए-आजम भगत सिंह के शहीद दिवस पर गुरुद्वारा साहिब संतोषपुर में श्रद्धा और सम्मान के साथ समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगत ने गुरुवाणी का रसपान किया और भगत सिंह के जीवन व उनके क्रांतिकारी विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह द्वारा जगाई गई क्रांति की अलख आज भी देश के नौजवानों के दिलों में जीवित है। उनके विचार युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और उन्हें देशभक्ति व समाज सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में बाबा गुरदयाल सिंह ने कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया, वहीं भाई अमरिंदर सिंह ने कविता पाठ कर भगत सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान उनके परिजन अनमोल सिंह ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। समागम के उपरांत गुरु का लंगर अटूट रूप से वितरित किया गया। इस मौके पर सुरेंद्र कंबोज, गुरमुख सिंह, बलविंदर सिंह, गजेंद्र सिंह, सिमरन सिंह, हेमंत, करणवीर सिंह, गुरजंट सिंह, कुलविंदर सिंह मौजूद रहे।

उधर शहर स्थित भगत सिंह चौक पर स्थापित प्रतिमा पर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित अलग-अलग समय में पहुंचे विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों ने माल्यार्पण कर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह महान चिंतक, सच्चे देशभक्त, दार्शनिक व क्रांतिकारी वीर थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इस दौरान लोगों ने उनके चित्र व प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और देश सेवा का संकल्प लिया।

बाजपुर के गुरुद्वारा साहिब संतोषपुर में आयोजित समागम में कीर्तन करता रागी जत्था।

खटीमा में शहीद भगत सिंह को नमन करते पंजाबी महासभा के लोग।

भगत सिंह की शहादत को भुलाया नहीं जा सकता

जसपुर : शहीदे आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत दिवस पर विभिन्न स्थानीय संगठनों ने उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दी। सोमवार को बार एसोसिएशन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में किसान एवं वकीलों ने शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए। भाकियू प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम सिंह सहोता, बार अध्यक्ष सुंदर पाल सिंह, अमनप्रीत सिंह समेत कई वक्ताओं ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भगत सिंह समेत कई शहीदों ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर संजय राजपूत, प्रगट सिंह, दीदार सिंह, भूदेव सिंह आदि रहे। वहीं ग्राम निवारमंडी में आइंक़लाबी मज़दूर संगठन, क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन और प्रगतिशील महिला एकता संगठन ने भी शहीदों को याद किया। यहां पदम सिंह, शाहिस्ता, पंकज, सुनीता, पूरन सिंह, महेन्द्र सिंह, जसवीर, ओम प्रकाश सिंह, उपेंद्र सिंह, खेम सिंह, सोनू आदि मौजूद रहे।

खटीमा में भी विचारों को अपनाने का संकल्प

खटीमा : उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने शहीद दिवस के दिन शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। टनकपुर रोड स्थित महासभा के कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने शहीदों की शहादत को याद कर आने वाली युवा पीढ़ी से उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेने और उनके विचारों को जन जन तक पहुंचाने का प्रण लिया। महासभा के वरिष्ठ सदस्य संतोष मल्होत्रा ने कहा कि महान क्रांतिकारी भगत सिंह एवं उनके साथियों को 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में फांसी पर लटका दिया गया था। पूरा देश आज के दिन भारत माता की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी शहीदों को याद कर रहा है। संचालन सचिव हरीश बत्रा ने किया। इस अवसर पर महासभा के प्रदेश सचिव मनोज वाधवा, संरक्षक बाबूराम अरोरा अध्यक्ष विजय अरोड़ा, ललित मोहन मारवाह, जानू अरोरा, कोषाध्यक्ष जितिन ग्रोवर, हर्ष बत्रा, जतिन बत्रा, राहुल अरोरा, मोहित बत्रा, सुधीर बत्रा, सचिन विज आदि उपस्थित रहे।

रिवरडेल स्कूल में रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते चेयरमैन हरमिंदर सिंह बरार।

शहीदों की स्मृति में लगाया रक्तदान शिविर

बाजपुर : शहीद दिवस के अवसर पर रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की स्मृति में भव्य रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन हरमिंदर सिंह बरार और समाजसेवी मिक्की कपूर ने किया। शिविर में कुल 18 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। रक्तदान के साथ ही प्रभु नेत्रालय द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर भी लगाया गया। रक्तदान करने वालों में इंद्रप्रीत सिंह सिद्धू, डा.सौरभ परमार, तेजवीर सिंह पुनिया, डा.ईश्वर प्रसाद, बलवीर सिंह, विकास कुमार गोयल, सिमरन पड्डा, अशोक गोयल, अशोक पांडेय, खुशी तिवारी, अमित सिंह, आशु गोयल सहित अन्य लोग शामिल रहे।

किसानों ने सांकेतिक प्रदर्शन कर श्रद्धांजलि दी

बाजपुर : संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की प्रतिमा के समक्ष साम्राज्यवाद के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर उपस्थित किसानों ने भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के प्रदेश अध्यक्ष बल्ली सिंह चीमा, जगतार सिंह बाजवा, महेंद्र सिंह रंधावा लखविंदर सिंह, पूरन सिंह, शेर सिंह सतनाम सिंह, सुबैग सिंह, जगतार सिंह, जगदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स स्टेडियम में हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना करते विधायक शिव अरोरा।

क्रॉस कंट्री दौड़ में पुष्कर और अजरा रहे अव्वल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के पर जिला खेल विभाग की ओर से जनपद स्तरीय ओपन बालक व बालिका क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक शिव अरोरा ने हरी झंडी दिखाकर क्रॉस कंट्री रेस का शुभारंभ किया। साथ ही सभी खिलाड़ियों को नशा मुक्ति का संदेश भी दिया।

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि धामी सरकार के चार साल पूरे होने पर इस क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। क्रॉस कंट्री रेस बालक वर्ग में पुष्कर चन्द्र प्रथम, सोलित कुमार द्वितीय, सुरेन्द्र सिंह तृतीय, दीपक कुमार चतुर्थ, अमित कुमार पंचम व राजेश छठवें स्थान पर रहे। इसी तरह बालिका वर्ग में अजरा प्रथम, गुंजन द्वितीय, नीलम राठौर तृतीय, अंशीका चतुर्थ, गायत्री पाल पंचम व रितिका विश्वास छठे स्थान पर रही। इसके बाद सभी विजेताओं को अतिथियों ने ट्रैकसूट देकर पुरस्कृत किया।

अर्थशास्त्र के प्रवक्ता राजेंद्र सिंह का निधन

सितारगंज : जीआईसी सितारगंज में तैनात अर्थशास्त्र के प्रवक्ता 45 वर्षीय राजेंद्र सिंह का सोमवार को निधन हो गया। वहीं, परिजनों ने रात में हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका जताई है।

राजेंद्र सिंह। (फाइल)

राजेंद्र सिंह नगर के आनंद विहार कॉलोनी में रोजाना की तरह रविवार की रात कमरे में सोए थे। सोमवार को सुबह बेटी स्कूल जाने के लिए तैयार हो रही थी। उसने पिता को बेसुध पड़ा देखा। उसने घर में उपस्थित नाना व परिवार जनों को उठाया। परिजन उन्हें उप जिला चिकित्सालय ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल सुंदरम शर्मा ने बताया पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। प्रथम दृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक सामने आया है। राजेन्द्र सिंह के दो बच्चे हैं। बेटे ने हाईस्कूल की परीक्षा दी है।

इथेनॉल की मांग से बढ़ेगा मक्का उत्पादन

संवाददाता, सितारगंज

- गांव घुसरी में 'मक्का क्षेत्र दिवस' आयोजित
- वैज्ञानिकों ने उन्नत तकनीक व बढ़ती मांग पर दिया जोर

अमृत विचार: इथेनॉल उद्योगों के जलग्रहण क्षेत्रों में मक्का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से गांव घुसरी में 'मक्का क्षेत्र दिवस' का आयोजन किया गया। जिसमें 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसंधान सहायक डॉ. रामनिवास ने कहा कि मक्का अब केवल खाद्य फसल नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण औद्योगिक फसल बन चुकी है। वर्तमान में भारत में 10-12 मिलियन टन मक्का का उपयोग इथेनॉल उत्पादन में किया जा रहा है, जिसे भविष्य में और बढ़ाने की आवश्यकता है।

अनुसंधान सहायक डॉ. मनीष ककरालिया ने किसानों को उन्नत उत्पादन तकनीकों, खाद एवं सिंचाई प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कटाई के बाद प्रबंधन मक्का की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। मक्के को ढेर में रखने से बचने और नेचुरल या आर्टिफिशियल ड्रायर के उपयोग पर भी जोर दिया गया। परियोजना प्रबंधक डॉ. एसएल जाट ने बताया कि केंद्र सरकार की इथेनॉल नीति के चलते मक्का की मांग लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2025-26 में देश का मक्का उत्पादन 50 मिलियन टन से अधिक होने का अनुमान है। साथ ही, ईरान-इज़राइल युद्ध के कारण वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने से भारत में इसकी मांग और बढ़ रही है। संचालन यंग प्रोफेशनल बजरंग जाखड़ ने किया। किसानों ने कहा कि वह पारंपरिक फसलों के बजाय मक्का की खेती अपनाने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने को तैयार है।

ट्रैक्टर चलाते समय पड़ा दौरा, मौत

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप के गंगापुर रोड पर एक हादसे में ट्रैक्टर चालक की जान चली गई। प्रीत विहार कॉलोनी निवासी 40 वर्षीय मंजीत सिंह उर्फ बग्गा, जो ट्रैक्टर-ट्रॉली चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था, सोमवार को राख भरकर गंगापुर की ओर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक चलते वाहन में मंजीत को मिर्गी का दौरा पड़ गया, जिससे ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने पहले रास्ते में खड़ी एक बाइक को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर के झटके के कारण मंजीत संतुलन खो बैठा और सीधे ट्रैक्टर के भारी भरकम टायर के नीचे जा गिरा। अपने ही ट्रैक्टर के टायर से कुचले जाने के कारण चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही ट्रांजिट कैंप पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंजीत की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

डॉ. रखोलिया को मिला नारी शक्ति रत्न अवार्ड

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए महिला एवं सामाजिक जागरूकता कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने बाल रोग विभाग राजकीय मेडिकल कालेज हल्द्वानी की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. ऋतु रखोलिया उत्तराखंड नारी शक्ति रत्न अवार्ड 2026 से नवाजा गया।

महिला एवं सामाजिक जागरूकता कल्याण समिति की ओर से मां द्वारिका गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान समिति समिति अध्यक्ष डॉ. उषा नरेंद्र जैन, पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा, प्रदेश मंत्री भाजपा रश्मि रस्तोगी ने स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं शाल ओढ़कर सम्मानित किया। समारोह में डॉ. रखोलिया के कार्यों की प्रशंसा की गई। इस दौरान डॉ. रखोलिया ने अस्पताल में आने वाले हर मरीज और परिजनों की डॉक्टर पर काफी उम्मीद होती है। इसलिए डॉक्टर को हर संभव उनकी मदद करनी चाहिए।

डॉ.ऋतु रखोलिया को अवार्ड से सम्मानित करतीं पदाधिकारी।

इस अवसर पर नरेंद्र जैन, उपाध्यक्ष समिति राधा सुभाष, कविता रावत, सीता सुनील चौरसिया, लीलावती अधिकारी, सुधीर वंदना दास, मुकेश सुयाल, इशू चंद्र धारीवाल, ममता नेगी, शशि सिंह, हरविंदर सिंह, दुर्गावती यादव, डॉ.असूल श्रीवास्तव, बाल कल्याण समिति सदस्य पुष्पा पानू, दीपा अधिकारी, आभा, सुरजीत, आशा शुक्ला आदि उपस्थित थे।

आयोजन

नन्हे कदमों ने बढ़ाया नई राह की ओर कदम, रंगारंग कार्यक्रमों ने मन मोहा

गौरांग में यूकेजी छात्रों की ग्रेजुएशन सेरेमनी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : अलक्ष्या पब्लिक स्कूल में स्थापित गौरांग इंटरनेशनल प्री-स्कूल में यूकेजी के विद्यार्थियों की ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंध निदेशक मधुसूदन दास गोस्वामी, सह-प्रबंध निदेशक प्राजेश गोस्वामी, उपाध्यक्षा जया चुफाल गोस्वामी, प्रबंधक विनोद बोहरा, प्रधानाचार्य अजय बोहरा ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। यूकेजी की शिक्षिकाओं सीता राजपूत और निशा चंद की देखरेख में बच्चों द्वारा रंग बिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े गए और बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संचालन तनुजा गहतोड़ी, दीक्षा देउपा, प्रदीप भंडारी, वैभवी बिष्ट, संस्कृति भंडारी, सिद्धि भंडारी ने किया। आयोजन में दीपक भट्ट, संदीप कुशवाहा, जगदीश सामंत का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में प्रबंधन द्वारा बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य विनोद चंद, दीपा बिष्ट, मीना वल्दिया, हरीश खोलिया, कल्याण बिष्ट, सीमा भट्ट, रंजना चंद, सीता राजपूत, निशा चंद, सपना, साइमा, गीतांजलि सामंत, काजल रावत, दीक्षा कन्याल, भावना भंडारी, कंचन चंद आदि मौजूद रहे।

खटीमा के अलक्ष्या पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

बर्बाद फसल के लिए मुआवजा मांगा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : तराई भावर में आई तेज बारिश और अंधड़ से बर्बाद हुई गेहूं की फसल का मुद्दा उठाते हुए भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने सीएम को संबोधित ज्ञापन सौपा। उनका कहना था कि किसानों को आर्थिक स्थिति से उबरने के लिए आर्थिक सहायता देना जरूरी है।

यूनियन के अध्यक्ष सलविंदर सिंह कलसी ने बताया कि विगत दिनों प्रदेश में तेज बारिश और अंधड़ आया था। जिस कारण किसानों की फसल नीचे गिरकर बर्बाद हो गई है। साथ ही उपज एवं गुणवत्ता में भी भारी कमी आई है। एक ओर जहां किसान कर्ज कर किसानी कर रहा है। वहीं बर्बाद फसल से किसानों के सामने आर्थिक स्थिति का संकट गहराने लगा है। उन्होंने सीएम से तहसीलदार द्वारा निरीक्षण कर क्षति आकलन रिपोर्ट बनाने का मुद्दा उठाते हुए मुआवजा देने और बिजली ट्यूबवेल बिल, ऋण अदायगी वसूली पर रोक लगाकर राहत देने का मुद्दा उठाया। उन्होंने प्रदेश सरकार से क्षति मुआवजा शीघ्र जारी करने की पुरजोर मांग की है। इस मौके पर प्रदेश सचिव अमर दीप सिंह, संतोख सिंह, जगवीर सिंह, चरणजीत सिंह, जिगरजीत सिंह, जगरूप सिंह, कुलजिंदर सिंह मौजूद रहे।

एडीएम को ज्ञापन देते किसान नेता। ● अमृत विचार

बच्चों को मार्गदर्शन की आवश्यकता

खटीमा: समग्र शिक्षा के तत्वावधान में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में किशोरावस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर आधारित एडोलसेंस एजुकेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को किशोरावस्था के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक परिवर्तनों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रमोद कुमार ने कहा कि किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण होता है। जिसमें बच्चों को उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। संचालन डॉ. हेमलता पाठक ने किया। इस अवसर पर हरीश आर्या, होशिला प्रसाद, डॉ एके सिंह, अनिल राठौर, योगेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

ग्राम कटईया के 5 युवाओं का पुलिस में हुआ चयन

काशीपुर : विधानसभा बाजपुर के ग्राम कटईया में एक ही गांव के पांच प्रतिभाशाली युवाओं का पुलिस में चयन पर पूरे क्षेत्र में हर्ष का विषय है। भाजपा नेता राजेश कुमार ने बताया कि गांव के अरुण कुमार, संजय कुमार, नितिन कुमार, रवि कुमार, प्रशांत का उत्तराखंड पुलिस में चयन हुआ है। बताया कि एक ही गांव से पांच युवाओं का चयन यह दर्शाता है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो सफलता निश्चित है। प्रदेश में युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार और पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता रही है, जिसका सकारात्मक परिणाम आज सामने आ रहा है।

मंडल उपाध्यक्ष की नियुक्ति निरस्त

काशीपुर : भाजपा जिला महामंत्री सुशील शर्मा ने कवि नगर मंडल अध्यक्ष कल्पना राणा के द्वारा मंडल उपाध्यक्ष अभिनव राजपूत की नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। सुशील शर्मा ने बताया कि अभिनव राजपूत को पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासनहीनता, गुटबाजी या आधिकारिक प्रत्याशी के खिलाफ काम करने जैसे आचरण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बल्कि, यह उन नेताओं को भी संदेश है, जो अंदरखाने असंतोष या मनमुटाव के कारण पार्टी की रणनीति को प्रभावित करते हैं। निलंबन की यह कार्रवाई भाजपा की रणनीतिक मजबूती को दर्शाती है।

तेंदुए की आमद से ग्रामीण परेशान

काशीपुर : काशीपुर के चांदपुर गांव में तेंदुए की लगातार आमद हो रही है। पूर्व प्रधान कमलेश कुमार ने बताया कि महीने भर पहले तेंदुए ने गाय को गौशाला में घुसकर बछड़े को मारा दिया था। लगातार तेंदुआ गांव के अंदर आ रहा है, ऐसे में ग्रामीणों में दहशत है। वन विभाग को सूचना दी गई और तेंदुए के आतंक से निजात दिलाने की मांग की जा रही है। काशीपुर रेंज के रेंजर देवेंद्र रजवार ने बताया कि वन कर्मियों को गश्त करने के निर्देश दिये गये हैं। ग्रामीणों को सतर्क रहने और तेंदुआ दिखने पर सूचना देने को कहा गया है। तेंदुए को पकड़ने के लिए जल्द ही पिंजरा लगाया जाएगा।

नगर निगम में आज लगेगा निशुल्क शिविर

काशीपुर : नगर निगम काशीपुर द्वारा पार्षदों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 24 मार्च मंगलवार को निगम परिसर में एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन महापौर एवं नगर आयुक्त के निर्देशानुसार किया जा रहा है। इस स्वास्थ्य शिविर में केवीआर अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मौजूद रहेगी, जो लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क प्रदान करेगी। शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, ब्लड शुगर एवं खून की जांच के साथ-साथ आवश्यक दवाइयों का भी मुफ्त वितरण किया जाएगा। शिविर का आयोजन नगर निगम परिसर में प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर दीपक बाली द्वारा किया जाएगा।

जीआईसी बंडिया के छात्रों का कैंप शुरू

खटीमा : पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज बंडिया की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष शिविर का शुभारंभ प्रधानाचार्य चंदन कुमार, अर्जुन सिंह, एनसीसी प्रभारी अवधेश कुमार कुशवाहा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। "राष्ट्रीय सेवा योजना-एक परिचय" विषय पर कैम्प कमांडर दिव्या साहनी और स्वयं सेवी अंकिता ने अपने विचार व्यक्त किए। स्वयं सेवियों ने विद्यालय परिसर में क्यारियों की स्वच्छता हेतु श्रमदान भी किया।

छात्रसंघ वार्षिकोत्सव में हुईं प्रतियोगिताएं

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय नवोन्मेष छात्रसंघ वार्षिकोत्सव एवं मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। सोमवार को कॉलेज में आयोजित सत्र 2025-26 का शुभारंभ प्राचार्या प्रो. डॉ. सुमिता श्रीवास्तव ने किया। पहले दिन दैनिक जीवन में एआई विषय पर पोस्टर, उत्तराखंड की लोक संस्कृति विषय पर स्केचिंग, वर्तमान समय में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता विषय पर निबंध, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट विषय पर क्राफ्ट प्रतियोगिता हुई। सांस्कृतिक समिति की संयोजिका डॉ. पदमा वशिष्ठ ने बताया कि मंगलवार को दूसरे दिन मेहंदी, रंगोली, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता होगी।

रामनगर सड़क की मरम्मत को लेकर कांग्रेस ने जताया विरोध

कार्यकर्ताओं ने कहा-सड़क निर्माण जल्द नहीं होने पर कांग्रेस करेगी उग्र आंदोलन

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में एसडीएम कार्यालय में प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बुरी तरह से क्षतिग्रस्त काशीपुर से रामनगर जाने वाले नेशनल हाईवे सड़क के निर्माण की मांग को लेकर सोमवार को कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा।

महानगर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अलका पाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने उप जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए काशीपुर-रामनगर नेशनल हाईवे के क्षतिग्रस्त होने पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। इसके निर्माण के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रेषित किया। महानगर कांग्रेस की अध्यक्ष अलका पाल ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि काशीपुर-रामनगर नेशनल हाईवे लगभग 30 किमी की सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। जिम कॉर्बेट पार्क से जोड़ने वाली यह सड़क सरकार के विकास की खुली पोल खोलती है। दुर्घटनाओं का सबक बन चुकी सड़क सरकार को मुंह चिढ़ाती है, लेकिन भाजपा सरकार काशीपुर के विकास की उपेक्षा कर रही हैं। वहीं एआईसीसी सदस्य एवं प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर झूठा ढिंढोरा पीट रही है। इसका नमूना काशीपुर से रामनगर जाने वाली नेशनल हाईवे की सड़क है। अगर सरकार ने इसका शीघ्र निर्माण नहीं किया तो कांग्रेसी कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ देंगे, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। काशीपुर की उपेक्षा सहन नहीं की जाएगी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोज जोशी एडवोकेट, पूर्व महानगर अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन, हरीश कुमार सिंह एडवोकेट, विमल गुड़िया, ब्रह्मपाल, सरित चतुर्वेदी, अरुण चौहान, सुभाष पाल ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि काशीपुर के विकास के लिए सरकार ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। वहां पर अर्पित मल्होत्रा, विनोद होंडा, चंद्रभूषण डोभाल, संतोष मल्होत्रा, ब्रह्मपाल, सुभाष पाल, जितेंद्र सरस्वती, प्रदीप जोशी, संदीप चतुर्वेदी एडवोकेट, संजीव शर्मा, हनीफ अंसारी, अनीस अंसारी, परम सिंधु, राकेश यादव, इंदर सिंह एडवोकेट, गौरव चौधरी, सारिम सैफी, रवि पपने, इलियास महागीर मौजूद रहे।

चेक बाउंस में आरोपी को चार माह की सजा

काशीपुर: न्यायिक मजिस्ट्रेट/द्वितीय अपर सिविल जज आयशा फरहीन की अदालत ने चेक बाउंस के दोषी को चार चार माह के कारावास और 1.85 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

मोहल्ला सुभाष नगर निवासी सुरेंद्र नाथ सिंह ने अपने अधिवक्ता विपिन कुमार के माध्यम से न्यायालय में धारा 138 लिखत परक्राम्य अधिनियम के तहत वाद दायर किया।

जिसमें कहा कि वैशाली कॉलोनी निवासी आशीष चौहान ने खड़कपुर देवीपुरा स्थित अपनी भूमि का सौदा 24 दिसंबर 2022 को तय किया था। जिसमें आशीष चौहान ने 3.50 लाख रुपये बयाने के रूप में लिए थे। शेष धनराशि चार महीने बाद बैनामा कराने के समय देना तय हुआ था। चार महीने के बाद जब आशीष से रजिस्ट्री कराने को कहा तो वह टालमटोल करने लगा। जब रुपयों का तकादा किया तो आशीष ने 3.50 लाख रुपये का चेक दे दिया।

जो भुगतान के लिये बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया। आरोपी का कथन था कि वह 1.80 लाख रुपये ऑनलाइन व केश के माध्यम से दे चुका है। न्यायालय ने अधिवक्ताओं की बहस, पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का अनुशीलन किया।

कार ने राहगीरों को मारी टक्कर, युवक घायल

संवाददाता, काशीपुर

- कार छोड़कर भागा आरोपी, कार सवार के दोस्त को लोगों ने पीटा

अमृत विचार : मोहल्ला कटोरताल खालसा में रविवार देर रात एक एक्सयूवी कार सवार ने जमकर उत्पात मचाया। नशे में धुत कार चालक ने नियंत्रण खोते हुए न केवल कई वाहनों को क्षतिग्रस्त किया, बल्कि रोकने का प्रयास कर रहे दर्जन भर लोगों को टक्कर मारते हुए फरार होने की कोशिश की। इस भीषण घटना में एक युवक राशिद हुसैन के दोनों पैर कार के नीचे दबने से फ्रैक्चर हो गए, जिसे मुरादाबाद रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चालक अपने मित्र को छोड़ने आया था, तभी उसने मोहम्मद सुहैल की बाइक और पार्षद अरशद अली समेत कई लोगों के ई-रिक्शा व बाइकों को टक्कर मार दी। स्थानीय युवकों ने पीछा कर कार को मोहल्ला महेशपुरा में घेर लिया, लेकिन चालक वाहन छोड़कर भागने में सफल रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। इस बीच मोहल्लेवासियों ने कार सवार के मित्र की पिटाई भी कर दी। कटोरताल चौकी इंचार्ज कौशल भाकुनी के अनुसार, फिलहाल इस मामले में दोनों पक्षों के बीच समझौते की बात सामने आई है।

लकड़ी तस्करी पर वन विभाग ने की कार्रवाई

सितारगंज : दक्षिणी जौलासाल रेंज में वन विभाग की गश्ती टीम ने लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच बाइकों को जब्त किया है। रविवार रात रेंजर महेश जोशी के नेतृत्व में वनकर्मियों की टीम नियमित गश्त पर थी। गश्त के दौरान टीम ने आरक्षित वन क्षेत्र में लकड़ी से लदी कई बाइकों को संदिग्ध हालत में देखा। वनकर्मियों को देखते ही बाइक सवार अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए और अपनी बाइकें वहीं छोड़ दीं। वन विभाग की टीम ने मौके से सभी पांच बाइक और उनमें लदी लकड़ी को कब्जे में ले लिया। सोमवार को जब्त बाइकों को ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए वन परिसर लाकर खड़ा कर दिया गया। रेंजर महेश जोशी ने बताया कि बाइकों के नंबर के आधार पर उनके मालिकों की पहचान की जा रही है। आरोपियों की शिनाख्त के बाद उनके खिलाफ वन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

काशीपुर में धरने पर बैठे डिप्लोमा इंजीनियर्स। ● अमृत विचार

मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे डिप्लोमा इंजीनियर्स

काशीपुर : उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने 27 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये। हड़ताल के पहले दिन उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की काशीपुर शाखा के समस्त विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर्स सिंचाई खंड काशीपुर के प्रांगण पर धरना देकर बैठ गए। बैठक में वक्ताओं ने मांगे पूरी न होने तक हड़ताल पर रहने की बात कही। कहा कि 22 जनवरी 2026 को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में समस्याओं के समाधान के लिए विस्तृत चर्चा हुई थी। सकारात्मक निर्णय की उम्मीद जताई गई थी, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नहीं हुई। इससे प्रदेशभर के डिप्लोमा इंजीनियरों में भारी आक्रोश व्याप्त है। हड़ताल में मुख्य रूप से जनपद अध्यक्ष ई. ज्योति रावत, शाखा अध्यक्ष ई. राजेश, शाखा सचिव ई. हिमांशु पंत, सहायक अभियंता नरेंद्र सिंह रावत, राजन पंत, सुधीर कुमार, केशव सिंह, सतीश कुमार सैनी, गोविंद, सोहेल, पूजा, निशा, तान्या सहित सभी डिप्लोमा इंजीनियर्स मौजूद रहे।

यात्रियों संग व्यवहार का मिलेगा प्रशिक्षण

काशीपुर: रोडवेज बस यात्रियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाए इसको लेकर कर्मचारियों की एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। दरअसल यात्रियों के साथ अनुचित व्यवहार की शिकायतों को देखते हुए परिवहन निगम की ओर से रोडवेज कर्मचारियों की कार्यशाला की जाएगी। ताकि उनके व्यवहार में सुधार हो और यात्री शिकायतें ना करें। यह कार्यशाला डिपो स्तर पर होगी और सहायक महाप्रबंधक रोडवेज कर्मियों को प्रशिक्षण देंगे। सहायक महाप्रबंधक राजेंद्र कुमार आर्य ने बताया कि परिवहन मुख्यालय की ओर से पत्र मिला है। जिसमें चालक-परिचालकों की कार्यशाला करने को कहा गया है। चालक-परिचालक की अक्सर सवारियों के साथ दुर्व्यवहार करने की शिकायतें मिलती हैं। ऐसे में परिवहन मुख्यालय ने चालक-परिचालकों के व्यवहार सुधारने के लिए प्रशिक्षण देने को कहा है।

जर्जर सड़कों पर बीडीसी बैठक में हंगामा

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : खंड विकास कार्यालय सभागार में सोमवार को ब्लॉक प्रमुख सुखमन कौर औलख की अध्यक्षता में आयोजित क्षेत्र पंचायत (बीडीसी) की बैठक काफी हंगामेदार रही। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने विकास कार्यों की सुस्त रफ्तार और महत्वपूर्ण जिला स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर गहरा रोष व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय का अभाव विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है।

बैठक के दौरान नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने जिलाधिकारी, सीडीओ और अन्य विभाग अध्यक्षों के बैठक में न पहुंचने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, "जब समस्याओं के समाधान के लिए जिम्मेदार अधिकारी ही मौजूद नहीं हैं, तो ऐसी बैठकों का क्या औचित्य? जनप्रतिनिधियों की सुनवाई नहीं होगी तो आम जनता की समस्याएं कैसे हल होंगी?" उन्होंने अधिकारियों को नसीहत दी कि वे अगली बैठक में पूरी तैयारी और संतोषजनक जवाबों के साथ आएं।

बीडीसी की बैठक में नाराजगी व्यक्त करते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य।

पेयजल के मुद्दे छाए रहे

सदन में सर्वाधिक आक्रोश पेयजल निगम और जल संस्थान के कार्यों को लेकर देखा गया। जनप्रतिनिधियों ने जल जीवन मिशन में बजट की कमी और क्षतिग्रस्त सड़कों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इस पर यशपाल आर्य ने एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा को निर्देश दिए कि वे पेयजल और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त बैठक कर समाधान निकालें।

विकास का श्रेय सिर्फ जनता को : यशपाल आर्य

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने क्षेत्र में हुए सड़कों और बिजली घरों के निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इन कार्यों का श्रेय स्वयं नहीं लेते, बल्कि इसे जनता के आशीर्वाद का परिणाम मानते हैं। बैठक का संचालन बीडीओ शेखर जोशी ने किया। इस मौके पर ज्येष्ठ प्रमुख रजनीत सिंह सोनू, विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर, एसडीएम डा.अमृता शर्मा, सहायक निदेशक मत्स्य संजय छिम्वाल, अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई सुशील कुमार, अपर जिला सहकारी अधिकारी बलराज सिंह, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के रूप में रजविंदर कौर एवं मंदीप सिंह नरवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य संगीता, कुलवंत सिंह, विकास, शोभा रानी, अविनाश राजपूत, गिरीश पाल, दीपिका रौतेला, सुरेश सैनी तथा ग्राम प्रधान विराट देवगन, रामचंद्र, उर्मिला पंत, रूप सिंह, देव सिंह, प्रमोद जोशी, मनप्रीत कौर, लवकुश शर्मा, अंजू मौजूद रहे।

टंकी का पानी दूषित करने पर रोष

- वाल्व चैम्बर में हड्डियां फेंकने पर ग्रामीणों में रोष, आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

संवाददाता, जसपुर

जसपुर में ग्रामीणों से जानकारी लेती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गांव में बनी पानी की टंकी के वाल्व चैम्बर में असामाजिक तत्वों द्वारा मांस खाकर जूठी प्लेट और हड्डियां फेंकने पर ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। सूचना पर पहुंचे भाजपा नेता ने पुलिस को जानकारी देकर कार्रवाई की मांग की।

ग्राम अमियावाला में जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी बनी है। ग्रामीणों का आरोप है कि टंकी के वाल्व चैम्बर में वहां नियुक्त ऑपरेटर और उसके साथी मांस खाकर उसकी हड्डियां और जूठी प्लेटें चैम्बर में फेंक देते हैं। विरोध करने पर वह धमकी देते हैं।

कहा कि अब पवित्र नवरात्र चल रहे हैं, टंकी का पानी पीकर वह अपना व्रत पूरा करते हैं, वहीं मन्दिरों में भी टंकी का पानी चढ़ाया जाता है। चैम्बर में हड्डियां फेंकने से उनकी आस्था को ठेस पहुंच रही है।

सोमवार को मामले की जानकारी होने पर भाजपा नेता शीतल जोशी गांव पहुंचे। शीतल जोशी ने बताया कि मामले की शिकायत एसडीएम से की गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जानकारी ली। सूत मिल चौकी इंचार्ज इंद्र सिंह ढेला ने बताया कि मौके पर हड्डियां नहीं मिली है, मामले की जांच की जा रही है।

युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

बाजपुर: पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर युवती को जाल में फंसाकर उसके साथ दुष्कर्म करने और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ग्राम गोरू गांव विक्रमपुर निवासी दीप सिंह उर्फ दीपू ने पीड़िता को इंटरव्यू के बहाने एक होटल में बुलाया, जहां उसने युवती के साथ जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी ने घटना का वीडियो भी बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता का लगातार शारीरिक शोषण करने लगा।

मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस टीम ने 22 मार्च को मुखबिर की सटीक सूचना पर आरोपी दीप सिंह को बाजपुर क्षेत्र के एक शोरूम के पास से दबोच लिया।

सिटी डायरी

एनएसएस शिविर में जानकारी देते प्राचार्य प्रो .बीके सिंह।

एनएसएस शिविर का शुभारंभ

बाजपुर : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बाजपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर सोमवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय टांडा गौरू में शुरू हुआ। प्राचार्य प्रो. बीके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन और सेवा भावना जागृत करना है। कार्यक्रम के पहले दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. अशोक कुमार तोमर ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता और प्राथमिक उपचार के गुर सिखाए। शिविर में शहीद दिवस के अवसर पर भगत सिंह को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सैनी और डॉ. प्राची फर्त्याल के संचालन में स्वयंसेवकों ने राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा का संकल्प लिया।

एसडीएम दफ्तर ज्ञापन देने पहुंचे भीम आर्मी कार्यकर्ता।

बाबा साहब की प्रतिमा के अपमान से रोष

बाजपुर : श्रीनगर गढ़वाल के अलकेश्वर घाट स्थित अंबेडकर पार्क में डा.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा छेड़छाड़ व कालिख पोतने का मामला सामने आने पर आक्रोश फैल गया है। इसे लेकर विभिन्न संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। सोमवार को बाजपुर में संगठनों के पदाधिकारियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें राजकुमार, कमल दास, प्रशांत कुमार, यतिन सागर, बबलू गौतम, अंकित सागर, दीपक सागर, राहुल मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष को मातृशोक

जसपुर : भाजपा के काशीपुर जिला अध्यक्ष मनोज पाल की माता का सोमवार को निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सोमवार को महुवाडाबरा स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। बता दें कि भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज पाल की माता लीलावती देवी (71 वर्ष) महुवाडाबरा स्थित पैतृक घर में ही रहती थी। उनकी मृत्यु पर खिलेन्द्र चौधरी, विधायक आदेश चौहान, बलराज पासी, अरविंद पांडे, पूर्व विधायक डॉ. शैलेन्द्र मोहन सिंघल, मुकेश कुमार, पूर्व मेयर काशीपुर ऊषा चौधरी, मुक्ता सिंह, खड़क सिंह, राजकुमार चौहान, कमल चौहान, अशोक खन्ना, शीतल जोशी, डॉ. एमपी सिंह, नौशाद सम्राट, नईम प्रधान, विनीत चौहान, प्राशीष विश्नोई, गौतम गिरी, अनुरोग अग्रवाल, शरद चौधरी, राजेन्द्र सिंह, धमेन्द्र सिंह, गजेन्द्र चौधरी ने शोक व्यक्त किया।

लीलावती देवी।(फाइल)

डॉ .राममनोहर लोहिया के चित्र पर पुष्प अर्पित करते कार्यकर्ता

डॉ. लोहिया की जयंती मनाई

बाजपुर : समाजवादी पार्टी कार्यालय में महान चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती और शहीद दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने डॉ. लोहिया, भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्य वक्ता और यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद यादव ने कहा कि डॉ. लोहिया एक युगद्रष्टा थे, जिन्होंने सामाजिक समानता के लिए जीवनभर संघर्ष किया। इस मौके पर अमित कुमार, अरविंद दिवाकर, उज्ज्वल सिंह, मो. आजम, रहीस, लाला, नितिन दिवाकर, शीशपाल यादव मौजूद रहे।

शौर्य चक्र विजेता मनोज रुमाल को श्रद्धांजलि देते लोग। ● अमृत विचार

शौर्य चक्र विजेता मनोज रुमाल को दी श्रद्धांजलि

खटीमा : शौर्य चक्र से सम्मानित शहीद मनोज सिंह रुमाल की 17वीं पुण्यतिथि पर क्षेत्रवासियों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सूखापुल, नगला तराई स्थित शहीद स्व. मनोज के आवास पर उनकी प्रतिमा पर पिता मोहन सिंह, माता सरस्वती देवी, पत्नी आशा देवी, पुत्र आदित्य आदि ने पुष्प चक्र अर्पित किए। पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष कैप्टन गंभीर सिंह धामी ने कहा कि 23 मार्च 2009 में जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में आंतकियों से लोहा लेते हुए नायक मनोज रुमाल शहीद हुए थे। इस अवसर पर राजू भंडारी, रंदीप पोखरिया, सतीश भट्ट, देवेंद्र मेहरा, हरीश रुमाल, रोशन रावत, राकेश राणा, सोनू सक्सेना, पदम सिंह रूमाल, विक्रम सिंह रुमाल, रघुवर बिष्ट, पुष्पा सामंत, गोविंदी ऐर, राजेंद्र अधिकारी, प्रमोद गड़कोटी, बलवीर खोलिया, गजेंद्र सिंह, मनोज सौन, दीपक ऐर, संजय सिंह, महेश सिंह, कैलाश चंद, यशोदा देवी, खष्टी देवी मौजूद रहे।

शांतिपुरी किसान सहकारी समिति में किसानों को चेक वितरित करते अधिकारी।

किसान सहकारी समिति में 24 लाख के चेक वितरित

शांतिपुरी : शांतिपुरी किसान सहकारी समिति में दीनदयाल किसान ऋण योजना के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पात्र किसानों को कुल 24 लाख रुपये के चेक वितरित किए गए। समिति के सचिव सुमित सरकार ने बताया कि सरकार की इस योजना से क्षेत्र के लघु एवं सीमांत किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिल रही है। इससे किसानों की कृषि आय में वृद्धि होने की उम्मीद है। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष मोहन सिंह रावत तथा भाजपा जिला मंत्री दिग्विजय सिंह खाती ने लाभान्वित किसानों को बधाई देते हुए योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इस मौके पर किसान सेवा समिति अध्यक्ष मोहन रावत, दुग्ध संघ डायरेक्टर इंदर सिंह मेहता, खुशाल सिंह कोरंगा, राम सिंह मेहता, पूरन कोरंगा आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

दो तीर्थयात्रियों को जल पुलिस ने बचाया

टनकपुर : सोमवार को शाहजहांपुर से आए दो युवक शारदा नदी में तेज बहाव की चपेट में आ गए। उन्हें बहता देख लोगों ने शोर मचाकर जल पुलिस को बुलाया। तैराकों ने नदी में छलांग लगाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जल पुलिस के अनुसार अमन (19) पुत्र रामदेव और अंकित (19) पुत्र गुड्डू, निवासी ग्राम एवं पोस्ट रोसर, हरदोई बाई पास, शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) शारदा घाट में स्नान करते समय अचानक गहरे पानी में डूबने लगे, जिन्हें पुलिस टीम ने बचा लिया। बचाव टीम में राकेश गिरी, पीएसी तैराक भुवन सिंह, अमित कश्यप, नीरज बोरा, विजय सिंह, गोताखोर रविंद्र कुमार एवं पीआरडी के सूरज शर्मा शामिल रहे।

पेयजल टैंक निर्माण का विरोध, करेंगे आंदोलन

बागेश्वर : नगर पालिका क्षेत्र के नारायण देव वार्ड के नागरिकों ने गोदावरी धारे के पास प्रस्तावित पेयजल टैंक निर्माण का विरोध शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस जल स्रोत का उपयोग वर्षों से पेयजल और सिंचाई दोनों के लिए किया जा रहा है। सोमवार को ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मिलकर ज्ञापन सौंपा और मांग की कि टैंक निर्माण रोका जाए। उनका कहना है कि इससे खेतों की सिंचाई प्रभावित होगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो वे आंदोलन को बाध्य होंगे। ज्ञापन देने वालों में रविंद्र सिंह पूना, राजेश पूना, हरीश चंद्र, सीमा और पार्वती रहे।

विकास के साथ सुशासन की नई कार्य संस्कृति स्थापित: सीएम

प्रदेश सरकार के चार साल पूरे होने पर मल्ला महल में कार्यक्रम का आयोजन, मुख्यमंत्री धामी ने लाइव प्रसारण में सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: प्रदेश सरकार के चार साल पूरे होने पर सोमवार को मल्ला महल में कार्यक्रम आयोजित हुई। इस दौरान स्टॉलों के माध्यम से सरकार के चार सालों की उपलब्धियां गिनाई।

मल्ला महल में हुए बहुउद्देशीय शिविर व कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के संबोधन का लाइव प्रसारण किया गया। उन्होंने चार वर्षों की उपलब्धियों को ऐतिहासिक बताते हुए राज्य के समग्र विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की। कहा कि सरकार ने बीते चार वर्षों में विकास के साथ-साथ सुशासन की नई कार्य संस्कृति स्थापित की है। राज्य की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर्ज की गई है। रोजगार के अवसरों में विस्तार करते हुए हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है और नकल विरोधी कानून के माध्यम से भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाया गया है। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मेयर अजय वर्मा ने कहा कि सीएम धामी के नेतृत्व में बीते चार वर्षों में उत्तराखंड ने विकास, विश्वास और सुशासन का एक सशक्त मॉडल प्रस्तुत किया है। कहा कि समान नागरिक संहिता, सशक्त भू-कानून एवं नकल विरोधी कानून जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने राज्य की पहचान को नई दिशा दी है।

अल्मोड़ा मल्ला महल में सोमवार को स्टॉलों का निरीक्षण करते अतिथि। ● अमृत विचार

योजनाओं की दी जानकारी

बहुद्देशीय शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर जनसामान्य को योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं प्रदान की गई। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वहीं, मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा ने भी रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद

पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री गोविंद सिंह पिलख्वाल, एडीएम युक्ता मिश्र, एसडीएम सदर संजय कुमार, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवि रौतेला, पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक, भाजपा नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, एके सिंकदर पवार, मनोज सनवाल, देवेंद्र भट्ट समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

56 शिकायतों का हुआ निराकरण

जन जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम के तहत न्याय पंचायत धामस में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में कुल 61 शिकायतें विभिन्न विभागों में पंजीकृत हुई। जिनमें से 56 शिकायतों का निराकरण शिविर में किया गया। साथ ही विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र को 254 आवेदन पत्र भरवाए गए। जबकि 218 व्यक्तियों को अन्य योजनाओं से लाभांवित किया गया। खंड विकास अधिकारी एसएस दरियाल, जिला पंचायत सदस्य धामस कुंदन राम आदि मौजूद रहे।

सरकार ने किए ऐतिहासिक कार्य: पार्वती

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "जन-जन की सरकार चार साल बेमिसाल" कार्यक्रम के तहत नुमाइशखेत मैदान में बहु-विभागीय जनकल्याण शिविर एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे, विधायक पार्वती दास तथा दर्जा राज्य मंत्री भूपेश उपाध्याय ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलन कर किया। विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई और आमजन को लाभ भी प्रदान किया गया। विधायक पार्वती दास ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है और चार वर्षों में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। वहीं, दर्जा राज्य मंत्री भूपेश उपाध्याय ने उड़ान सेवा, आदर्श गांव योजना और नई शिक्षा नीति जैसी पहलों को प्रदेश के विकास का आधार बताया।

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जनपद में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने बताया कि जिला योजना का व्यय समय से पूर्व पूर्ण कर लिया गया है तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम में जनपद प्रदेश में अग्रणी है।

बागेश्वर में कार्यक्रम का शुभारंभ करता विधायक, जिलाधिकारी व दर्जा राज्यमंत्री।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का लाइव प्रसारण भी सुना गया। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को सहायता राशि और उपकरण बांटे गए। दीनदयाल सहकारिता किसान कल्याण योजना के अंतर्गत तीन लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए। समाज कल्याण विभाग की विवाह अनुदान योजना के तहत दो लाभार्थियों को 50-50 हजार रुपये तथा अटल आवास योजना के अंतर्गत 1.30 लाख रुपये की सहायता दी गई। दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र सहित सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विशाखा खेतवाल, भाजपा जिला महामंत्री संजय परिहार, एडीएम एनएस नबियाल, परियोजना निदेशक शिल्पी पंत सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

शिविर में श्रद्धालुओं की जांच करते चिकित्सक। ● अमृत विचार

पूर्णागिरी मेला क्षेत्र में निःशुल्क चिकित्सा शिविर जारी

बनबसा : मां पूर्णागिरी मेला क्षेत्र के कैनाल गेट, बनबसा में सीमान्त सेवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आया है। 19 मार्च 2026 को एनएचपीसी के जीएम ऋषि रंजन द्वारा उद्घाटित इस शिविर में मात्र चार दिनों में 2905 मरीजों का उपचार किया जा चुका है। शिविर के संयोजक ललित सिंह कुंवर ने बताया कि श्रद्धालुओं के साथ ही आसपास के ग्रामीण भी इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। शिविर में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां 8 बेड का अस्थायी अस्पताल स्थापित किया गया है, जिसमें ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, नेबुलाइज़र मशीन और आधुनिक जांच उपकरण मौजूद हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से मौके पर ही पैथोलॉजी लैब, ईसीजी और एक्स-रे जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं।

चालक व परिचालक के मोबाइल फोन चोरी

टनकपुर : टनकपुर रोडवेज बस स्टेशन में रोडवेज चालक व परिचालक के मोबाइल फोन चोरी हो गए। दोनों ने घटना की लिखित सूचना कोतवाली में दी है।

रविवार की रात सहारनपुर डिपो की बस में चालक एवं परिचालक सोए हुए थे। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके मोबाइल फोन चुरा लिए। बस के चालक आमोद कुमार व परिचालक संजय कुमार ने बताया कि वह बस के अंदर चालक के साथ सोए थे रात में गहरी नींद के दौरान अज्ञात लोगों ने बस के लाक किए गए शीशे खोलकर मोबाइल पर हाथ साफ कर लिया। चालक ने बताया कि उनका फोन बस में ही चार्ज में लगा था। एसएसआई पूरन सिंह तोमर ने बताया कि फोन नंबरों को सर्विलांस में लगा दिया गया है।

डिजिटल पुलिसिंग को मजबूत करें अधिकारी: एसएसपी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके की अध्यक्षता में सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी एवं पुलिस सम्मेलन आयोजित किया गया। बैठक में अपराध नियंत्रण, विवेचनाओं के निस्तारण और डिजिटल पुलिसिंग को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

एसएसपी ने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण, गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए मादक पदार्थों की बरामदगी बढ़ाने और तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। बैठक में बीट पुलिसिंग को मजबूत करने, ई-बीट बुक अपडेट रखने तथा ग्राम प्रधानों और स्थानीय लोगों से समन्वय बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही साइबर अपराधों पर सतर्कता बरतते हुए संबंधित पोर्टलों पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया। एसएसपी ने गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु सख्त चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

अल्मोड़ा में आयोजित अपराध गोष्ठी में मौजूद पुलिस कार्मिक।

ये रहे मौजूद : एएसपी हरबंस सिंह, सीओ बलवंत सिंह रावत, सीओ विमल प्रसाद, सीओ दूरसंचार राजीव टम्टा, सीएफओ नरेंद्र सिंह कुंवर, प्रतिसार निरीक्षक रमेश चंद्र, प्रभारी निरीक्षक योगेश चंद्र उपाध्याय, निरीक्षक अशोक धनकड़ (वाचक), प्रभारी निरीक्षक जानकी भंडारी, यातायात प्रभारी दरबान सिंह मेहता, निरीक्षक मनोज भारद्वाज, निरीक्षक दूरसंचार उमाशंकर पांडे, पीआरओ व प्रभारी साइबर सैल राहुल राठी, मदन मोहन जोशी, अशोक कुमार, भुवन जोशी, देवेंद्र सिंह नेगी, अजेन्द्र प्रसाद, सुनील सिंह बिष्ट, प्रमोद पाठक, कश्मीर सिंह, अवनीश कुमार, मीना आर्या, कमित जोशी, महेश कश्यप, मोहित कुमार, बरखा कन्याल, हीरा सिंह, पूरन रावत आदि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

सम्मेलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 26 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विगत माह सोमेश्वर क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के दौरान घायलों को त्वरित राहत पहुंचाने वाले हेड कांस्टेबल त्रिलोक सिंह तथा एसओजी के कांस्टेबल राजेश भट्ट को "पुलिस ऑफिसर ऑफ द मंथ" चुना गया। राजेश भट्ट ने स्मैक और गांजा बरामदगी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अल्मोड़ा बाजार कमला ना मार...

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सांस्कृतिक नगरी में दर्शन उत्सव के तहत कार्यक्रम जारी है। सोमवार को नगर के कर्नाटखोला में दर्शन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने अपनी लोक संस्कृति की मनमोहक प्रस्तुतियां दी।

रामलीला मंच में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और असम की सांस्कृतिक झलकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उत्तराखंड की पारंपरिक छपेली और गढ़वाली नृत्य ने स्थानीय संस्कृति को जीवंत किया। वहीं, उत्तर-प्रदेश की नृत्य नाटिका ने शानदार प्रस्तुतिकरण किया। हरियाणा के कलाकारों ने फाग और पनिहारी लोकनृत्य पेश किए। असम के कलाकारों ने बिहू नृत्य से पूरे माहौल में उत्सव का रंग भर दिया। इसके अलावा लोक गायिका माया उपाध्याय ने अल्मोड़ा बाजार कमला ना मार लटका... के साथ ही कुमाऊनी-गढवाली गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों को झूमने में मजबूर कर दिया। इस मौके पर यहां पूर्व दर्जा राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक, मेयर अजय वर्मा, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान, कैलाश शर्मा, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री गोविंद पिलख्वाल, ललित लटवाल, रवि रौतेला, कुंदन लटवाल, प्रदीप मेहता, जगदीश नगरकोटी, श्वेता उपाध्याय, भूपेंद्र भोज, गौरव कांडपाल, दिनेश मठपाल, लीलाधर कांडपाल, रमेश जोशी, कैलाश तिवारी, मदन मोहन कर्नाटक, ललित कर्नाटक रहे।

अल्मोड़ा के कर्नाटक खोला में दर्शन उत्सव कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार।

वीर माता लक्ष्मी देवी का निधन, क्षेत्र में शोक

संवाददाता, बनबसा

● कारगिल शहीद नायक खीम सिंह कुंवर (सेना मेडल) की माता थीं लक्ष्मी देवी

अमृत विचार: कारगिल युद्ध में शहीद हुए नायक खीम सिंह कुंवर (सेना मेडल) की माता लक्ष्मी देवी का रविवार देर शाम निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। बड़ा संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

लक्ष्मी देवी। (फाइल)

ग्राम सभा पाचपकरिया निवासी लक्ष्मी देवी का अंतिम संस्कार सोमवार सुबह 10 बजे शारदा घाट, बनबसा में किया गया। उन्हें मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र राजेंद्र सिंह कुंवर और कनिष्ठ पुत्र किशन सिंह कुंवर (पूर्व सैनिक) ने दी। वीर माता के निधन पर गौरव सेनानी कल्याण समिति और पूर्व सैनिक संगठन बनबसा-टनकपुर ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि लक्ष्मी देवी के पुत्र नायक खीम सिंह कुंवर कारगिल युद्ध में दुश्मनों से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। उनकी वीरता के लिए भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत सेना मेडल से सम्मानित किया था।

एनएसएस शिविर में हुए विभिन्न कार्यक्रम

रानीखेत: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत के अधीन खिरखेत इंटर कॉलेज में आयोजित सात दिवसीय विशेष राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस शिविर के द्वितीय दिवस पर कार्यक्रम ने स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता, दिव्यांग सशक्तिकरण और बौद्धिक प्रेरणा के अद्वितीय समन्वय का प्रस्तुतीकरण किया। स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति में स्वयंसेवकों ने सामुदायिक एकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने खिरखेत गांव में स्थित पारंपरिक नौला प्राकृतिक जल स्रोत की सफाई हेतु विशेष अभियान संचालित किया। अभियान के अंतर्गत जल निकासी में सुधार, कचरा प्रबंधन तथा आसपास के क्षेत्र की सफाई सुनिश्चित की गई।

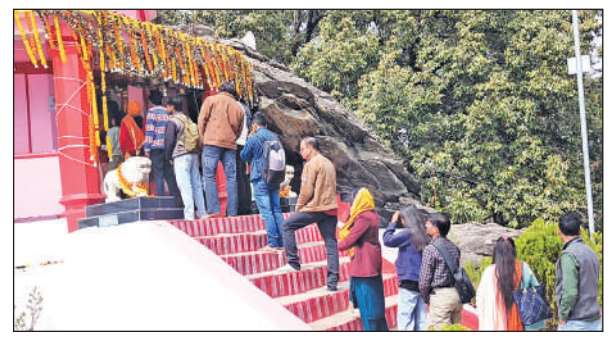

अल्मोड़ा के मंदिरों में पूजा पाठ को श्रद्धालुओं को तांता लगा रहा। ● अमृत विचार

अल्मोड़ा में विधि-विधान से हुई स्कंदमाता की पूजा

अल्मोड़ा : चैत्र नवरात्र के पंचम दिवस स्कंदमाता की पूजा विधि-विधान पूर्वक की गई। इस अवसर पर मां की आराधना में भक्त लीन रहे और मंदिरों में माता के दर्शन को लोगों की भीड़ रही। सोमवार को दिन भर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मां के भक्तों ने उपवास रख कर मंदिरों और घरों में सुंदरकांड, दुर्गा देवी पाठ व भजन कीर्तन किए। त्रिपुरा सुंदरी, नंदादेवी, जाखनदेवी, पातालदेवी, बानड़ीदेवी, कसारदेवी, उल्का देवी, स्याहीदेवी, मनसा देवी, दूनागिरी मंदिर, चितई, रघुनाथ मंदिर, देवी मंदिर खत्याड़ी, वन देवी मंदिर आदि मंदिरों में लोगों का तांता लगा रहा है। उधर, चौखुटिया, द्वाराहाट, भिकियासैंण समेत धौलछीना के विमल कोट मंदिर में माता के दर्शन को श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। वहीं, स्याही देवी मंदिर में कथा व्यास ने वेद और व्यास की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने नन्दिनी गाय, वरिष्ठ और शांतनु से जूड़े वृतांत भी श्रद्धालुओं को सुनाए। मौके पर भजन कीर्तनों का भी आयोजन हुआ।

हालात | नगर में अधिकांश रेस्टोरेंटों में सीमित हुई डिश, सिलेंडरों की किल्लत का रेस्टोरेंटों पर पड़ने लगा असर

कमर्शियल गैस की कमी के कारण मेन्यू से कई डिश गायब

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: शहर के रेस्टोरेंटों में चाइनिज, चिकन और पनीर के शौकीनों को इन दिनों मायूसी झेलनी पड़ रही है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी के कारण कई रेस्टोरेंट संचालकों ने अपने मेन्यू से कई व्यंजन हटा दिए हैं। कहीं, चाइनीज डिश बनना बंद हो गई है तो कहीं चिकन-पनीर की सीमित डिश ही ग्राहकों को मिल रही हैं।

शहर में पिछले कुछ वर्षों में कई रेस्टोरेंट खुले हैं और बड़ी संख्या में लोग यहां भोजन करना पसंद करते हैं। लेकिन खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के कारण सिलेंडरों की किल्लत बढ़ गई है, जिसका असर रेस्टोरेंटों पर दिखने लगा है। अल्मोड़ा मालरोड स्थित बैठक रेस्टोरेंट के संचालक के राहुल कांडपाल ने बताया कि स्थिति को देखते हुए चाइनिज डिश बंद करनी पड़ी है। वहीं, हिमाल कैफे के संचालक पुष्कर सिंह चौहान का कहना है कि कर्मचारियों का भोजन बनाना भी मुश्किल हो रहा है, इसलिए चिकन-पनीर के कई व्यंजन मैन्यू से हटा दिए गए हैं।

अल्मोड़ा में सोमवार को माल रोड के पास सिलेंडरों के लिए लगी लोगों की भीड़।

एजेंसी में बुकिंग की सुविधा मिलने से राहत : स्थानीय स्तर पर रसोई गैस बुकिंग की सुविधा मिलने से लोगों को राहत मिली है। सोमवार को लोगों ने एजेंसी में गैस बुकिंग कर सिलेंडर रिफिल कराए। उपभोक्ता अमित बिष्ट और नीलम जोशी ने बताया कि पहले बुकिंग बड़ी समस्या थी, लेकिन अब राहत मिली है।

गैस को उमड़ी भीड़

रसोई गैस रिफिल के लिए सोमवार को नगर के मालरोड के पास लोगों की भीड़ उमड़ी रही। उपभोक्ता सभी काम छोड़ सुबह से लाइन में लगे रहे। चौघानपाटा गैस एंजेसी के प्रबंधक मुकेश जलाल ने बताया कि मैदानी क्षेत्रों से आए वाहन से सभी उपभोक्ताओं को सिलेंडर बांटे गए। उन्होंने बताया कि घूरेलू गैस सिलेंडर प्रर्याप्त मात्रा में है। सभी को गैस सिलेंडरों की स्पोट डिलिवरी की जा रही है।

लोहाघाट में स्टेशन बाजार में प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

रसोई गैस किल्लत पर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

लोहाघाट : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रसोई गैस सिलिंडर की कमी और इसके बढते दामों पर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार का पुतला फूंककर लोगों को राहत देने की मांग उठाई। सोमवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष चिराग फर्त्याल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने वीर कालू सिंह माहरा चौक के सामने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर पुतला फूंका। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने रसोई गैस की कमी करके और सिलिंडर के दाम बढाकर लोगों को परेशान करके रख दिया है। उन्होंने कहा रसोई गैस सिलिंडर मिलने की आस में लोग दिन भर लाइन में खड़े रह रहे हैं। गैस न मिलने से कई होटल ढाबे भी भी बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस आमजन की समस्या को लेकर प्रदर्शन करते रहेगी। इस दौरान शैलेन्द्र राय, लोकेश पांडेय, जीवन बिष्ट, सुरेश ढेक, सरदार सिंह देव, रोहन सिंह माहरा, पवन ढेक, प्रदीप ढेक, सोनम बोहरा, अंशु अधिकारी, करन बिष्ट, प्रमोद मुरारी रहे।

मां पूर्णागिरि मार्ग से हटाया जा रहा मलबा

टनकपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मेला क्षेत्र के बटनागाड़ पर पड़े बोल्डरों एवं मलबे को हटाने का कार्य शुरू हो गया है।

लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता लक्ष्मण सामंत ने बताया जिलाधिकारी मनीष कुमार ने निर्देश पर पूर्णागिरि मार्ग के बटनागाड़ से अब तक लगभग 100 मीटर सड़क क्षेत्र में जमा बड़े बोल्डरों एवं मलबे को हटा लिया गया है। साथ ही सड़क को सुचारू एवं सुरक्षित बनाने के लिए सड़क स्तर से मलबे को नीचे करने (लोअरिंग) का कार्य निरंतर प्रगति पर है, जिससे मार्ग की स्थिति में सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि कुल लगभग 500 मीटर सड़क क्षेत्र में बोल्डर हटाने एवं मार्ग को व्यवस्थित करने का कार्य किया जाना है, जिसे चरणबद्ध रूप से तेजी के साथ पूरा किया जा रहा है।

ज्ञान को केवल दिमाग से प्राप्त नहीं किया जा सकता है, इसे अनुभव से भी प्राप्त किया जाना चाहिए।

ओशो, दार्शनिक

संकट विकट निकट है

तेल, गैस आपूर्ति के सुचारु रहने के आश्वासनों तथा सामान्य पेट्रोल, डीजल के दामों में बढ़ोतरी को कुशलतापूर्वक थामे रहने के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि विकट संकट निकट आता दिख रहा है। पश्चिमी एशिया में तनाव और युद्ध का चौथा सप्ताह शुरू हो चुका है और युद्ध की तीव्रता मंद पड़ने की बजाय और भी तीव्रतर होती जा रही है। चौथे हफ्ते की शुरुआत ईरान द्वारा इजराइल पर भीषण हमले के जवाब से हुई, जो इजराइल के उसके परमाणु संयंत्र पर आक्रमण का प्रत्युत्तर था। उधर अमेरिका ने धमकी दी है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला गया, तो वह ईरान के तमाम ऊर्जा संयंत्रों, पावर प्लांट को तबाह कर देगा। जवाब में ईरान ने भी अमेरिका को खाड़ी के देशों में उनके खारे पानी को पीने योग्य बनाने वाले संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। हजारों किलोमीटर दूर डियागो गार्सिया पर ईरानी मिसाइल हमले के बाद यूरोप भी खौफजदा है, उसे लगता है कि लंदन और बर्लिन भी उसके निशाने पर आ सकते हैं। ब्रिटेन की परमाणु संचालित पनडुब्बी के अरब सागर में उतरने के बाद अब ब्रिटेन भी युद्ध में शामिल हो चुका है। ये सभी ऐसे संकेत हैं, जिससे लगता है कि शायद जंग जल्द खत्म नहीं होगी।

इस बीच डैम कैपिटल एडवाइजर्स की रिपोर्ट की चेतावनी चिंता बढ़ाने वाली है कि खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और आशंकित व्यवधानों के चलते दुनिया के कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट खड़ा हो सकता है। यह संकट यदि दो महीने और चला तो भारतीय अर्थव्यवस्था व्यापक मंदी की शिकार हो सकती है। रिपोर्ट में व्यक्त यह चिंता वाकई काबिले गौर है कि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं तथा होर्मुज जलडमरूमध्य इसी तरह बाधित रहा, तो देश का राजकोषीय घाटा बुरी तरह बढ़ेगा और सल्फर, हिलियम, मेथेनॉल,एल्यूमीनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होगी। रसायन, सेमीकंडक्टर तथा उर्वरक निर्माण उद्योग को गहरा धक्का लगेगा। साथ ही कृषि एवं खाद्य सुरक्षा पर भी बहुत बुरा असर दिखेगा। आम उपभोक्ता वस्तुओं के दाम भी बढ़ेंगे। तेल कीमतों की उछाल को नियंत्रित करने के लिए ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन द्वारा पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत एथेनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश और इसे तीस फीसदी तक पहुंचाने की बात हो अथवा एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों और कुकिंग स्टोव के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक करना, इस आसन्न संकट से निपटने के बहुत ठोस उपाय नहीं हैं और न ही अमेरिका से एलपीजी तथा रूस से कच्चे तेल लिए भारत पहुंचने वाले कुछ जहाज। अच्छी बात यह है कि भारत सरकार इस संकट के पूर्वानुमानों को लेकर सतर्क है। मंत्रालय ने कच्चे तेल की आपूर्ति के विकल्पों की तरफ देखा है और प्रधानमंत्री ने इस बात की सख्त ताकीद की है कि कालाबाजारी और जमाखोरी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार ने गैस परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने के साथ ही उपभोक्ताओं और उद्योगों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने के संकेत दिए। उम्मीद है यह सतर्कता संकट समाधान का स्थायी कारक बनेगी।

युद्ध की तपिश से भारत भी सशंकित

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

अपनी जरूरत का करीब 89 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करने वाला भारत क्या इससे यथाशीघ्र उबर पाएगा? यक्ष प्रश्न यह भी कि संकट की इस घड़ी में सरकार के साथ प्रत्येक भारतीय अपनी जिम्मेदारी को क्या बखूबी निभा रहा है?

अमेरिका व इजराइल का ईरान के साथ युद्ध अब भयावह हो चला है। विगत 28 फरवरी से ही वे एक दूसरे के सैन्य ठिकानों पर बम बरसा रहे हैं। युद्ध से तीनों देशों के धन-जन को काफी क्षति भी पहुंच रही है। इसकी विभीषिका का प्रभाव विश्व की समेकित ऊर्जा पर पड़ता दिख रहा है। इसके प्रत्यक्ष असर से भारत भी अछूता नहीं है। कच्चे तेल व एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) का एक बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भारत के समुद्र तटीय क्षेत्रों में बड़े जहाजों से आता है। होर्मुज ईरान व ओमान के मध्य स्थित करीब 33 किमी का महत्वपूर्ण संकरा समुद्री गलियारा दुनिया के करीब 25 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल व प्राकृतिक गैस के निर्यात का प्रमुख मार्ग है। वर्तमान में भारत के करीब 24 जहाज वहां फंसे हुए हैं। एलपीजी व कच्चे तेल से लदे उक्त जहाज यदि जल्द नहीं आएं तो यहां के विनिर्माण, परिवहन, खाद्य उत्पादन के अलावा ऊर्जा क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ना तय। यहां वस्तुओं की कीमतें तो प्रभावित होंगी ही, उत्पादन व रोजगार पर भी खासा प्रभाव पड़ेगा।

अपनी जरूरत का करीब 89 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करने वाला भारत क्या इससे यथाशीघ्र उबर पाएगा? यक्ष प्रश्न यह भी कि संकट की इस घड़ी में सरकार के साथ प्रत्येक भारतीय अपनी जिम्मेदारी को क्या बखूबी निभा रहा है? अमेरिका की दादागिरी ने समूचे विश्व के आर्थिक तंत्र को झकझोर कर रख दिया है। करीब साढ़े 11 हजार किमी दूर ईरान से भला अमेरिका को किस बात का खतरा है कि वह इजराइल के साथ मिलकर उसे नेस्तनाबूद करने को युद्ध कर रहा? इसे गहराई से जानने के लिए अमेरिका का वेनेजुएला के कच्चे तेल भंडारों पर कब्जा तथा ग्रीनलैंड को हथियाने की उसकी मंशा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अमेरिका द्वारा खेला जा रहा तेल का खेल वास्तव में वैश्विक बाजार पर आधिपत्य का ही है। ईरान पर उसका हमला मध्य-एशिया में अमेरिकी प्रभाव में वृद्धि का ही है। ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम को इस युद्ध ने कमजोर करने का काम किया है। क्योंकि कच्चे तेल से निर्मित पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यात में भारत का स्थान विश्व में चौथा है। यदि इसे सुचारु रूप से कच्चा तेल नहीं मिल पाएगा, तो हमारी रिफाइनरियों का क्या होगा? तेज रफ्तार से बढ़ती हमारी अर्थव्यवस्था क्या गतिमान रह पाएगी? यह आने वाला समय ही बता पाएगा।

हमारे देश के लोग बिना कुछ सोचे-समझे राशनिंग को ढाल बनाने लगते हैं। सामान्य दिनों में यहां एलपीजी की औसत बुकिंग करीब 55 लाख सिलेंडर प्रतिदिन है, लेकिन कुछ गत कुछ दिनों में बुकिंग बढ़कर करीब 76 लाख सिलेंडर प्रतिदिन हो गई। आपदा में अवसर ढूंढने वाले स्वार्थी किस्म के लोगों को क्या यह नहीं समझना चाहिए कि कच्चा तेल और एलपीजी भारत बड़े पैमाने पर आयात करता है? कालाबाजारी से तो उसके ही बंधु-बांधव प्रभावित होंगे। देश में करीब 25 हजार गैस वितरक हैं। जाहिर है, इसमें कुछ राशनिंग को बढ़ावा देने वालों को लाभ देते हों, लेकिन संकटकाल के इस दौर में उन्हें भी ईमानदारी और पारदर्शिता दिखानी होगी। उक्त ईंधनों के असमान वितरण तथा पैनिक पैटर्न से हमें बचना ही होगा।

आम भारतीयों की सुविधा के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गत दिनों नियमित आवंटन से इतर करीब 48 हजार किलोलीटर अतिरिक्त केरोसीन का आवंटन कर दिया है। अपनी भूमिका को और सक्रिय करते हुए भारत सरकार के वन मंत्रालय और कोयला मंत्रालय ने भी चुनौती से निपटने को कमर कस ली है। युद्ध की विभीषिका के मध्य सरकार व प्रत्येक भारतीय को गंभीरतापूर्वक समझना होगा कि कच्चे तेल व एलपीजी का हमारे यहां विकल्प क्या हो सकता है? क्योंकि भारत में दोनों ईंधन बहुतायत में आयात किया जाता है। आत्मनिर्भर होकर अपनी ऊर्जा संप्रभुता की सुलभ राह खोजनी होगी। उक्त राह हमारे खेतों, गोशालाओं व हमारी उस परंपरा में छिपी है, जिसे हमने आधुनिकता की आड़ में पीछे धकेल दिया है। हमें अपने उपलब्ध पशुधन का उपयोग कर प्रतिवर्ष 60 हजार करोड़ रुपये का जीवाश्म ईंधन बचाना होगा। आंकडे बताते हैं कि देश के पशुधन में 21,924 अरब किलोवाट ऊर्जा प्रतिवर्ष उत्पन्न करने की क्षमता है। अफसोसजनक यह कि हम उसका केवल 25 प्रतिशत भाग ही उपयोग कर पा रहे हैं।

यह भी जान लें कि एक देसी बैल की जोड़ी प्रतिवर्ष 247 लीटर डीजल का स्थान लेती है। पशु अपशिष्ट व कृषि अवशेषों से बायोगैस के रूप में तीन हजार से अधिक टेराजूल प्रतिदिन ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है, जो देश के 55 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति करने में सक्षम है। भारत के करीब 65 प्रतिशत घरों में भोजन बनाने को लकड़ी व उपलों का प्रयोग आज भी किया जाता है। हमारे लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि ऊर्जा की असली सुरक्षा किसी आयात समझौते में नहीं, अपितु अपनी मिट्टी, पेड़-पौधे, जीव-जंतु और अपने पशुधन में है। अपेक्षा यह है कि हम उस 75 प्रतिशत ऊर्जा क्षमता को पहचानें और तेल संपन्न देशों की निर्भरता से पार पाएं। हमें बायोगैस संयंत्रों का भी विस्तार करना होगा। हमें किसानों में भी विश्वास भरना होगा कि भारत की ऊर्जा संप्रभुता उसके अपने खेतों में ही है। युद्ध ने हमें सशंकित तो किया है, तो आ अब लौट चलें... की तर्ज पर हम अपनी परंपरागत ऊर्जा का पूर्व की भांति उत्पादन करें। इसका संरक्षण कर आत्मनिर्भर बनें। ऐसा कर लेने के पश्चात न तो हम अमेरिका, रूस, ईरान पर निर्भर रहेंगे न ही वैश्विक युद्ध से सशंकित।

आमने

भाजपा चुनाव आयोग के माध्यम से कितनी भी बाधाएं लगाए, कुछ भी कर ले, लेकिन पश्चिम बंगाल की जनता पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार को ही चुनेगी। पश्चिम बंगाल में हर स्तर पर ममता बनर्जी ने काम किया है। ऐसे में ममता की ही सरकार वहां फिर से बनेगी।

-अखिलेश यादव,
पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

अखिलेश यादव तो बिहार में तेजस्वी यादव को भी जिता रहे थे और अब वैसे ही वे पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को जिता रहे हैं। जिस तरह अखिलेश यादव के प्रचार के कारण तेजस्वी यादव हारे थे, अब वैसे ही ममता बनर्जी भी चुनाव हारेंगी।

-केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

युद्ध के बीच भारत में ऊर्जा आपूर्ति पर्याप्त व सुरक्षित

राजीव जैन

पूर्व महानिदेशक पीआईबी, नई दिल्ली

कई देशों को आपूर्ति संकट और कीमतों के झटके झेलने पड़े हैं, लेकिन भारत ने समय रहते अपने आयात स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखला को पुनर्संतुलित किया।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बाधाओं ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को गहरे संकट में डाल दिया है। यह वही समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। हालात इतने गंभीर हैं कि एशिया के कई देशों में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है, क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है और उसका एक बड़ा भाग इसी मार्ग से आता है। इसके बावजूद, भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता व्यापक स्तर पर सामान्य बनी हुई है। यह स्थिति किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, सक्रिय कूटनीति और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के कुशल प्रबंधन का परिणाम है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव के कारण तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है।

कई देशों को आपूर्ति संकट और कीमतों के झटके झेलने पड़े हैं, लेकिन भारत ने समय रहते अपने आयात स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखला को पुनर्संतुलित किया। सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में ऊर्जा आपूर्ति "पर्याप्त और सुरक्षित" है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। भारत की ऊर्जा नीति का सबसे मजबूत आधार है स्रोतों का विविधीकरण। आज हमारा देश केवल खाड़ी देशों पर निर्भर नहीं है, बल्कि रूस, अमेरिका, ब्राजील और अफ्रीका के कई देशों से तेल आयात कर रहा है। हाल के घटनाक्रम में यह भी देखा गया कि रूस और अन्य वैकल्पिक स्रोतों से आयात बढ़ाकर भारत ने आपूर्ति संतुलन बनाए रखा। सरकार के प्रयासों से अब लगभग 70 प्रतिशत कच्चे तेल का आयात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बाहर के मार्गों से किया जा रहा है, जिससे जोखिम काफी कम हुआ है। मजबूत भंडार और मजबूत रिफाइनिंग क्षमता के कारण भारत ने इस संकट से पहले ही अपनी रणनीतिक तैयारी मजबूत कर ली थी। देश के पास कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं, जो अल्पकालिक झटकों को संभालने में सक्षम हैं। साथ ही, भारत की मजबूत रिफाइनिंग क्षमता जो दुनिया में अग्रणी है, घरेलू मांग को पूरा करने के साथ अतिरिक्त उत्पादन की भी क्षमता रखती है। संकट के दौरान सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें तेल कंपनियों को घरेलू मांग को प्राथमिकता देने के निर्देश, रिफाइनरियों को अधिकतम उत्पादन बढ़ाने के आदेश के अलावा एलपीजी आपूर्ति को घरेलू उपयोग के लिए प्राथमिकता देना तथा रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए डेटा साझा करने की व्यवस्था की गई है। इन कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि संकट का असर आम नागरिक तक न्यूनतम पहुंचे। रसोई गैस की कोई परेशानी आम आदमी को कतई न होने पाए इसका व्यापक प्रबंध किया गया है।

पीएम मोदी ने गत दिनों कहा भी था कि भारत में एलपीजी की स्थिति को लेकर दहशत फैलाने वालों से देशवासियों को सतर्क रहना चाहिए। झूठी सूचना फैलाने वाले न केवल जनता के सामने अपनी पोल खोल रहे हैं, बल्कि देश को भी नुकसान पहुंचाने की भी कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य सरकारों से अनुरोध किया है कि वे ऐसे समय में कालाबाजारियों और जमाखोरों को रोकने के लिए अपनी निगरानी सख्त कर दें। इसी बीच सरकार की ओर से घोषणा की गई है कि राज्यों को एलपीजी के विकल्प के रूप में 48 हजार किलोलीटर अतिरिक्त केरोसिन आवंटित कर दिया गया है। शहरी क्षेत्रों के लिए दो एलपीजी सिलेंडर बुक करने के बीच की अंतरिम अवधि 25 दिन ही रहेगी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए इसे बढ़ाकर 45 दिन कर दिया गया है। एलपीजी के मोर्चे पर स्थिति सबसे चुनौतीपूर्ण रही, क्योंकि भारत अपनी बड़ी आवश्यकता आयात से पूरी करता है। फिर भी सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी, औद्योगिक उपयोग में अस्थायी कटौती की और वैकल्पिक आयात बढ़ाकर आपूर्ति संतुलित रखी। मूल्य स्थिरता से आम उपभोक्ता को राहत दी गई है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद भारत में कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया गया। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ा। पीएम मोदी ने बार-बार स्पष्ट किया है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है।

इसी दृष्टिकोण के तहत भारत ने तीन प्रमुख स्तंभों पर काम किया। पहला, आपूर्ति का विविधीकरण, दूसरा रणनीतिक भंडारण तथा तीसरा वैकल्पिक ऊर्जा इथेनॉल व गैस आधारित वैकल्पिक ऊर्जा की व्यवस्था। जब दुनिया के कई देश ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं, भारत ने संतुलित नीति, समयबद्ध निर्णय और मजबूत प्रशासनिक समन्वय के जरिए स्थिति को संभाला है। उक्त उदाहरण दर्शाते हैं कि यदि नेतृत्व स्पष्ट हो, नीति दूरदर्शी हो और निर्णय समय पर लिए जाएं, तो सबसे बड़ी वैश्विक चुनौतियों को भी प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने यह सिद्ध किया है कि संकट के समय भी आम नागरिक का हित सर्वोच्च प्राथमिकता रह सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

प्रसंगवश

टीबी: 2026 में भी सिस्टम के लिए चुनौती

ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) आज भी समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। सरकार लगातार नए इनोवेशन, दवा रेजीमेन और प्रोटोकॉल के जरिए ज्यादा से ज्यादा संक्रमित लोगों तक बेहतर इलाज पहुंचाने की कोशिश कर रही है। इसके बावजूद, वर्ष 2030 के टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य को कई स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान को दोबारा शुरू किए जाने के बाद भी सिस्टमिक और सामाजिक बाधाएं बनी हुई हैं, खासकर 2025 के लक्ष्य से पीछे रह जाने के बाद। ज्यादा मरीजों वाले जिलों में व्यापक स्क्रीनिंग की आवश्यकता साफ दिखाई देती है। दूर-दराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुंच के कारण डायग्नोसिस में देरी होती है, जिससे संक्रमण का फैलाव बढ़ता है। वहीं, प्राइवेट सेक्टर में कम रिपोर्टिंग भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि कई मरीज सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के दायरे में आ ही नहीं पाते।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद

वाइस चेयरमैन नेशनल टीबी टास्क फोर्स

सामाजिक और आर्थिक कारक भी टीबी के प्रसार में अहम भूमिका निभाते हैं। कुपोषण, गरीबी व भीड़भाड़ जैसी परिस्थितियां, खासकर प्रवासी मजदूरों और कमजोर वर्गों में इस बीमारी को बढ़ावा देती हैं। इन चुनौतियों के बीच, पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। यह बदलाव केवल नई योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि टीबी को समझने और उससे निपटने के तरीके में परिवर्तन को दर्शाता है। घर-घर जाकर जांच, कमजोर वर्गों की पहचान व फ्रंटलाइन वर्कर्स की सक्रिय भागीदारी से मरीजों की समय पर पहचान संभव हो रही है। इसका परिणाम यह रहा कि वर्ष 2025 में 6.90 लाख टीबी मरीजों की पहचान की गई, जो निर्धारित लक्ष्य 6.75 लाख से अधिक है। डायग्नोसिस और उपचार में तकनीकी प्रगति ने इस अभियान को और मजबूती दी है। एआई आधारित पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें दूरस्थ क्षेत्रों में संदिग्ध मरीजों की तुरंत पहचान कर रही हैं। मॉलिक्यूलर टेस्टिंग से जांच की सटीकता बढ़ी है, जबकि ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी के लिए छोटे और पूरी तरह मौखिक इलाज ने उपचार अवधि को लगभग दो साल से घटाकर 6-9 महीने कर दिया है। इससे मरीजों में इलाज का पालन बेहतर हुआ है और मृत्यु दर में कमी आई है। प्रिवेंटिव थेरेपी का विस्तार भी खासकर उच्च जोखिम समूहों में संक्रमण को रोकने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

उत्तर प्रदेश में अब तक 1.83 लाख से अधिक निक्षय मित्र पंजीकृत हो चुके हैं। बुलंदशहर जैसे जिलों में संस्थाओं द्वारा सभी टीबी मरीजों को गोद लेने जैसी पहलें भी सामने आई हैं। ग्राम स्तर पर भी व्यापक भागीदारी देखने को मिल रही है। 20,000 से अधिक ग्राम प्रधानों ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान में योगदान दिया है और हजारों पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। मोबाइल डायग्नोस्टिक वैन, हैंडहेल्ड एक्स-रे और एआई तकनीक के उपयोग से दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। साथ ही, नियमित वल्नरेबिलिटी मैपिंग और एक्टिव केस फाइंडिंग से जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर समय रहते कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2030 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब स्वास्थ्य शिक्षा पर और अधिक जोर देना आवश्यक है। लोगों में जागरूकता बढ़ाकर ही टीबी के प्रति भय और कलंक को खत्म किया जा सकता है। साथ ही, जांच के लिए आवश्यक रीएजेंट और दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। सामुदायिक भागीदारी, तकनीकी नवाचार और मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के संयुक्त प्रयासों से ही भारत को टीबी मुक्त बनाने का सपना साकार हो सकता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

युद्ध का परिणाम

युद्ध जीवन और प्रकृति का विनाश कर रहा है, चारों ओर आग की लपटें और धुआं हैं, चारों ओर हाहाकार हो रहा है, लेकिन तृष्णा का अंत अभी भी नहीं दिख रहा है, संसार के नेता टुकुर-टुकुर देख रहे हैं, विश्वजनमत सो रहा है, संयुक्त राष्ट्र की भावना मूर्च्छित है। सभ्यता हार रही है और बर्बरता जीत रही है। विवेक सो रहा है और अविवेक का नशा सिर पर चढ़ गया है। महायुद्ध नहीं है, किंतु जो विध्वंस प्रतिदिन हो रहा है, वह कुछ कम नहीं है। यह कहीं पर से भी विश्व के कल्याण के लिए सही नहीं ठहराया जा सकता है।

डॉ. राजेन्द्र रंजन चतुर्वेदी

वरिष्ठ लेखक

यह सब जो हो रहा है, वह एकाएक नहीं हो रहा है, इसका कारण संसार की वह राजनीति है, जो अभी तक अंदर ही अंदर चल रही थी और अभी भी चल रही है, यह अंदर ही अंदर सुलगने वाली उस राजनीति का विस्फोट है। भले ही वह मजहबी उन्माद की राजनीति हो या आर्थिक साम्राज्यवाद की राजनीति हो। मजहबी आतंक कट्टरता और संकीर्णता की संतान है, तो बाजारवाद, आर्थिक साम्राज्यवाद का आतंक तृष्णा और प्रभुता का विस्फोट है, वह इंसान और प्रकृति दोनों एको कच्चा माल समझता है। अभिमान का कैसा मद है कि वह कह रहा है कि इस देश का नाम दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे। पर्यावरण प्रदूषण का संकट इसी अविवेक और जड़ता का परिणाम है, जिसकी वजह से जलवायु परिवर्तन देखने को मिल रहा है। राजनीति का पतन हुआ है कि वह दायरों को देख रही है, किंतु मनुष्य को नहीं देख पा रही है। दुष्ट प्रकृति के लोग युद्ध में भी व्यक्तिगत स्वार्थ या लाभ देख रहे हैं। वे लोग युद्ध से भी मुनाफा कमाएंगे। यदि ऐसा न होता, तो शायद युद्ध ही न होता और यदि युद्ध होता, तो अब तक युद्ध के विरुद्ध जनमत खड़ा हो जाता।

यह सही है कि तकनीकी और विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है, मौसम की सटीक भविष्यवाणी प्रतिदिन आ जाती है, अब कोई तकनीकी और विज्ञान संसार के राजनेताओं को इस युद्ध का परिणाम समझा सके तो बहुत अच्छी बात होगी। युद्ध में हारने वाला तो हारेगा ही, जीतने वाला भी हारेगा, किंतु सबसे बड़ी हार तो मनुष्य और मनुष्यता की होगी। सामान्य जन की जिंदगी और अधिक कठिन हो जाएगी।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

वैश्विक शक्ति के रूप में उभरता ईरान

अमेरिका और इजराइल के ईरान के विरुद्ध जारी युद्ध को 24 दिन पूरे हो चुके हैं। जैसे-जैसे यह संघर्ष आगे बढ़ रहा है, ईरान की शक्ति के विविध आयाम स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। इस जंग में ईरान कूटनीतिक, सैनिक, भू-राजनीतिक तथा तकनीकी स्तर पर अमेरिका और इजराइल की अपेक्षाओं के विपरीत अधिक प्रभावशाली दिखाई दे रहा है। अमेरिकी हवाई हमलों और बमबारी के जवाब में ईरान ने पूरे मध्य-पूर्व में अमेरिकी ठिकानों, तेल-गैस रिफाइनरियों और आधारभूत ढांचे को निशाना बनाया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ा है।

ईरान की आक्रामक सैन्य और मिसाइल क्षमता यह संकेत देती है कि उसके पास अत्याधुनिक हथियारों का भंडार और उन्नत तकनीक मौजूद है। उसकी मिसाइलों की मारक क्षमता लगातार बढ़ती दिख रही है। तेहरान से हजारों किलोमीटर दूर तक हमले की क्षमता प्रदर्शित कर उसने यह स्पष्ट किया है कि उसकी पहुंच यूरोप तक हो सकती है। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को चुनौती देने का संकेत भी है। रणनीतिक दृष्टि से होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान का सबसे बड़ा हथियार बनकर उभरा है। इस मार्ग पर उसकी पकड़ ने विश्व शक्तियों को यह अहसास कराया है कि ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख मार्गों पर नियंत्रण कितना निर्णायक हो सकता है। तेल और गैस के परिवहन में बाधा आने से अनेक देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है और इसका असर आम नागरिकों के दैनिक जीवन तक पहुंच रहा है।

बीना नयाल

शिक्षिका, हल्द्वानी

यह संघर्ष भले ही ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच है, लेकिन इसकी तपिश पूरी दुनिया महसूस कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और विभिन्न देशों के रुख से भी यह स्पष्ट है कि वे प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल होने से बचना चाहते हैं। कई राष्ट्र मध्यस्थता की भूमिका निभाने के लिए सक्रिय हैं, क्योंकि उनका प्राथमिक उद्देश्य ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। युद्ध के चलते ईरान अब एक मजबूत सौदेबाजी की स्थिति में पहुंचता दिखाई दे रहा है। उस पर लगे आर्थिक और सैन्य प्रतिबंधों को हटाने की दिशा में परिस्थितियां उसके पक्ष में बन रही हैं। साथ ही, तेल व्यापार को वैकल्पिक मुद्राओं में करने की उसकी रणनीति वैश्विक आर्थिक व्यवस्था, विशेषकर डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देती है। इससे अमेरिका की आर्थिक और कूटनीतिक स्थिति पर दबाव बढ़ सकता है। इस युद्ध ने यह भी दिखाया है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और मनोवैज्ञानिक शक्ति का भी होता है। लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और कई देशों की विकास यात्रा को पीछे धकेल सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में दोनों पक्षों का कठोर रुख युद्धविराम की संभावनाओं को जटिल बना रहा है। स्थिति यदि और बिगड़ती है, तो यह संघर्ष व्यापक और विनाशकारी रूप ले सकता है। ऐसे में केवल वही देश प्रभावी मध्यस्थ बन सकते हैं, जिनकी विदेश नीति संतुलित, विश्वसनीय और शांति पर आधारित रही है। यह युद्ध केवल भू-राजनीतिक वर्चस्व का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, रणनीतिक हितों और वैश्विक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकला, तो इसके परिणाम दूरगामी और अत्यंत गंभीर हो सकते हैं।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

मंदिर से जुड़ी कथा

धोपेश्वर नाथ मंदिर से जुड़ी एक अत्यंत भावनात्मक कथा केदार नाथ टंडन की भी है, जो आज भी भक्तों में श्रद्धा से सुनाई जाती है। वे एक साधारण मुनीम थे, जो प्रतिदिन मंदिर आकर भगवान शिव के समक्ष अपनी जीवन की कठिनाइयां रखते थे। एक दिन एक संत ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उनकी भक्ति शीघ्र ही उन्हें सामान्य जीवन से उठाकर समृद्धि के उच्च स्तर पर ले जाएगी। कुछ समय बाद उन्हें असम जाकर व्यापार प्रारंभ करने का अवसर मिला। वहां वे अत्यंत सफल हुए, किंतु समृद्धि के बीच भी उनका मन धोपेश्वर नाथ से जुड़ा रहा। वे प्रत्येक श्रावण मास में बरेली आकर दर्शन करते, दान देते, भंडारा कराते और अंतत: असम में भी धोपेश्वर नाथ नाम से शिवलिंग स्थापित कर मंदिर बनवाया। यह कथा आज भी इस मंदिर को "जीवन बदलने वाली कृपा" के रूप में प्रतिष्ठित करती है।

धोपेश्वर नाथ मंदिर

ऐतिहासिक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संगम

बरेली की आध्यात्मिक पहचान जिन कुछ प्राचीन तीर्थस्थलों से निर्मित होती है, उनमें धोपेश्वर नाथ मंदिर का स्थान अत्यंत विशिष्ट, प्राचीन और श्रद्धा से परिपूर्ण है। यह केवल एक शिव मंदिर नहीं, बल्कि समय, साधना, लोकआस्था, इतिहास और सांस्कृतिक निरंतरता का जीवंत केंद्र है। इस मंदिर के प्रांगण में प्रवेश करते ही एक ऐसा अनुभव होता है मानो अनेक शताब्दियों की आराधना आज भी वातावरण में स्पंदित हो रही हों। मंदिर की घंटियों की ध्वनि, शिवलिंग पर निरंतर चढ़ता जल, धूप की सुगंध, प्राचीन वृक्षों की छाया और भक्तों की मौन प्रार्थनाएं इस स्थल को एक अद्वितीय दिव्यता प्रदान करती हैं। धोपेश्वर नाथ केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि बरेली की आत्मा में बसने वाला वह आध्यात्मिक केंद्र है, जहां पीढ़ियां अपनी आशा, आस्था और भावनाएं समर्पित करती रही हैं।

डॉ .तनु जैन
सीईओ, बरेली छावनी

जीवित विश्वास का मंदिर

वर्तमान समय में स्थानीय प्रशासनिक दृष्टि से भी इस क्षेत्र के प्रति संवेदनशीलता बढ़ी है। डॉ. तनु जैन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बरेली छावनी, द्वारा आसपास के सांस्कृतिक और विरासत-संबद्ध स्थलों को गरिमा और स्वच्छता के साथ विकसित करने की दृष्टि इस व्यापक विरासत चेतना से जुड़ती है। यह समझ अत्यंत महत्वपूर्ण है कि किसी मंदिर की पवित्रता केवल उसके गर्भगृह तक सीमित नहीं होती, उसके आसपास का वातावरण, स्वच्छता, हरियाली और सार्वजनिक गरिमा भी उसकी आध्यात्मिक अनुभूति को गहरा करती है। धोपेश्वर नाथ मंदिर आज केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की जीवंत आस्था और भविष्य की सांस्कृतिक दिशा है। यहां द्रौपदी की मौन प्रार्थना की कल्पना है, ऋषियों की तपस्या है, नाथ संतों की साधना है, साधारण भक्तों की बदली हुई नियति है, प्राचीन मूर्तियों की मौन गवाही है और आधुनिक समय की नई आध्यात्मिक पुनर्स्थापना की संभावना है। जब कोई भक्त शिवलिंग के सामने खड़ा होकर जल अर्पित करता है, तब वह केवल पूजा नहीं करता- वह स्वयं को शताब्दियों पुरानी उस आस्था से जोड़ देता है, जो पीढ़ियों से यहां प्रवाहित हो रही है। यही धोपेश्वर नाथ की सबसे बड़ी शक्ति है। यह मंदिर केवल पत्थरों का नहीं, बल्कि जीवित विश्वास का मंदिर है।

पांचाल भूभाग का हिस्सा

स्थानीय परंपराओं और जनश्रुतियों के अनुसार इस मंदिर की पौराणिक जड़ें प्राचीन पांचाल राज्य से जुड़ी मानी जाती हैं। यह संपूर्ण क्षेत्र महाभारत कालीन पांचाल भूभाग का हिस्सा माना जाता है, जहां राजा द्रुपद का राज्य था और जहां से उनकी पुत्री द्रौपदी का गौरवशाली इतिहास जुड़ता है। लोकमान्यता है कि अपने जीवन के संघर्षपूर्ण समय में द्रौपदी ने इस क्षेत्र में स्थित शिवस्थलों पर भगवान शिव की उपासना की थी और धोपेश्वर नाथ में जल, पुष्प और श्रद्धा अर्पित कर अपने जीवन के लिए शक्ति, संरक्षण और न्याय की प्रार्थना की थी। यह कथा केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि स्त्री-शक्ति, धैर्य और आंतरिक सामर्थ्य का प्रतीक भी बन चुकी है। आज भी अनेक महिलाएं यहां आकर यह अनुभव करती हैं कि द्रौपदी की भांति यहां की प्रार्थना जीवन को संबल देती है। धोपेश्वर नाथ इस दृष्टि से वह स्थल बन जाता है, जहां शिव केवल देवता नहीं, बल्कि पीड़ा को सुनने वाले करुणामय साक्षी बन जाते हैं।

नाथ परंपरा

मंदिर की प्राचीनता को स्थानीय स्तर पर प्राप्त कुछ पुरातात्विक संकेत भी पुष्ट करते हैं। मंदिर परिसर और उसके आसपास समय-समय पर प्राचीन शिलाखंड, पुरानी मूर्तियों के अवशेष तथा पत्थर पर उत्कीर्ण आकृतियां प्राप्त होने की बातें स्थानीय लोगों द्वारा कही जाती रही हैं। इन अवशेषों की शैली यह संकेत देती है कि यह क्षेत्र संभवत: किसी प्राचीन मंदिर समूह अथवा आध्यात्मिक संरचना का भाग रहा होगा। यद्यपि इस क्षेत्र में व्यापक वैज्ञानिक उत्खनन सीमित है तथापि स्थानीय स्मृतियों में सुरक्षित ये पुरातात्विक चिह्न यह बताते हैं कि धोपेश्वर नाथ की आराधना केवल कुछ पीढ़ियों पुरानी नहीं, बल्कि अनेक कालखंडों को पार करती हुई वर्तमान तक पहुंची है। धोपेश्वर नाथ का महत्व केवल पौराणिक नहीं, बल्कि नाथ परंपरा के कारण भी अत्यंत विशिष्ट है। बरेली क्षेत्र लंबे समय से साधना, योग और तपस्या की भूमि माना जाता रहा है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यहां धूम्र ऋषि जैसे महात्माओं ने तप किया और बाद में उनके शिष्यों ने इस क्षेत्र को साधना-केंद्र के रूप में विकसित किया। जहां आज आर. एन. टैगोर इंटर कॉलेज स्थित है, उस क्षेत्र को भी कभी ऋषियों की तपोभूमि माना जाता है। कहा जाता है कि यहां आश्रम थे, जहां दूर-दूर से विद्यार्थी शिक्षा और अनुशासन ग्रहण करने आते थे। साधना और शिक्षा का यह अद्भुत संगम इस क्षेत्र को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाता है।

बाबा हरदेव तालाब

स्थानीय परंपरा में बाबा हरिहर देव का उल्लेख विशेष श्रद्धा से किया जाता है। कहा जाता है कि उन्होंने अपने गुरु की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यहां एक विशाल आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया। विद्यार्थियों के लिए तालाब बनवाया गया, जिसके चारों ओर 108 पीपल के वृक्ष लगाए गए। यह तालाब आज भी बाबा हरदेव तालाब के रूप में स्मृतियों में जीवित है। इसके आसपास आम, अमरूद, कटहल, जामुन, अंजीर, केला आदि के वृक्ष लगाए गए, जिससे यह क्षेत्र प्रकृति और आध्यात्मिकता का सुंदर संगम बन गया। यह बताता है कि यहां केवल पूजा नहीं होती थी, बल्कि जीवन को संतुलित, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने की व्यवस्था भी थी।

नाथ नगरी कॉरिडोर

वर्तमान समय में धोपेश्वर नाथ मंदिर बरेली के सबसे सक्रिय आध्यात्मिक केंद्रों में से एक है। महाशिवरात्रि और श्रावण मास में यहां विशाल जनसमूह उमड़ता है। भक्त दूर-दूर से गंगाजल लेकर आते हैं। मंदिर परिसर में "हर हर महादेव" की गूंज, शिव स्तुति, रुद्राभिषेक और भक्ति का प्रवाह वातावरण को अत्यंत दिव्य बना देता है। अनेक परिवार पीढ़ियों से यहां आकर अपने बच्चों को भी इस परंपरा से जोड़ते हैं। हाल के वर्षों में मंदिर का महत्व और अधिक बढ़ा है, क्योंकि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में अनेक प्राचीन धार्मिक स्थलों को समग्र विकास से जोड़ने का प्रयास हुआ है। इसी क्रम में बरेली के लिए नाथ नगरी कॉरिडोर की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण बनकर उभरी है। इस कॉरिडोर का उद्देश्य केवल मंदिर तक पहुंच बनाना नहीं, बल्कि नाथ परंपरा से जुड़े प्रमुख स्थलों, मंदिरों, प्राचीन तालाबों, मार्गों और सांस्कृतिक बिंदुओं को एक समग्र आध्यात्मिक धारा में जोड़ना है। नाथ नगरी कॉरिडोर के अंतर्गत धोपेश्वर नाथ मंदिर का विशेष स्थान माना जा रहा है, क्योंकि यह बरेली की प्राचीन शिव परंपरा का केंद्रीय स्थल है। यदि यह परियोजना पूर्ण रूप से विकसित होती है, तो मंदिर क्षेत्र में सौंदर्यीकरण, पारंपरिक शैली की प्रकाश व्यवस्था, तीर्थयात्री सुविधाएं, विरासत-उन्मुख मार्ग, सांस्कृतिक सूचना पट्ट और पर्यावरणीय संरक्षण जैसे अनेक कार्य संभव होंगे। इससे बरेली की आध्यात्मिक पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और सशक्त होगी।

पौराणिक कथा

श्रीकृष्ण के प्रेम में दीवानी मीराबाई

भारत का राजस्थान प्रांत वीरों की खान कहा जाता है, पर इस भूमि को श्रीकृष्ण के प्रेम में अपना तन-मन और राजमहलों के सुखों को ठोकर मारने वाली मीराबाई ने भी अपनी चरण रज से पवित्र किया है। हिन्दी साहित्य में रसपूर्ण भजनों को जन्म देने का श्रेय मीरा को ही है। साधुओं की संगत और एकतारा बजाते हुए भजन गाना ही उनकी साधना थी। मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई.. गाकर मीरा ने स्वयं को अमर कर लिया। मीरा का जन्म मेड़ता के राव रत्नसिंह के घर 23 मार्च, 1498 को हुआ था। जब मीरा तीन साल की थी, तब उनके पिता का और दस साल की होने पर माता का देहांत हो गया। जब मीरा बहुत छोटी थी, तो एक विवाह के अवसर पर उसने अपनी मां से पूछा कि मेरा पति कौन है? माता ने हंसी में श्रीकृष्ण की प्रतिमा की ओर इशारा कर कहा कि यही तेरे पति हैं। भोली मीरा ने इसे ही सच मानकर श्रीकृष्ण को अपने मन-मंदिर में बैठा लिया।

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्य भूषण, बरेली

माता और पिता की छत्रछाया सिर पर से उठ जाने के बाद मीरा अपने दादा राव दूदाजी के पास रहने लगीं। उनकी आयु की बालिकाएं जब खेलती थीं, तब मीरा श्रीकृष्ण की प्रतिमा के सम्मुख बैठी उनसे बात करती रहती थी। कुछ समय बाद उसके दादा जी भी स्वर्गवासी हो गए। अब राव वीरमदेव गद्दी पर बैठे। उन्होंने मीरा का विवाह चित्तौड़ के प्रतापी राजा राणा सांगा के बड़े पुत्र भोजराज से कर दिया। इस प्रकार मीरा ससुराल आ गई, पर अपने साथ वह अपने इष्टदेव श्रीकृष्ण की प्रतिमा लाना नहीं भूली। मीरा की श्रीकृष्ण भक्ति और वैवाहिक जीवन सुखपूर्वक बीत रहा था। राजा भोज भी प्रसन्न थे, पर दुर्भाग्यवश विवाह के दस साल बाद राजा भोजराज का देहांत हो गया। अब तो मीरा पूरी तरह श्रीकृष्ण को समर्पित हो गईं। उनकी भक्ति की चर्चा सर्वत्र फैल गई। दूर-दूर से लोग उनके दर्शन को आने लगे। पैरों में घुंघरू बांध कर नाचते हुए मीरा प्राय: अपनी सुधबुध खो देती थीं। मीरा की सास, ननद और राणा विक्रमाजीत को यह पसंद नहीं था। राज-परिवार की पुत्रवधू इस प्रकार बेसुध होकर आम लोगों के बीच नाचे और गाए, यह उनकी प्रतिष्ठा के विरुद्ध था। उन्होंने मीरा को समझाने का प्रयास किया, पर वह तो सांसारिक मान-सम्मान से ऊपर उठ चुकी थीं। उनकी गतिविधियों में कोई अंतर नहीं आया। अंतत: राणा ने उनके लिए विष का प्याला श्रीकृष्ण का प्रसाद कहकर भेजा। मीरा ने उसे पी लिया, पर सब हैरान रह गए, जब उसका मीरा पर कुछ असर नहीं हुआ। राणा का क्रोध और बढ़ गया। उन्होंने एक काला नाग पिटारी में रखकर मीरा के पास भेजा, पर वह नाग भी फूलों की माला बन गया। अब मीरा समझ गई कि उन्हें मेवाड़ छोड़ देना चाहिए। अत: वह पहले मथुरा-वृंदावन और फिर द्वारका आ गईं। इसके बाद चित्तौड़ पर अनेक विपत्तियां आईं। राणा के हाथ से राजपाट निकल गया और युद्ध में उनकी मृत्यु हो गई।

यह देखकर मेवाड़ के लोग उन्हें वापस लाने के लिए द्वारका गए। मीरा आना तो नहीं चाहती थी, पर जनता का आग्रह वे टाल नहीं सकीं। वे विदा लेने के लिए रणछोड़ मंदिर में गईं, पर पूजा में वे इतनी तल्लीन हो गईं कि वहीं उनका शरीर छूट गया। इस प्रकार 1573 ई. में द्वारका में ही श्रीकृष्ण की दीवानी मीरा ने अपनी देहलीला समाप्त की।

मां नंदादेवी भक्तों को सपने में देती हैं दर्शन

अल्मोड़ा में स्थित मां नंदा देवी का पावन मंदिर हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। यहां स्थापित मां नंदा देवी को शैलपुत्री का रूप माना जाता है। अल्मोड़ा की नंदा देवी चंद वंश राजाओं की कुलदेवी हैं, जो आज भी अपने भक्तों को सपने में दर्शन देती हैं और उनकी मनोकामना पूरी करती हैं। पुजारी तारा दत्त जोशी बताते हैं कि यह मंदिर प्राचीन काल का है और माता की मूर्ति की स्थापना इस प्रांगण में करीब 200 साल पहले की गई थी। इससे पहले नंदा देवी को मल्ला महल में पूजा जाता था। उसके बाद इस प्रांगण में माता की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। तब से लेकर आज तक यहां माता की पूजा-अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में हर महीने हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के द्वारा यह भी कहा जाता है कि माता ने उन्हें सपने में आकर दर्शन दिए, जिसके बाद वह इस मंदिर तक पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि चंद वंशज राज परिवार मां नंदादेवी को अपनी कुल देवी के रूप में पूजन करते है। *-रमेश जड़ौत, अल्मोड़ा*

200 अशर्फियों को गलाकर हुई मंदिर की स्थापना

नंदादेवी मंदिर समिति संयोजक अर्जुन बिष्ट ने बताया कि 1670 में बाज बहादुर चंद बधानगढ़ से नंदादेवी की स्वर्ण प्रतिमा अल्मोड़ा लाए थे। 1699 में राजा ज्ञानचंद भी बधानकोट से एक स्वर्ण प्रतिमा अल्मोड़ा लाए। 1710 में राजा जगत चंद को बधानकोट विजय के अवसर पर नंदादेवी की प्रतिमा प्राप्त नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने अपने खजाने से 200 अशर्फियों को गलाकर नंदादेवी की प्रतिमा का निर्माण कराया और इन्हें मल्ला महल स्थित नंदादेवी मंदिर में प्रतिष्ठित कराया। जिस परिसर में वर्तमान नंदादेवी मंदिर स्थित है, वहां पर 1690-91 में तत्कालीन नरेश उद्योत चंद ने दो शिव मंदिर उद्योत चंद्रेश्वर और पार्वती चंद्रेश्वर बनाए। अंग्रेजी शासनकाल में 1815 में तत्कालीन कमिश्नर ट्रेल ने उन्हें उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर में रखवा दिया। इसके बाद कमिश्नर ट्रेल उनकी आंखों की रोशनी अचानक काफी कम हो गई। कुछ लोगों की सलाह पर उन्होंने अल्मोड़ा आकर 1816 में नंदादेवी का मंदिर बनवाकर (वर्तमान मंदिर) वहां नंदादेवी की मूर्ति स्थापित कराई। उसके बाद उनके आंखों की रोशनी लौट आई।

मंदिरों में खजुराहो कलाकृति

नंदादेवी मंदिर अल्मोड़ा की मंदिर की निर्माण शैली भी काफी पुरानी है। यहां उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर की स्थापना 17 वीं शताब्दी के अंत में मानी जाती है। उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर के ऊपरी हिस्से में एक लकड़ी का छज्जा है। मंदिर में बनी कलाकृति खजुराहो मंदिरों की तर्ज पर है। ये मंदिर संरक्षित श्रेणी में शामिल हैं।

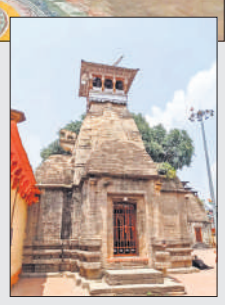

चंद वंशज करते हैं तांत्रिक पूजा

अल्मोड़ा में मां नंदा की पूजा-अर्चना तारा शक्ति के रूप में तांत्रिक विधि से करने की परंपरा है। पहले से ही विशेष तांत्रिक पूजा चंद शासक व उनके परिवार के सदस्य करते आए हैं। वर्तमान में चंद वंशज नैनीताल के पूर्व सांसद स्व. केसी सिंह बाबा का परिवार राजा के रूप में पूजा में बैठते हैं।

बोधकथा

लालच का अंत

एक समय की बात है, एक छोटे से गांव में रामू नाम का किसान रहता था। वह बहुत मेहनती था, लेकिन उसकी एक बुरी आदत थी-उसे हमेशा और अधिक पाने की लालसा रहती थी, जो उसके पास था, उससे वह कभी संतुष्ट नहीं होता था। एक दिन खेत में काम करते हुए उसे जमीन के अंदर एक चमकती हुई सोने की मूर्ति मिली।

रामू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने सोचा, "अब तो मेरी किस्मत बदल गई।" वह मूर्ति को घर ले आया और उसे बेचकर बहुत सारा धन कमा लिया। अब उसके पास अच्छे कपड़े, बड़ा घर और ढेर सारी सुविधाएं थीं, लेकिन कुछ ही दिनों में उसका मन फिर असंतुष्ट हो गया। उसने सोचा, "अगर मुझे एक मूर्ति मिल सकती है, तो और भी मिल सकती हैं।" लालच में आकर वह रोज अपने खेत की खुदाई करने लगा। वह खेती पर ध्यान देना भूल गया।

दिन बीतते गए, खेत बर्बाद हो गया, फसल नष्ट हो गई और घर का खर्च भी बढ़ता गया, जो पैसा उसने मूर्ति से कमाया था, वह धीरे-धीरे खत्म होने लगा। अब रामू के पास न खेत बचा, न पैसा। एक दिन वह थककर बैठ गया और सोचने लगा, "मैंने क्या खो दिया?" तभी उसके गांव का एक बुजुर्ग उसके पास आया और बोला, "रामू, प्रकृति ने तुम्हें मेहनत से कमाने का रास्ता दिया था, लेकिन तुमने लालच में आकर उसे छोड़ दिया।" रामू को अपनी गलती समझ में आ गई। उसने फिर से अपने खेत को संवारना शुरू किया, मेहनत की और धीरे-धीरे उसकी हालत सुधरने लगी। अब उसने तय कर लिया कि वह जो मिलेगा, उसमें संतोष रखेगा और मेहनत से ही आगे बढ़ेगा। कथा से सीख मिलती है कि लालच इंसान को उसके मूल रास्ते से भटका देता है। सच्ची सफलता मेहनत और संतोष में ही छिपी होती है।

मर्यादा, करुणा और आदर्श के शाश्वत प्रतीक श्रीराम

गोस्वामी जी ने लिखा है- विप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार। उल्लेख मिलता है कि इक्ष्वाकु वंशीय, अयोध्या के चक्रवर्ती राजा दशरथ ने चौथेपन में पुत्र-प्राप्ति के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ किया, जिसके फलस्वरूप श्रीहरि के सातवें अवतार के रूप में श्रीरामचंद्र उनको पुत्र-रूप में प्राप्त हुए। एक मां के ममत्व की दृष्टि से रानी कौशल्या ने प्रगट हुए श्रीहरि के विशायकाय रूप को देखकर अनुरोध किया कि आप मेरे गर्भ से जन्म लेकर शिशु-लीला कीजिए। मेरे वात्सल्य-स्नेह की पूर्णता तो आपके बालरूप में ही प्राप्त होगी। इस संदर्भ में कौशल्या सहित अन्य समस्त नारी समाज के लिए भी यह अवसर उसके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और सार्थकता प्रदान करने वाला होता है, जब वह मां बनती हैं। तदनंतर श्रीहरि कौशल्या के गोद में नवजात शिशु की भांति चैत्र मास के शुक्ल पक्ष, तिथि नवमी, पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न की शुभ मुहूर्तबेला में जन्म लेते हैं। यही दिन चैत्र नवरात्रि के पवित्र दिवस (नवमी) शक्ति उपासना-आराधना के विराम का भी होता है।

रामकथा में वनवास- प्रसंग को मूलतः संसारी जीवों के अनेक उतार-चढ़ाव, उथल-पुथल और झंझावातों के बीच से संतुलन बनाकर निकलने के सांकेतिक निष्कर्ष के रूप में ही ग्रहण करना चाहिए, जिसे प्रभु राम भरपूर, सानंद जीते हैं तथा 14 वर्ष के दीर्घ अंतराल तक तापस-वेष में जंगल-जंगल घूमने वाले श्रीराम स्वयं में इस यथार्थ के प्रतीक हैं कि अपने-अपने हिस्से का वनवास तो सबको स्वयं ही काटना पड़ेगा। अपने हालात पर किसी को दोष न देना और सत्साहस से उसका मुकाबला करते हुए परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर लेने का सबक उन्हीं से सीखना चाहिए। कंटकाकीर्ण पथ पर आम और खास सब एक समान हैं। अपने कर्म व प्रारब्ध की गति पर पर सभी को तैयार रहना चाहिए, चाहे वह कोई भी हो।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

रामजी के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण व ग्रहणीय पक्ष यही है कि आप जीवन को दीन-दुखियों, जरूरतमंदों और हाशिये पर जी रहे लाखों लोगों के लिए प्रेरक कैसे बन सकते हैं। उनको मुख्यधारा में लाकर सम्मानित जीवन का उजाला कैसे प्रदान कर सकते हैं। श्रीराम ने चौदह वर्ष के जंगल-प्रवास को इसी संकल्प के साथ जिया। चाहे वह केवटराज को अपने स्नेह से अत्यंत प्रिय बना लेना हो, चाहे जनम-जनम से हरिदर्शन की भूखी एकनिष्ठ स्नेही-शबरी की कुटिया में जाकर उनके जूठे बैर खाना हो या वानर जाति, जो एक से दूसरी शाखा पर उछलकूद करके जीवन गुजार देते हैं, उनसे मैत्री कर भार्या सीता की खोज व प्राप्ति का पूरा श्रेय उन्हें देने का हो। श्रीराम की यह भिन्न-भिन्न गुण, धर्म, जाति व संस्कृति के साथ सर्वग्राहकता अद्भुत और अनूठी है। राजा न होते हुए भी उन्होंने सबको एक मंच पर अन्याय के विरुद्ध एकत्र कर लिया। लंकाधिपति को अयोध्या या अन्य राजाओं की सैन्य मदद से भी परास्त किया जा सकता था, परंतु राम जी ने ऐसा नहीं किया। कारण स्पष्ट है उन्होंने बिखरी हुई जनशक्ति को सही दिशा दी। महाबली के घमंड को माटी में मिलाना गुणनिधान के उसी चिंतन का प्रतिफल है। राम रथविहीन हैं, वानरों की सेना के सहारे, तापस वेषधारी हैं, सैन्य साजोसामान से वंचित हैं, किंतु स्त्री-अस्मिता की लड़ाई के लिए जो साहस और इरादे की जरूरत होती है, उनमें भरी हुई है। संपूर्ण रामकथा को पढ़ाते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि वे अंतिम समय तक युद्ध को टालते के विकल्पों पर विचार विमर्श करते रहे। आज पूरी दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है, चंद सिरफिरों के अहंकार और वर्चस्व की आग में खाड़ी के कई देश जल रहे हैं। ऐसे में राम का चरित्र, राम का आचरण और उनकी महानता से अहंकारी और लालची देशों को सबक लेना चाहिए कि उन्होंने जो अपनी ताकत इकट्ठा कर रखी है, वह दूसरे को भयभीत करने में नहीं, परस्पर सहयोग वह सामंजस्य में ही उसका सदुपयोग करें। हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम राजाओं-महाराजाओं के ऐश्वर्यवादी जीवन से दूर केवल एक पत्नीव्रती हैं। पत्नी को सुरक्षित कैद से मुक्ति दिलाने हेतु रावण के एक लाख पूत सवा लाख नाती, ता रावन घर दिया न बाती की कहावत को उन्होंने चरितार्थ किया। सत्य की इसी स्थापना की पूर्ति के लिए ही तो उनका अवतार हुआ था। वे तभी तो जन-जन के प्रिय और आदर्श बन गए। जानकी के कंठाभूषण और प्रजापालक ऐसे कि प्रजा के सवाल खड़ा करने पर बिना देर किए उसी प्राणबल्लभा जानकी को त्यागने मे तत्पर हो गए। यह किसी और राजा-महाराजा के वश की बात नहीं, प्रजा को प्राणों की तरह मानने वाले प्रभु राम प्राण-प्यारी माता सीता को भी निर्वासन देने में नहीं हिचके। वस्तुतः आज के समय में जो अपनी प्रजा (जनमानस) की आर्त-पुकार अनसुना कर दे, उसे श्रीराम को हृदयंगम करना चाहिए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	72,696 .39	22,512 .65
गिरावट	1,836 .57	601.85
प्रतिशत में	2 .46	2 .60

सोना 1,43,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,30,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 24 मार्च 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 2020, फ़ॉर्चून कि . 2600, रविन्द्रा 2575, फॉर्चुन 13 किग्रा 2300, जय जवान 2155, सचिन 2300, सूरज 2155, अवसर 2080, उजाला 2190, गृहणी 13 किग्रा 2145, क्लासिक (किग्रा) 2455, मोर 2360, चक्र टिन 2535, ब्लू 2395, आशीर्वाद मस्टर्ड 2430, स्वास्तिक 2520

किराना : निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 12000-13000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, प्रति किलो : लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330-380, मखाना 900-1050

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10300-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी : पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के जेवर 139500, गिन्नी 135500, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 214500 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3400, मसूरी 1200, बासमती 7100-7700, परमल 1000-3400

दाल दलहन : काला चना 1700-3000, साबुत चना दाल 1200, मूंग साबुत 5200, राजमा 7200-11600, दाल उड़द 5500, साबुत मसूर दाल 2600, मसूर दाल 1200, उड़द साबुत 10400, काबुली चना 5600-10400, अरहर दाल 10400 -12000, लोबिया/करमानी 1600-3200

आंध्र में स्टील के इस्पात संयंत्र का शिलान्यास

अनकापल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन . चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को अनकापल्ली जिले के नक्कापल्ली मंडल में आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस) के 1.36 लाख करोड़ रुपये के इस्पात संयंत्र की आधारशिला रखी। सरकार ने कहा, 1.78 करोड़ टन सालाना क्षमता वाला यह संयंत्र 5,465 एकड़ में दो चरणों में स्थापित किया जाएगा और इससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष करीब एक लाख रोजगार पैदा होंगे। पहले चरण में संयंत्र की क्षमता 73 लाख टन सालाना होगी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है ईरान युद्ध: आईईए

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख बिरोल ने कहा- कोई देश इसके प्रभाव से नहीं बचेगा अछूता

वेलिंगटन, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को कहा कि ईरान युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने बहुत बड़ा खतरा खड़ा हो गया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में नेशनल प्रेस क्लब को संबोधित करते हुए कहा, अगर यह संकट यूं ही आगे बढ़ता रहा तो कोई भी देश इसके प्रभाव से अछूता नहीं रहेगा।

बिरोल ने कहा कि पश्चिम एशिया का यह संकट 1970 के दशक के दो तेल संकटों और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान गैस बाजारों पर पड़े प्रभाव से भी अधिक गंभीर असर डाल रहा है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब तेहरान पर सोमवार तड़के इजराइल ने हमलों की बौछार शुरू की। इस बीच, एक वरिष्ठ अमेरिकी सैन्य कमांडर ने ईरान के लोगों से फिलहाल शरणस्थलों में रहने को कहा है जबकि ईरान ने अपने खाड़ी पड़ोसी देशों पर हमले तेज कर दिए हैं और उनके बिजली संयंत्रों को निशाना बनाने की धमकी दी है। बिरोल ने बताया कि इस पूरे क्षेत्र में नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठान गंभीर या बेहद गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह यूरोप और एशिया की सरकारों के साथ तेल भंडार को मुहैया करने की संभावना पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम बाजार की स्थिति पर नजर रखेंगे। अगर आवश्यकता पड़ी, तो हम निश्चित रूप से कदम उठाएंगे, लेकिन पहले हम हालात का विश्लेषण करेंगे और सदस्य देशों के साथ चर्चा करेंगे।

नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठान गंभीर या बेहद गंभीर रूप से हो चुके हैं क्षतिग्रस्त

महाराष्ट्र: रेस्तरांओं को पीएनजी आपूर्ति बढ़ी

मुंबई। महाराष्ट्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि इससे रेस्तरां एवं भोजनालयों को राहत मिलेगी। मंत्री ने रविवार को कहा कि 23 मार्च से अगले आदेश तक व्यावसायिक पीएनजी आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ने के साथ यह आपूर्ति 50 प्रतिशत हो जाएगी।

भारतीय ध्वज वाले दो और जहाज होर्मुज पार करके भारत हुए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाले दो और एलपीजी टैंकर फारस की खाड़ी से निकलकर युद्धग्रस्त होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर चुके हैं और भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। जहाज निगरानी से जुड़े आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत सोमवार दोपहर को ईरान के लारक और क्वेशम द्वीपों के बीच के जलक्षेत्र के पास थे। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं। ये दोनों जहाज उन 22 भारतीय झंडे वाले जहाज में शामिल हैं जो पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से फारस की खाड़ी में फंस गए थे। जहाज ट्रैकिंग आंकड़ों से पता चला है कि ये दोनों जहाजों ने सोमवार को जलडमरूमध्य को पार कर लिया और भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। इससे पहले, लगभग 92,712 टन एलपीजी ला रहे एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी सुरक्षित रूप से भारतीय तट पर पहुंच चुके हैं। यह देश की लगभग एक दिन की खाना पकाने की गैस की खपत के बराबर है।

युद्ध क्षेत्र में अब भारतीय ध्वज वाले 24 जहाज इन पर 611 नाविक

युद्ध क्षेत्र में बचे हुए 24 भारतीय ध्वज वाले जहाजों में से 22 जलडमरूमध्य के पश्चिमी भाग में हैं, जिनमें 611 नाविक सवार हैं, जबकि दो पूर्वी भाग में हैं। पश्चिमी भाग में बचे हुए 22 भारतीय ध्वज वाले जहाजों में से छह एलपीजी वाहक हैं। इनमें से दो भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। बाकी बचे जहाजों में से एक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर है, चार कच्चे तेल के टैंकर हैं, एक रासायनिक उत्पादों का परिवहन कर रहा है, तीन कंटेनर जहाज हैं और दो बल्क यानी थोक सामान की ढुलाई करने वाले हैं। इसके अतिरिक्त, एक ड्रेजर है, एक खाली है और तीन नियमित रखरखाव के लिए बंदरगाह पर हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बाद अमेरिका की नई व्यापार जांच से वैश्विक बाजारों में और बढ़ी अस्थिरता : रिजर्व बैंक

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अमेरिका की ओर से नई व्यापार जांच के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है। भारतीय रिजर्व बैंक के बुलेटिन में प्रकाशित अर्थव्यवस्था की स्थिति पर लेख में कहा गया कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त है। वित्त 2025-26 के लिए जीडीपी के दूसरे अग्रिम अनुमान भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति को दर्शाते हैं। अर्थव्यवस्था की स्थिति का संकेतक देने वाले आंकड़े फरवरी में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने का संकेत दे रहे हैं। बुलेटिन में कहा गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई फरवरी में खाद्य और पेय पदार्थों की कीमतों के कारण बढ़ी।

खरीफ सत्र से पहले देश में बाधित हो सकती है उर्वरक की आपूर्ति

- गैस संकट से प्रभावित यूरिया उत्पादकों ने सरकार से मांगी वित्तीय राहत

नई दिल्ली। भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) ने चेतावनी दी है कि उत्पादन में कमी और पैकेजिंग सामग्री की अलग से कमी के कारण महत्वपूर्ण खरीफ सत्र से पहले उर्वरक आपूर्ति बाधित हो सकती है। इसके साथ, एफएआई ने सरकार से गैस आपूर्ति में व्यवधान से प्रभावित यूरिया उत्पादकों को वित्तीय राहत प्रदान करने का आग्रह किया है। सरकार को लिखे पत्र में एफएआई ने मौजूदा भूराजनीतिक संकट से उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों का हवाला देते हुए सीमित गैस आपूर्ति के तहत संचालित संयंत्रों के लिए ऊर्जा लागत प्रतिपूर्ति और जुर्माने में छूट की मांग की है।

शेयर बाजार में निवेशकों के एक ही दिन डूबे 14.23 लाख करोड़

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को भारी गिरावट के कारण निवेशकों को एक ही दिन में 14.23 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ा। बीएसई के अनुसार, सोमवार की गिरावट से कुल बाजार पूंजीकरण 14,23,396 करोड़ रुपये घटकर 4,14,52,902 करोड़ रुपये रह गया जो पिछले साल 15 अप्रैल के बाद का निचला स्तर है।

पिछले कारोबारी दिवस पर 20 मार्च को कुल बाजार पूंजीकरण 4,28,76,298 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजारों में सोमवार को प्रमुख सूचकांक निफ्टी-50 और सेंसेक्स ढाई प्रतिशत के करीब टूट गये। सेंसेक्स 21 महीने और निफ्टी-50 ग्यारह महीने से ज्यादा के निचले स्तर पर बंद हुआ। खास बात यह रही कि बिकवाली का दबाव चौतरफा रहा जिससे 10 प्रतिशत कंपनियां ही गिरावट से अछूती रहीं। शेयर बाजार में शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1,78,499 करोड़ रुपये घटकर 87,29,171 करोड़ रुपये रहा गया।

युद्ध शुरू होने के बाद से निवेशकों की 48.29 लाख करोड़ रुपये घटी संपत्ति

पश्चिम एशिया युद्ध के 28 फरवरी को शुरू होने के बाद से बीएसई सेंसेक्स 8,590 .8 अंक यानी 10 .56 प्रतिशत गिरा, जबकि एनएसई का निफ्टी 2,666 अंक या 10 .58 प्रतिशत नीचे आया। युद्ध शुरू होने के बाद से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 48 .29 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज हुई और यह 415 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है।

रिजर्व बैंक ने जनवरी में शुद्ध रूप से 2.53 अरब डॉलर खरीदे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने जनवरी में हाजिर मुद्रा बाजार से शुद्ध रूप से 2 .53 अरब डॉलर की खरीदारी की। केंद्रीय बैंक ने अमेरिकी डॉलर की यह खरीद लगातार सात महीनों की शुद्ध डॉलर बिक्री के बाद की है। रिजर्व बैंक के सोमवार को जारी मासिक बुलेटिन के मुताबिक केंद्रीय बैंक ने ने पिछली बार मई 2025 में हाजिर मुद्रा बाजार से 1.76 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद की थी। इससे पहले दिसंबर में 10 .02 अरब, नवंबर में 9 .71 अरब, अक्टूबर में 11 .88 अरब, सितंबर में 7 .91 अरब, अगस्त में 7 .69 अरब, जुलाई में 2 .54 अरब, और जून में 3 .66 अरब अमेरिकी डॉलर की शुद्ध बिक्री की। सकल आधार पर केंद्रीय बैंक ने जनवरी में 27 .99 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद और 25 .473 अरब अमेरिकी डॉलर की बिक्री की।

गिरावट: सोना 9,050 रुपये टूटा, चांदी 10,500

नई दिल्ली। कमजोर घरेलू मांग और सुस्त वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 9,050 रुपये टूटकर 1.43 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि चांदी 10,500 रुपये की गिरावट के साथ 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के 1,52,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 9,050 रुपये या लगभग छह प्रतिशत टूटकर सभी करों सहित 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। चांदी भी 10,500 रुपये या 4.36 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ सभी करों सहित 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

निवेशकों की आसानी के लिए आईपीओ खुलासे के नियमों को सेबी ने बनाया सरल

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के दस्तावेजों को सरल और मानकीकृत बनाने के लिए 'संक्षिप्त विवरण पुस्तिका का मसौदा' पेश किया है। इसका उद्देश्य निर्गम संबंधी जानकारियों को निवेशकों के लिए समझने में आसान बनाना है।

अब सार्वजनिक निर्गम लाने वाली कंपनियों को अपने विस्तृत प्रस्ताव दस्तावेजों के साथ इस संक्षिप्त विवरण पुस्तिका को भी जमा करना अनिवार्य होगा। नियामक ने कहा कि इस दस्तावेज में कंपनी के कारोबारी मॉडल, वित्तीय विवरण, प्रवर्तकों, जोखिम कारकों और मुख्य प्रदर्शन संकेतकों जैसी महत्वपूर्ण जानकारी अत्यंत सरल प्रारूप में प्रस्तुत की जाएगी। सेबी द्वारा 16 मार्च को जारी अधिसूचना के अनुसार, इस संक्षिप्त मसौदे को निर्गम जारी करने वाली कंपनी, नियामक, उन शेयर बाजारों जहां प्रतिभूतियां सूचीबद्ध होनी हैं, और निर्गम से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।

एफडीआई में 2% से ज्यादा होगी चीन की हिस्सेदारी

मुंबई, एजेंसी

सरकार की ओर से 'प्रेस नोट 3' में किए गए संशोधनों से भारत में आने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर फिर से दो प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है। प्रेस नोट 3 लागू होने से पहले यह इसी स्तर पर था।

क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में कहा गया है कि नियमों में बदलाव से कुल एफडीआई में चीनी निवेश का हिस्सा दो प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2014 से 2019 के बीच हांगकांग सहित चीन से होने वाला कुल एफडीआई प्रवाह भारत के कुल निवेश का लगभग दो प्रतिशत था।

● क्रिसिल का केंद्र की ओर से प्रेस नोट 3 में बदलाव के बाद दावा

हालांकि, प्रेस नोट 3 के नए नियम लागू होने के बाद यह घटकर मात्र 0.27 प्रतिशत रह गया था। रिपोर्ट के अनुसार, नियमों में ढील दिए जाने से लंबित प्रस्तावों का रास्ता साफ होने की उम्मीद है। इससे अल्पावधि में चीन और हांगकांग से निवेश में तेजी आ सकती है।

सरकार के इस कदम से भारत में एफडीआई प्रवाह तेज होने, घरेलू क्षमताओं के मजबूत होने और आयात पर निर्भरता कम होने की संभावना है। सरकार ने अप्रैल, 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए ये नियम लागू किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों और पॉलीसिलिकॉन जैसे क्षेत्रों के लिए मंजूरी की समयसीमा 60 दिन तय किए जाने से भारतीय और चीनी फर्म के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रेस नोट 3 के तहत 75,691 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से केवल 13,625 करोड़ रुपये को ही मंजूरी मिली थी।

कोयला कारोबार में मुनाफाखोरी पर रोक लगाएं राज्य: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे पश्चिम एशिया संकट के कारण छोटे कोयला खुदरा विक्रेताओं को मुनाफाखोरी करने से रोकें, क्योंकि वैश्विक ऊर्जा व्यवधानों से घरेलू ईंधन बाजार पर असर पड़ने का खतरा है।

कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा, हमारे सचिव (कोयला) ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से बात की है। मैंने कल मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। कोयले की कोई कमी नहीं है और घरेलू कोयले की कीमतों में वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं है। मंत्री ने कहा कि अगर कोयले की कीमतें बढ़ती हैं तो कार्रवाई करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, हमने राज्यों से कोयले की कीमतों पर नजर रखने और खुदरा विक्रेताओं को मौजूदा संकट से लाभ नहीं उठाने देने को कहा है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कोयले की कीमतें नहीं बढ़नी चाहिए।

सीएनजी में 20% सीबीजी मिश्रण करने का सुझाव

नई दिल्ली। भारतीय बायोगैस एसोसिएशन ने दिल्ली सरकार को सुझाव दिया है कि वह सीएनजी में सीबीजी के 20% तक मिश्रण को अपनाए। यह गैस चालित वाहनों को कॉर्बन निरपेक्षता के करीब ला सकता है। आईबीए ने कहा, हालांकि ईवी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, लेकिन समग्र वाहन बेड़े में ईवी की पहुंच सीमित है।

निर्यात पर घरेलू कर, शुल्क छूट की पुरानी दरें बहाल

नई दिल्ली। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियों के बीच निर्यातकों की मदद के लिए निर्यात माल को शुल्कों और करों से छूट देने की योजना आरओडीटीईपी के अंतर्गत पुरानी दरों को तत्काल प्रभाव से बहाल करने का निर्णय किया है। इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

इस फैसले से शुल्क और करों में छूट की गत 22 फरवरी तक लागू दरें और मूल्य सीमा पुनः प्रभावी हो गयी हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों के कारण समुद्री लॉजिस्टिक्स में चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं, जिनमें मार्ग और पारगमन पैटर्न में परिवर्तन शामिल हैं। इनका प्रभाव इस क्षेत्र में या इसके माध्यम से जाने वाले निर्यात माल के लिए लॉजिस्टिक्स लागत और जहाज से माल भेजने के कार्यक्रम पर पड़ा है।

पश्चिम एशिया संकट

मानक बॉन्ड प्रतिफल 14 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारतीय मानक बॉन्ड प्रतिफल सोमवार को 14 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। सोमवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल 6.8173 प्रतिशत रहा जबकि शुक्रवार को यह 6.737 प्रतिशत पर बंद हुआ था।

बाजार भागीदारों से संकलित आंकड़ों के अनुसार यह 14 जनवरी 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। एरीटे कैपिटल (चॉइस समूह) में उपाध्यक्ष माताप्रसाद पांडे ने कहा, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर बैरल से ऊपर जाने के बाद बॉन्ड प्रतिफल बढ़ रहा है। जनवरी-फरवरी में सरकारी बॉन्ड के शुद्ध खरीदार रहे विदेशी संस्थागत निवेशक मार्च में शुद्ध विक्रेता बन गए हैं।

कच्चे तेल की महंगाई

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

पश्चिम बंगाल: ओवैसी-हुमायूं के गठबंधन से मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्ष ने ओवैसी पर लगाया भाजपा की मदद करके धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का आरोप

आचार संहिता: 181 करोड़ कैश, शराब जब्त

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सभी 294 विधानसभा सीटों पर आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है और अब तक करीब 181 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, मादक पदार्थ और अन्य सामग्री जब्त की जा चुकी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के गठबंधन की विपक्ष ने कड़ी आलोचना करते हुए इस गठबंधन से वोट बंटने और विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में धर्मनिरपेक्ष दलों के कमजोर होने की आशंका जताई है। विपक्ष के नेताओं ने ओवैसी को घेरते हुए कहा है कि उनकी पार्टी असल में भाजपा की मदद करना चाहती है।

एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन किया है। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना चार मई को होगी। तृणमूल सांसद सौगत रॉय ने इस गठबंधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे मुस्लिम समाज अलग-थलग पड़ सकता है। उन्होंने कहा, ओवैसी की पार्टी वास्तव में भाजपा की मदद करना चाहती है, लेकिन इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। उनके पास ताकत नहीं है और उन्हें वोट नहीं मिलेंगे। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का ठेका ले रखा है।

कांग्रेस के एक अन्य सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि गठबंधन करना राजनीतिक फैसला है, लेकिन ध्यान सांप्रदायिक ताकतों को हराने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, कौन किससे गठबंधन करता है, यह उनका मामला है। लेकिन हमारा लक्ष्य सांप्रदायिक ताकतों को हराना है और इसके लिए कांग्रेस लगातार काम करती रहेगी। शिवसेना (उबाठा) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम अक्सर भाजपा की मदद करती है। जब भी भाजपा मुश्किल में होती है, वह एआईएमआईएम को बुलाती है, जो उसके ''स्पीड डायल'' पर रहती है। पार्टी उसे चुनाव में उतरने और जीत दिलाने के लिए आमंत्रित करती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माझी ने एआईएमआईएम को भाजपा की "बी-टीम" बताया और आरोप लगाया कि वह चुनाव में सिर्फ विपक्ष के वोट बांटने के लिए उतरती है, जिससे भाजपा को फायदा होता है। यह हर जगह हो रहा है।

कोलकाता में चुनाव प्रचार करती तृणमूल प्रत्याशी श्रेया पांडेय।

असम : झामुमो की सूची में 21 प्रत्याशी

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने असम विधानसभा चुनाव के लिए अपने 21 उम्मीदवारों की सूची सोमवार को जारी की। झामुमो क्षेत्रीय पार्टी की छवि को मिटाकर एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में उभरना चाहता है। पार्टी का उद्देश्य चाय बागानों में काम करने वाली जनजाति के लगभग 70 लाख लोगों को अपने पक्ष में करना है, जिनमें से कई लोगों की जड़ें झारखंड से जुड़ी हुई हैं। झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडे ने बताया, विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, पार्टी ने असम की 126-सदस्यीय विधानसभा के चुनावों के लिए 21 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

गोगोई ने जोरहाट सीट से भरा पर्चा

जोरहाट। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सोमवार को जोरहाट सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया। गोगोई राज्य विधानसभा चुनाव में पहली बार किस्मत आजमा रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गोगोई ने जोरहाट स्टेडियम से रैली शुरू करने से पूर्व विभिन्न धार्मिक स्थलों का दौरा किया। लगभग तीन घंटे बाद इस रैली का समापन जिला आयुक्त कार्यालय पर हुआ। रैली में बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए। गोगोई नजीर अली क्षेत्र स्थित अपने पैतृक आवास पर भी पहुंचे और अपने पिता एवं असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की तस्वीर के समक्ष खड़े होकर प्रार्थना की।

पुडुचेरी में रंगासामी कैबिनेट के दो मंत्रियों को नहीं मिला टिकट

पुडुचेरी। पुडुचेरी में सत्तारूढ़ ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने दो मौजूदा मंत्रियों को टिकट नहीं दिया है।

मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री के. लक्ष्मीनारायणन और कृषि मंत्री थेनी जयकुमार को इस बार चुनाव मैदान में नहीं उतारा गया है। सूत्रों के अनुसार, लक्ष्मीनारायणन की राजभवन सीट एनडीए गठबंधन में भाजपा को दे दी गई है। जयकुमार की मंगालम सीट से रंगासामी चुनाव लड़ेंगे।

पुडुचेरी : नामांकन के आखिरी दिन तक द्रमुक-कांग्रेस में सीट बंटवारे पर गतिरोध

पुडुचेरी। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन सोमवार को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और कांग्रेस के बीच इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत अब तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। चेन्नई में रविवार से शुरू हुई मैराथन बैठकें सोमवार तड़के तक चलीं लेकिन बिना किसी निष्कर्ष समाप्त हो गईं। हालांकि दोनों दलों ने गठबंधन जारी रखने पर सहमति जताई है। स्थिति को देखते हुए दोनों दलों के संभावित उम्मीदवार सोमवार दोपहर तीन बजे तक सभी 30 सीटों पर नामांकन दाखिल करेंगे। बाद में 26 मार्च तक, जो नामांकन वापसी की अंतिम तिथि है, आपसी सहमति बनने पर उम्मीदवार पर्चे वापस ले सकते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

मिसाइल का मलबे से एक भारतीय घायल

दुबई। अबूधाबी के अल शवामेख इलाके में हवा में मार गिराई गई मिसाइल का मलबा गिरने से एक भारतीय नागरिक मामूली रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि हवाई रक्षा प्रणाली ने आती हुई मिसाइल पर हमला किया, जिसके बाद आपात टीमों ने कदम उठाया। इसके बाद मिसाइल का मलबा रिहाइशी इलाके पर गिर गया। अबूधाबी के मीडिया कार्यालय ने एक्स पर कहा कि हवाई रक्षा प्रणाली द्वारा एक बैलिस्टिक मिसाइल को सफलतापूर्वक मार गिराए जाने के बाद उसका मलबा अल शवामेख क्षेत्र में गिर गया। इस घटना में एक भारतीय नागरिक को मामूली चोट आई।

पांच पूर्व सैनिकों को वेटरन अचीवर्स अवार्ड

नई दिल्ली। थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपनी भोपाल यात्रा के दौरान पांच प्रतिष्ठित पूर्व सैनिकों को 'वेटरन अचीवर्स अवार्ड' से सम्मानित किया। पुरस्कार विजेताओं, ब्रिगेडियर अवधेंद्र प्रताप सिंह (सेवानिवृत्त), कर्नल एमके तिवारी (सेवानिवृत्त), मानद सूबेदार मेजर डीके सेन (सेवानिवृत्त), नायब सूबेदार जीएस मेहता (सेवानिवृत्त) और नायक एलएस राठौड़ (सेवानिवृत्त) को विभिन्न क्षेत्रों में उनके निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

हवाई में 2,000 लोग बिजली से वंचित

होनोलूलू। हवाई द्वीप पर भारी बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ के कारण रविवार अपराह्न तक 2,000 से अधिक लोग बिजली आपूर्ति से वंचित रहे। यह बाढ़ 20 से अधिक वर्षों में आई सबसे भीषण बाढ़ बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, एक सप्ताह पहले आए शीतकालीन तूफान की बारिश से पहले से ही अत्यधिक गीली मिट्टी पर भारी वर्षा हुई जिससे उफनता पानी घरों और कई कारों को बहा ले गया।

नेपाल के बाझंग में 4.1 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में सोमवार की दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता 4.1 मापी गयी। भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सोमवार को दोपहर बाद 1:14 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बाझंग के रायल क्षेत्र के पास स्थित था। बाझंग के पड़ोसी जिले बाजुरा और बैताडी समेत पड़ोसी जिलों में भी झटका लगा।

फारस की खाड़ी में बारूदी सुरंगें बिछाने की ईरान ने दी धमकी

- तटवर्ती इलाकों अथवा द्वीपों पर हमलों को लेकर चेताया

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसके तटवर्ती इलाकों या द्वीपों पर हमला होता है तो वह फारस की खाड़ी में महत्वपूर्ण संचार मार्गों पर बारूदी सुरंगें बिछा देगा। ईरान की राष्ट्रीय रक्षा परिषद ने कहा कि उसके क्षेत्र को निशाना बनाने के किसी भी प्रयास के परिणामस्वरूप फारस की खाड़ी में सभी संचार लाइनों में बारूदी सुरंगें बिछा दी जाएंगी।

उसने यह भी कहा कि जहाज केवल तेहरान के समन्वय से ही होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर सकेंगे। बयान में कहा गया कि दुश्मन द्वारा ईरानी तटों या द्वीपों पर हमला करने के किसी प्रयास के बाद स्वाभाविक रूप से और सामान्य सैन्य अभ्यास के अनुसार फारस की खाड़ी और तटों के सभी पहुंच मार्गों एवं संचार लाइनों को विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदों से भर दिया जाएगा, जिसमें तैरती बारूदें भी शामिल हैं जिन्हें तटों से छोड़ा जा सकता है। ईरान ने कहा, ऐसे में, पूरे फारस की खाड़ी क्षेत्र में लंबे समय तक होर्मुज जलडमरूमध्य जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। इस बार, होर्मुज के साथ पूरा फारस की खाड़ी क्षेत्र व्यावहारिक रूप से अवरुद्ध हो जाएगा और इसकी जिम्मेदारी धमकी देने वाले पक्ष की होगी। इस बीच, अमेरिका कथित तौर पर ईरान के खार्ग द्वीप पर कब्जा करने योजनाओं पर विचार कर रहा है।

खाड़ी के समुद्र में बारूदी सुरंग

दुनिया आज जिस डिजिटल युग में जी रही है, उसकी असली रीढ़ ज़मीन पर नहीं, बल्कि समुद्र की अतल गहराइयों में बिछी है। वैश्विक इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 95% से अधिक हिस्सा इन्हीं सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल्स के जरिए एक से दूसरे महाद्वीप तक जाता है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर से गुजरने वाली इन केबलों को निशाना बनाने की धमकी दी है। उसने केबिल काटने की चेतावनी दी है। विशेष रूप से गूगल की ब्लू-रमन परियोजना इस समय चर्चा के केंद्र में है। इधर ईरान ने भी अपने तटीय इलाकों और द्वीपों पर हमलों को लेकर फारस की खाड़ी में केबल के ऊपर बारूदी सुरंगें लगाने की चेतावनी दी है। यदि ऐसा हुआ तो दुनिया को डिजिटल ब्लैकआउट का सामना करना पड़ेगा। वित्तीय आदान-प्रदान पर भी इसका असर पड़ेगा।

डिजिटल ब्लैकआउट का खतरा

उपयोग और महत्व

- समुद्र के रास्ते आ रहीं यह केबल केवल 'यूट्यूब' देखने के लिए नहीं है, बल्कि इसके उपयोग बहुत व्यापक है।
- अत्यधिक डेटा क्षमता : यह केबल 218 टेराबिट्स प्रति सेकंड से अधिक की क्षमता रखती है। यह इतनी गति है कि एक सेकंड में हज़ारों हाई-डेफिनिशन फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं।
- क्लाउड कंप्यूटिंग : गूगल क्लाउड, माइक्रोसॉफ्ट एज़्योर और अमेज़न एडब्ल्यूएस जैसी सेवाएं इसी केबल पर निर्भर हैं। दुनिया की बड़ी कंपनियों का डेटा इसी रास्ते से सफर करता है। ● वित्तीय लेनदेन : अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग और शेयर बाज़ारों के बीच रीयल-टाइम डेटा ट्रांसफर के लिए ये केबलें अनिवार्य हैं।

केबल कटने का दुनिया पर असर

- डिजिटल ब्लैकआउट : एशिया और यूरोप के बीच इंटरनेट की गति 25% से 40% तक गिर सकती है। ● आर्थिक नुकसान : एक अनुमान के अनुसार, महत्वपूर्ण केबल कटने से वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रति घंटे लाखों डॉलर का नुकसान हो सकता है। ● ई-कॉमर्स और बैंकिंग ठप : ऑनलाइन भुगतानसेवा धीमी हो सकती हैं, जिससे व्यापारिक लेनदेन रुक सकते हैं।

दुनिया के पास क्या हैं समाधान

- रूट डायवर्सिफिकेशन : गूगल की 'ब्लू-रमन' केबल परियोजना की तरह नए रास्ते तलाशे जा रहे हैं जो विवादित क्षेत्रों (जैसे लाल सागर) से दूर हों। ● गहरी केबल बिछाना : केबलों को समुद्र की सतह से बहुत नीचे (8000 मीटर तक) दबाया जा रहा है ताकि जहाजों के लंगर या छोटे विस्फोट उन तक न पहुँच सकें। ● सैटेलाइट इंटरनेट : स्टारलिंक जैसे नेटवर्क को बैकअप के रूप में देखा जा रहा है।

चोक प्वाइंट

- लाल सागर एक ऐसा चोकपॉइंट है जहां दुनिया की प्रमुख केबलें गुजरती हैं। यहाँ किसी भी प्रकार का व्यवधान न केवल इंटरनेट की गति को धीमा करेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, शेयर बाज़ार और बैंकिंग सेवा को पंगु बना सकता है।

भारत के पास क्या हैं विकल्प

- मल्टीपल गेटवे : भारत केवल लाल सागर पर निर्भर नहीं है। भारत के पास सिंगापुर के रास्ते (पूर्व की ओर) जाने वाली केबलें भी हैं, जैसे मिस्ट और लैक्स।
- जियो की पहल : जियो अपनी आईईएक्स (इंडिया-यूरोप एक्सप्रेस) केबल बिछा रहा है, जो यूरोप को सीधे भारत से जोड़ती है और इसमें सुरक्षा के उन्नत उपाय किए गए हैं।
- स्वदेशी लैंडिंग स्टेशन : सरकार मुंबई, चेन्नई के अलावा नए लैंडिंग स्टेशन बना रही है ताकि डेटा ट्रैफिक को बांटा जा सके।

गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से विकसित भारत का लक्ष्य संभव नहीं

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां

- देश में यूएपीए के अत्यधिक इस्तेमाल पर जताई चिंता

नई दिल्ली/बेंगलुरु, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने कहा है कि असहमति को अपराध घोषित करने, आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत अंधाधुंध गिरफ्तारियों और गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता है।

रविवार को बेंगलुरु में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायमूर्ति भुइयां ने उच्च न्यायपालिका में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर अफसोस व्यक्त किया। उन्होंने इसकी तुलना देश भर में जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारियों के पदों पर 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की नियुक्ति से की। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा लेकिन क्या संवैधानिक अदालतों में भी यही प्रणाली लागू हुई है? सवाल यही है। यहीं पर कॉलेजियम प्रणाली की जांच पड़ताल का महत्व सामने आता है। ऐसा क्यों है कि जब मूल्यांकन व्यक्तिपरक हो जाता है, तो महिलाएं उस स्तर तक नहीं पहुंच पातीं? उन्होंने कहा कि 1950 से अब तक उच्चतम न्यायालय के 287 न्यायाधीशों में से कुल मिलाकर केवल 11 महिला न्यायाधीश रही हैं। ऐसा क्यों? फातिमा बीवी से लेकर अब न्यायमूर्ति नागरत्ना तक, यह आंकड़ा लगभग दो प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम के व्यक्तिपरक मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार, बहुत कम लोगों का ही उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में चयन होता है।

गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के इस्तेमाल के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने 2019 से 2023 तक के आंकड़ों का हवाला दिया और कहा कि सही मायने में विकसित राष्ट्र को राजनीतिक नारों के बजाय संवैधानिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यूएपीए के तहत कम दोषसिद्धि दर कानून के दुरुपयोग को नहीं तो अत्यधिक उपयोग को दर्शाती है।" यूएपीए के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों के 2019 से 2023 तक के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन दोषसिद्धि दर लगभग पांच प्रतिशत है।

अदालतों में लैंगिग प्रतिनिधित्व में हो समानता

न्यायमूर्ति ने कहा कि अदालतों में महिला जजों की संख्या बेहद अपर्याप्त है, 25 उच्च न्यायालयों में से केवल तीन। उन्होंने कहा कि मेरे शोध से पता चलता है कि जब भी भर्ती प्रक्रिया वस्तुनिष्ठ होती है, तो न्यायिक क्षेत्र में अधिक महिलाएं प्रवेश करती हैं। जब भारत एक विकसित राष्ट्र (विकसित भारत 2047) बनेगा, तब न्यायपालिका में लैंगिक प्रतिनिधित्व में अधिक समानता होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ऐसा स्थान होना चाहिए, जो वास्तव में देश की विविधता को दर्शाए। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि विकसित देशों में बहस और असहमति के लिए अधिक गुंजाइश होनी चाहिए। बहस को अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

अधिकांश गिरफ्तारियां तो की गईं पर दोष साबित नहीं किया जा सका

न्यायाधीश ने कहा कि इससे लगातार कम दोषसिद्धि दर दिखती है। इससे क्या संकेत मिलता है? दुरुपयोग नहीं, तो अत्यधिक इस्तेमाल का, और आपराधिक न्याय प्रणाली पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है? इससे अदालतों पर कितना बोझ पड़ता है? इससे पता चलता है कि अधिकांश लोगों को गिरफ्तार तो किया गया, लेकिन उन्हें दोषी साबित नहीं किया जा सका। इससे संकेत मिलता है कि कई गिरफ्तारियां समय से पहले और पर्याप्त सबूतों के अभाव में की गईं। उच्च न्यायपालिका में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों में उनकी संख्या केवल 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि 25 उच्च न्यायालयों में से केवल दो में महिला मुख्य न्यायाधीश हैं- गुजरात और मेघालय। एक महीने में एक और महिला मुख्य न्यायाधीश बन जाएंगी।

शीर्ष कोर्ट के गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें उसकी इमारत के गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रशासनिक स्तर पर विचार किया जाएगा। पीठ ने उच्चतम न्यायालय के महासचिव से कहा कि वे उचित नोट सक्षम प्राधिकारी के सामने पेश करें। पीठ बी. वेणुगोपाल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के नए परिसर का निर्माण हो रहा है, जहां इस तरह की वास्तु पर ध्यान दिया जाएगा।

प्री परीक्षा के बाद यूपीएससी जारी करेगा अस्थायी कुंजी

- सिविल सेवा परीक्षा को लेकर सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सरकार ने सोमवार को बताया कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करने के बाद अपनी वेबसाइट पर अस्थायी उत्तर कुंजी जारी करने के लिए दिशानिर्देश तैयार कर लिए हैं।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) आदि के लिए अधिकारियों के चयन हेतु प्रतिवर्ष तीन चरणों - प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार - में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न में लिखित उत्तर में उच्च सदन को बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के अनुपालन में, यूपीएससी ने प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करने के बाद अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अस्थायी उत्तर कुंजी जारी करने के लिए दिशानिर्देश तैयार कर लिए हैं। सिंह ने कहा कि यह प्रक्रिया, जो 2026 की सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा से लागू होगी, यूपीएससी द्वारा आयोजित सभी संरचित परीक्षाओं पर लागू होगी। मंत्री ने कहा, "प्रारंभिक परीक्षा के अंक अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद ही जारी किए जाएंगे।" उन्होंने कहा कि वैकल्पिक विषयों में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए, यूपीएससी अंतर-विषय मॉडरेशन लागू करता है ताकि किसी भी उम्मीदवार को, चाहे उसने कोई भी वैकल्पिक विषय चुना हो।

मुंबई में फेरीवालों, सहायकों की पहचान का होगा सत्यापन

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका और पुलिस को सभी फेरीवालों तथा उनके सहायकों की पहचान का गहन सत्यापन करने का निर्देश दिया और कहा कि यदि कोई व्यक्ति अवैध प्रवासी पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारी उसे वापस भेजने समेत कानून के अनुसार कार्रवाई करें। न्यायमूर्ति ए. एस. गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाटा की पीठ ने कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। इन याचिकाओं में महानगर में फुटपाथ और सड़कों पर अवैध व अनधिकृत फेरीवालों के कब्जे की वजह से पैदल चलने वालों और वाहनों को हो रही परेशानी को लेकर चिंता जताई गई थी। अदालत ने बीएमसी को निर्देश दिया कि वह सड़कों और फुटपाथों पर स्थित सभी दुकानदारों की व्यापक जांच करे, यह भी सुनिश्चित करे कि ये दुकानें पैदल यात्रियों या वाहनों की आवाजाही में बाधा न बनें। कहा, महानगरपालिका और पुलिस फेरी लगाने वाले, उनके सहायक के रूप में काम करने वालों की पहचान, उनकी भी जिन पर गैर भारतीय होने का आरोप है, का पूरी तरह से सत्यापन करें।।

हिरासत में मौत मामले में नौ पुलिसकर्मी दोषी करार

- तमिलनाडु के मदुरै जिले में साल 2020 में हुई थी घटना

मदुरै, एजेंसी

तमिलनाडु के मदुरै जिले की एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को प्रदेश के थूथुकुडी जिले के साथनकुलम में 2020 में एक व्यक्ति और उसके बेटे को हिरासत में यातना देने के मामले में सभी नौ आरोपी पुलिसकर्मियों को दोषी करार दिया।

पुलिस हिरासत में याताना के बाद पिता-पुत्र की मौत हो गयी थी। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश जी मुथुकुमारन ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने आरोप साबित कर दिया है और पुलिसकर्मियों को दोषी पाया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि दोषी पुलिसकर्मियों को 30 मार्च को सजा सुनाई जाएगी। मोबाइल फोन की दुकान के मालिक पी जयराज (59) और उनके बेटे जे बेनिक्स (31) को कोरोना वायरस महामारी के प्रसार को रोकने के नियमों के कथित उल्लंघन के संबंध में 19 जून 2020 को साथनकुलम पुलिस थाने ले जाया गया था। कोविलपट्टी उप-जेल में हिरासत के दौरान कथित क्रूर यातना दिये जाने के बाद पिता और पुत्र की 23 जून को मृत्यु हो गई। इस मामले में पुलिस निरीक्षक एस श्रीधर, उपनिरीक्षक के बालकृष्णन, पी रघुगणेश, मुख्य आरक्षी एस मुरुगन और ए समीदुराई समेत 10 पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप था। इसकी शुरुआती जांच सीबी-सीआईडी ने की थी, जिसे बाद में सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया। इस घटना के कारण उस वक्त राज्य में भारी जनाक्रोश फैल गया था। इस मामले में 105 गवाह थे।

एनसीबी हिरासत में बीएसएफ के कांस्टेबल की मौत

चंडीगढ़/अमृतसर। बीएसएफ के एक कांस्टेबल की स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की हिरासत में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसके साथ बेहरमी से मारपीट की गई। बीएसएफ कांस्टेबल जसविंदर सिंह को एक मामले में पूछताछ के सिलसिले में तीन मार्च को जम्मू से पकड़ा गया था, जिनकी शुक्रवार रात अमृतसर में इलाज के दौरान मौत हो गई। अमृतसर के मकबूलपुरा थाना प्रभारी जसजीत सिंह ने बताया कि एनसीबी एक मामले की जांच कर रहा था और कांस्टेबल की हालत अचानक बिगड़ने के बाद उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। शनिवार को अमृतसर सिविल अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया गया। मां गुरमीत कौर ने रविवार को बताया कि उनका बेटा छुट्टी पर घर आया था और तीन मार्च को एनसीबी की जम्मू इकाई उसे अपने साथ ले गई।

न्यूयॉर्क में रनवे पर विमान हादसा पायलट व सह पायलट की मौत

- न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर ट्रक से भिड़ी उड़ान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर रविवार रात लैंडिंग के दौरान एयर कनाडा का एक विमान रनवे पर दमकल विभाग के ट्रक से टकरा गया, जिसके चलते दो पायलटों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि भिड़ंत की वजह से विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद 39 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को आसपास के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें से कुछ को गंभीर चोट आई है। अधिकारियों ने बताया कि अधिकतर लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। हवाई अड्डे का संचालन करने वाले न्यूयॉर्क एवं न्यूजर्सी पोर्ट अथॉरिटी की कार्यकारी निदेशक कैथरीन गार्सिया ने बताया कि ट्रक में सवार पोर्ट अथॉरिटी के दो कर्मचारी भी घायल हो गए। गार्सिया ने सोमवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों में विमान के पायलट और सह-पायलट शामिल हैं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) के नेतृत्व में घटना की जांच की जा रही है। गार्सिया ने कहा कि दमकल ट्रक यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान से जुड़ी एक अलग घटना के चलते घटनास्थल पर जा रहा था। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान में दुर्गंध आने की सूचना मिली थी। इससे पहले कहा गया कि एयर कनाडा की ओर से संचालन कर रही जैज़ एविएशन की उड़ान में 72 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। विमान मॉन्ट्रियल-पियरे एलियट ट्रूडो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था। तस्वीरों और वीडियो में विमान का अगला हिस्सा काफी क्षतिग्रस्त दिखता है और कॉकपिट से तार तथा अन्य चीजें लटकी दिखती हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज का दिन नए काम की शुरुआत के लिए अच्छा है। ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। कार्यस्थल पर आपके प्रयासों की सराहना होगी।

तुला — आज निर्णय लेते समय सोच-समझकर कदम उठाएं। नए संबंध बन सकते हैं, जो भविष्य में लाभ देंगे। घर का माहौल सुखद रहेगा।

वृष — आज आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है। स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दें, आराम करें। धैर्य और समझदारी से काम लें, जल्दबाजी से बचें।

वृश्चिक — आज कार्य में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। छिपी हुई चिंताएं सामने आ सकती हैं। ध्यान और योग से मन को शांति मिलेगी।

मिथुन — आज मित्रों से सहयोग मिलेगा और मन हल्का रहेगा। नए अवसर सामने आ सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं।

धनु — आज यात्रा के योग बन रहे हैं, लाभदायक साबित हो सकती है। नई सीख और अनुभव मिलेंगे। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

कर्क — आज भावनाओं में बहने से बचें, व्यावहारिक निर्णय लें। कार्य में थोड़ी मेहनत अधिक करनी पड़ेगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

मकर — आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कड़ी मेहनत का फल मिलने वाला है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

सिंह — आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यों में सफलता मिलेगी। नेतृत्व क्षमता से लोग प्रभावित होंगे। आर्थिक लाभ के अच्छे संकेत हैं।

कुंभ — आज दोस्तों से मदद मिलेगी। मन में सकारात्मक विचार आएंगे। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।

कन्या — आज का दिन संतुलित रहेगा। योजनाएं सफल होंगी, मेहनत रंग लाएगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन — आज रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। भावनात्मक रूप से मजबूत रहेंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

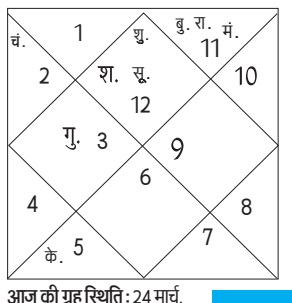

आज की ग्रह स्थिति : 24 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 16.07 तक तत्पश्चात सप्तमी।

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 19.05 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

सुडोकू - 97 का हल

3	1	9	7	5	2	6	8	4
5	4	2	8	6	9	7	1	3
7	6	8	3	4	1	5	9	2
1	5	3	6	9	8	2	4	7
6	9	7	1	2	4	8	3	5
8	2	4	5	7	3	1	6	9
4	7	5	9	1	6	3	2	8
9	3	1	2	8	7	4	5	6
2	8	6	4	3	5	9	7	1

सुडोकू -98

3		9			2			1
7			5		9			
8		5		6				
		1			8		5	4
5	9			4		8		7
				5		2		
			8		6			3
4						9		

देश में और बाहर पढ़ने को उपलब्ध है ऋण की सुविधा

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि बैंक छात्रों को मांग के आधार पर शिक्षा ऋण उपलब्ध करा रहे हैं और इसमें कहीं किसी तरह की कोताही नहीं बरती जा रही है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तथा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में सोमवार को कहा कि आज बैंक सभी जगह उपलब्ध हैं। विद्यालक्ष्मी और मॉडल विद्यालय में भी भारत सरकार ऋण उपलब्ध कराती है। विद्यालक्ष्मी योजना के तहत तीन प्रतिशत से कम ब्याज दर तय की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार कई शिक्षा संबंधी योजनाएं चला रही है।

संसद में बोली सरकार

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में पूछे गए सवाल पर दिया स्पष्टीकरण

किसी राज्य पर हिंदी सहित कोई भी भाषा थोपी नहीं जा रही

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किसी राज्य पर हिंदी समेत कोई भी भाषा नहीं थोप रही। चौधरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल में द्रमुक सांसद कलानिधि वीरास्वामी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

तमिलनाडु के सदस्य ने उनके राज्य का समग्र शिक्षा अभियान के तहत बकाया धन जारी नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत तीन भाषा के फार्मूले को लेकर चिंता जताई। चौधरी ने कहा कि एनईपी में स्पष्ट रूप से छात्रों को बहुभाषाएं सिखाने से उनके शिक्षण पर पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख है। सभी राज्यों को स्कूलों में तीन भाषाओं को सिखाने का ढांचा बनाना चाहिए। कम से कम 15 साल तक के बच्चों को विशेष रूप से दो भाषाओं में दक्षता होनी चाहिए जो मातृभाषा हों। तीसरी भाषा पूरी तरह मांग पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में केंद्र सरकार समग्र शिक्षा अभियान 2.0 के तहत राज्यों को शिक्षकों की नियुक्ति आदि में मदद करती है। तमिलनाडु में तीन भाषाओं के फार्मूले को लागू करने पर द्रमुक सांसद की चिंता पर चौधरी ने कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि एनईपी 2020 में कहीं भी हिंदी समेत किसी भाषा को थोपने की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2011 के भाषा एटलस के अनुसार तमिलनाडु में 96 भारतीय भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं। चौधरी ने कहा कि एनईपी में तीन भाषाओं में दो मातृभाषाओं को सिखाने की बात है। उन्होंने कहा कि तीन भाषाओं को लागू करने की बात भी दो भाषाओं के फार्मूले, जिसे द्रमुक भी तमिलनाडु में स्वीकार करती है।

तमिलनाडु भी लागू करे पीएमश्री योजना

शिक्षा राज्य मंत्री ने दावा किया कि तमिलनाडु ने मार्च 2024 में पीएमश्री योजना पर समझौता करने की इच्छा जताई थी, लेकिन अभी तक करार नहीं किया है। इस पर द्रमुक के कुछ सदस्यों को आपत्ति जताते सुना गया। चौधरी ने कहा कि अगर आप राष्ट्रीय शिक्षा नीति से सहमत हैं तो पीएमश्री योजना भी लागू करनी चाहिए। इसे देश में 14 हजार से अधिक स्कूलों के लिए डिजाइन किया गया है।

मुझे लगता है कि मैंने पहले दो गेम में अच्छा खेला, तीसरे गेम में मैं थोड़ी भटक गई थी। गेम के बीच में मेरे कोच मेरे पास आए, तो मैंने उनसे बात की, और उन्होंने मुझसे अच्छी शुरुआत करने पर ध्यान देने को कहा, और मुझे खुशी है कि मैं इसे जीत पाई।
अनाहत सिंह, स्क्वॉश खिलाड़ी

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार, 24 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मैच के दिनों में कोई भी अभ्यास सत्र करने की नहीं होगी इजाजत

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अभ्यास सत्र के लिए जारी किये गये नए दिशा-निर्देशों के तहत मैच के दिनों में कोई भी प्रैक्टिस सेशन करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एक अलग इंतजाम भी किया है, जहां मुख्य पिच के दोनों ओर, हर टीम को दो-दो प्रैक्टिस विकेट दिए जाएंगे। जैसा कि पहले बताया गया था, किसी भी टीम को विरोधी टीम के लिए तय किए गए प्रैक्टिस विकेट का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई के एक नोट के अनुसार टीम मैनेजरों को हाल ही में ये अतिरिक्त गाइडलाइंस भेजी गई हैं :- टीमों को प्रैक्टिस एरिया में 2 नेट और मुख्य पिच के पास के विकेटों में से 1 विकेट ' 'रेंज हिटिंग'' (जोरदार शॉट लगाने की प्रैक्टिस) के लिए मिलेगा। मुंबई के वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर प्रैक्टिस कर रही हैं, तो हर टीम को 2-2 विकेट मिलेंगे।

अहमदाबाद में आईपीएल 2026 सीजन से पहले अभ्यास सत्र के दौरान टाइटन्स के ग्लेन फिलिप्स। एजेंसी

अरुंधति रेड्डी फरवरी की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

दुबई। भारत की मध्यम तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को आस्ट्रेलिया में टी20 शृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए फरवरी महीने में आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया। वहीं पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को टी20 विश्व कप में असाधारण प्रदर्शन के लिये सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना गया है। रेड्डी ने तीन मैचों की टी20 शृंखला में भारत की 2.1 से जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने शृंखला में 7.25 की इकॉनॉमी दर से आठ विकेट लिए। रेड्डी ने कहा आईसीसी महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना गर्व की बात है।

अनाहत और अभय ने जीते स्क्वॉश के खिताब

मुंबई। शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन ओपन स्क्वॉश टूर्नामेंट का अपना महिला खिताब बरकरार रखा, जबकि अभय सिंह ने पुरुष वर्ग के चैंपियन बने। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में रविवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में स्क्वैश रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत सिंह ने मिस्र की दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी हाना मोअताज़ को 3-1 (11-5, 11-6, 9-11, 11-6) से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। वहीं, अभय सिंह ने अपने ही देश के वीर चोत्रानी को 3-0 (11-9, 11-8, 11-4) से हराकर पुरुषों का फाइनल जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

मुझे आईपीएल का 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम पसंद नहीं : अक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हरफनमौला और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना करते हुए कहा मुझे यह पसंद नहीं है, क्योंकि इससे उनके जैसे खिलाड़ियों (हरफनमौला) के विकास में बाधा आती है। रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के खिलाफ बोल चुके हैं, जिसके तहत टीमें मैच के किसी भी समय अपनी एकादश में किसी खिलाड़ी को सूचीबद्ध पांच खिलाड़ियों में से किसी एक से बदल सकती हैं। यह नियम 2023 में लागू हुआ था और कम से कम 2027 तक लागू रहेगा।

रोहित ने 2024 में कहा था कि उन्हें यह रणनीतिक नियम पसंद नहीं है, क्योंकि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर खिलाड़ियों के विकास में बाधा आती है। इसके अगले सत्र में हार्दिक ने कहा था कि टीम में किसी हरफनमौला को चुनना मुश्किल हो गया है, जब तक कि वह बल्ले और गेंद दोनों से समान रूप से अच्छा न हो। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' से जुड़े 'पीटीआई' के सवाल के जवाब में हंसते हुए कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं खुद एक ऑलराउंडर हूं। पहले हम इस भूमिका (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) के लिए ऑलराउंडर चुनते थे। अब टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है। वे कहते हैं कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है? उन्होंने कहा खुद एक ऑलराउंडर होने के नाते मुझे यह पसंद नहीं है, लेकिन साथ ही नियम तो नियम होते हैं। हमें उनका पालन करना होता है। व्यक्तिगत रूप से मुझे यह पसंद नहीं है।

अक्षर ने पिछले आईपीएल सत्र में

- 2023 में लागू हुआ था नियम और 2027 तक रहेगा

2024 में रोहित ने कहा था कि उन्हें यह रणनीतिक नियम पसंद नहीं है, क्योंकि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर खिलाड़ियों के विकास में बाधा आती है

केवल 204 गेंदें फेंकी थीं, जबकि उससे पिछले सत्र में उन्होंने 264 गेंदें फेंकी थीं। उन्होंने कहा कि यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के कारण नहीं था, बल्कि उंगली की चोट के कारण था, जो उन्हें आईपीएल से पहले परेशान कर रही थी। उन्होंने कहा मैंने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की। यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' की वजह से नहीं था। मैं गेंद को स्पिन कराने के लिए जिस उंगली का इस्तेमाल करता हूं, वह चैंपियंस ट्रॉफी के बाद चोटिल हो गई थी।

यह घाव इतना बढ़ गया था कि मैं गेंद की सीम पर पकड़ नहीं बना पा रहा था। अक्षर ने कहा इसीलिए मैं सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही गेंदबाजी कर रहा था और अपनी उंगली का ध्यान रख रहा था। सात मैचों के बाद हालत बेहतर हुई और मैंने नियमित रूप से गेंदबाजी करना शुरू कर दिया। अक्षर के सामने दिल्ली को पहली बार आईपीएल चैंपियन बनाने की चुनौती है। अक्षर ने महज 18 महीनों में सबसे छोटे प्रारूप में दो बार विश्व चैंपियन का खिताब जीता है। इस महीने की शुरुआत में टी20 विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली टीम की तुलना 2000 के दशक की अजेय ऑस्ट्रेलियाई टीम से की जा रही है। उस समय हालांकि ऑस्ट्रेलिया की टीम को वनडे प्रारूप में सफलता मिली थी। कुछ लोगों ने मौजूदा भारतीय टीम को अब तक की सबसे महान टी20 टीम बताया है। अक्षर ने कहा वह अलग-अलग युगों की टीमों की तुलना करने में विश्वास नहीं रखते। भारतीय टीम के लिए यह सब 2022 के बाद शुरू हुआ। हमने इस तरह की क्रिकेट खेलना शुरू किया और कड़े फैसले लिए।

आईपीएल की वजह से टूटी पाकिस्तान सुपर लीग की कमर

विदेशी खिलाड़ी वेतन वृद्धि की मांग के साथ जमकर कर रहे अनुबंध का उल्लंघन

करांची, एजेंसी

विदेशी खिलाड़ियों के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बावजूद नाम वापस लेने के कारण दो नई टीमों के साथ पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की मेजबानी करना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए लॉजिस्टिक्स (आयोजन संबंधी) और अनुबंध संबंधी परेशानियों का सबब बनता जा रहा है। विदेशी खिलाड़ी अधिक आकर्षक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से करार मिलने के बाद पीएसएल को छोड़ रहे हैं।

दो नई फ्रेंचाइजी को शामिल करने के साथ विस्तारित पीएसएल बृहस्पतिवार को लाहौर में शुरू होने वाली है। यह आईपीएल के 28 मार्च को शुरू होने से दो दिन पहले है। इस तरह इन दोनों लीगों का आयोजन एक साथ होगा।

पीएसएल तीन मई तक चलेगा, जबकि आईपीएल का पूरा कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है, लेकिन यह मई के अंतिम या जून के शुरुआती सप्ताह तक चल सकता है। एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, पीसीबी न केवल खिलाड़ियों द्वारा अनुबंधों के उल्लंघन से जूझ रहा है, बल्कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण कुछ खिलाड़ियों द्वारा अंतिम समय में फीस बढ़ाने की मांग से भी परेशान है।

सूत्र ने बताया पीसीबी इस समय पीएसएल को निर्धारित समय पर आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और उसने अभी तक नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ कोई कार्रवाई तय नहीं की है। नाम वापस लेने वाले खिलाड़ियों पर दो से चार साल तक का प्रतिबंध लगाने के बारे में आंतरिक चर्चा हुई है, लेकिन चिंता बनी हुई है कि ऐसे उपाय भविष्य में शीर्ष विदेशी प्रतिभाओं को पीएसएल फ्रेंचाइजी के साथ अनुबंध करने से और भी हतोत्साहित कर सकते हैं। उन्होंने कहा ऐसे में एक तर्क यह भी है कि प्रतिबंधों से पीएसएल के आगामी सत्रों के लिए बड़े विदेशी खिलाड़ियों से करार करना और भी मुश्किल हो जाएगा।

सूत्र ने स्वीकार किया कि दोनों लीगों के बीच वित्तीय असमानता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कई खिलाड़ी चोट से जूझ रहे आईपीएल में काफी अधिक वेतन पैकेज दिए जा रहे हैं, जबकि पीएसएल फ्रेंचाइजी उन वेतन पैकेजों का मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। पीसीबी ने पिछले साल अनुबंध उल्लंघन के लिए दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी और उन पर एक साल का प्रतिबंध लगाया था। यह कदम हालांकि प्रभावी साबित नहीं हुआ, क्योंकि बॉश ने पीएसएल खिलाड़ी ड्राफ्ट में शामिल होने से पहले ही अगली नीलामी में आईपीएल अनुबंध हासिल कर लिया। पीसीबी द्वारा इस मुद्दे को आईसीसी के अन्य सदस्यों के समक्ष भी उठाने की उम्मीद है, ताकि एक मजबूत ढांचा तैयार किया जा सके, जो यह सुनिश्चित करे कि खिलाड़ी किसी लीग में शामिल होने के बाद अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों का पालन करें। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मार्नुस लाबुशेन, न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और डेवोन कॉन्वे कुछ अन्य विदेशी खिलाड़ियों के साथ पीएसएल में भाग लेने के लिए लाहौर पहुंच गए।

- दोनों लीगों के बीच वित्तीय असमानता बनी बड़ी चुनौती
- आयोजन एकसाथ होने से भारत बना खिलाड़ियों की पहली पसंद

हस्ताक्षर के बाद नाम वापस लेने वाले खिलाड़ी

इस वर्ष के पीएसएल से अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती और जॉनसन चार्ल्स, श्रीलंका के दासुन शनाका, जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी, ऑस्ट्रेलिया के स्पेंसर जॉनसन और जेक फ्रेजर-मैकगर्क, द. अफ्रीका के ओटनेल बार्टमैन, अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज और इंग्लैंड के टायमल मिल्स शामिल हैं।

बेंगलुरु स्थित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभ्यास करते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली। एजेंसी

जीत की खुशी

वर्ल्ड इनडोर एथलेटिक्स में महिलाओं की 60 मीटर हर्डल्स में मेडल जीतने के बाद पोडियम पर पोज देतीं बहामास की डेविन चार्लटन (बीच में), नीदरलैंड्स की नादिन विसर (बाएं), और पोलैंड की पिया स्क्रिजोव्स्का। एजेंसी

शनाका राजस्थान रॉयल्स में होंगे शामिल

नई दिल्ली। श्रीलंका के टी20 अंतर्राष्ट्रीय कप्तान दासुन शनाका को सोमवार को आईपीएल के लिए इंग्लैंड के चोटिल ऑलराउंडर सैम कुरेन के स्थान पर राजस्थान रॉयल्स टीम में शामिल किए जाने की पुष्टि की गई। शनाका दो करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे। शनाका ने श्रीलंका के लिए छह टेस्ट, 71 वनडे और 131 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 3350 से अधिक रन और 86 विकेट हैं। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए आईपीएल में तीन मैच खेले हैं। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच और टीम निदेशक कुमार संगकारा ने खुशी जताई।

मिचेल स्टार्क को लेकर दिल्ली कैपिटल्स ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से जल्द एनओसी मिलने की उम्मीद

दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं दिया है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनका प्रमुख तेज गेंदबाज एक अप्रैल को टूर्नामेंट में शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ जाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव और मुख्य कोच हेमांग बदानी ने सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में अपने तेज गेंदबाज की उपलब्धता से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए। स्टार्क ने पिछले सत्र में 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे। बदानी ने कहा हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही हमें वह मिल जाएगा, हमें पता चल जाएगा कि वह कब टीम में शामिल होंगे। उन्होंने एनओसी मिलने में हो रही

देरी के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ लगातार संपर्क में हैं। वह गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं, उन्होंने कुछ दिन पहले भी गेंदबाजी की थी। जब तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उन्हें खेलने के लिए फिट घोषित नहीं कर देता, तब तक कोई फ्रेंचाइजी कुछ नहीं कर सकती।

उनके बगल में बैठे राव ने आगे कहा वह आ रहे हैं, बस क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का सवाल है। वह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की निगरानी में हैं। हम भी उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं।

राव और बदानी के साथ बैठे अक्षर से पूछा गया कि अगर स्टार्क एक अप्रैल को लखनऊ में खेले जाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए नहीं पहुंचते हैं, तो क्या वह टी. नटराजन को उनकी जगह खिलाने के लिए तैयार हैं। अक्षर ने कहा इस समय इसका जवाब देना मुश्किल है। अगर स्टार्क को एनओसी मिल जाती है, तो वह शुरुआती मैच से पहले भी आ सकते हैं। हम उस जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। अगर वह नहीं आते हैं, तो जरूरी नहीं है कि हम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जगह दूसरे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को ही टीम में शामिल करें। उन्होंने कहा यह टीम संयोजन का मामला है। नटराजन हालांकि बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और पूरी तरह फिट हैं। नटराजन कंधे की चोट के कारण पिछले सत्र में सिर्फ दो मैच खेल पाए थे।

नए चेहरों के साथ सत्र की शुरुआत करेगी भारतीय तीरंदाजी टीम

बैंकॉक, एजेंसी

भारत तीरंदाजी के नये अंतरराष्ट्रीय सत्र का आगाज यहां मंगलवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले चरण से करेगा जिसके लिये टीम में नामी गिरामी सितारों की बजाय प्रतिभावान युवाओं को जगह दी गई है। भारतीय टीम में दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, धीरज बोम्मादेवरा, तरूणदीप राय , ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा नहीं हैं।

भारतीय टीम प्रबंधन जापान में सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों तक चलने वाले इस व्यस्त सत्र के पहले टूर्नामेंट में अपने युवा खिलाड़ियों को आजमाना चाहता है। शीर्ष तीरंदाज मैक्सिको और शंघाई में अप्रैल से होने वाले विश्व कप के पहले दो चरण के लिए वापसी करेंगे। पिछले साल भारत ने इस टूर्नामेंट में पांच स्वर्ण समेत आठ पदक जीते थे ।

दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज की गैर मौजूदगी में भारत का पलड़ा फिर भारी लग रहा है। उसे चीन और बांग्लादेश से चुनौती मिल सकती है।

एशिया कप

टीम

रिकर्व पुरुष : देवांग गुप्ता, आरव पूनिया, जुयेल सरकार और सुखचैन सिंह। **रिकर्व महिला** : कीर्तिक, अंशिका कुमारी, रूमा बिस्वास और रिद्धि। **कंपाउंड पुरुष** : रजत चौहान, प्रथमेश जावकर, उदय कम्बोज और ऋषभ यादव। **कंपाउंड महिला** : स्वाति दुधवाल, राज कौर, तेजल साल्वे और चिकिथा तानीपर्थी।

रिकर्व पुरूष वर्ग में आस्ट्रेलिया के रियान टियाक प्रबल दावेदार हैं जो विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर हैं । महिला वर्ग में रूस में जन्मी तटस्थ खिलाड़ी नूरिनिस्सो माखमुदोवा (45वीं रैंकिंग) सर्वोच्च रैंकिंग वाली तीरंदाज हैं।

भारतीय पुरूष कंपाउंड टीम में दुनिया के चौथे नंबर के तीरंदाज ऋषभ यादव, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रथमेश जावकर और रजत चौहान हैं।पिछले साल कुशल दलाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण जीता था जबकि मानव जाधव और गणेश तिरिमुरू के साथ टीम स्वर्ण अपने नाम किया था। महिला वर्ग में ज्योति की गैर मौजूदगी में नजरें 20 वर्ष की चिकिथा तानीपर्थी पर होंगी जो विश्व रैंकिंग में 37वें स्थान पर हैं।

उपलब्धि

भुवनेश्वर करेगा मेजबानी, कलिंगा इनडोर स्टेडियम में होगी आयोजित, दो साल बाद होगी विश्व चैम्पियनशिप

भारतीय इनडोर एथलेटिक्स के नए युग की आज से शुरुआत

भुवनेश्वर, एजेंसी

भारत संकरे ट्रैक और एक समान हालात वाले इनडोर एथलेटिक्स में अपने सफर की औपचारिक शुरुआत मंगलवार से यहां शुरू हो रही पहली राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के जरिये करेगा जबकि दो साल बाद इसी स्थान पर उसे विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी करनी है। पिछले सप्ताह भारत को विश्व इनडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी मिली है जो इसी स्थान पर तीन से पांच मार्च, 2028 में होगी।

भारत में पहली बार ट्रैक और फील्ड की विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन होगा। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप दो दिन तक चलेगी। भारत में शीर्ष स्तर की इंडोर सुविधाओं के अभाव में इंडोर एथलेटिक्स उतना लोकप्रिय नहीं रहा है। कुछ भारतीय हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी करते आए हैं। इनडोर स्पर्धाओं में खिलाड़ी संकरे ट्रैक पर उतरते हैं। आउटडोर 400 मीटर ट्रैक चौड़े और सपाट टर्न वाले होते हैं। इंडोर स्पर्धायें हवा या मौसम से प्रभावित नहीं होती क्योंकि भीतर एक सी परिस्थितियां होती है।

भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा और 3000 मीटर स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले इसमें भाग नहीं लेंगे क्योंकि उनकी स्पर्धायें रोस्टर का हिस्सा नहीं हैं। कलिंगा स्टेडियम परिसर के भीतर विश्व स्तरीय सुविधायें तैयार होने के बाद भारत ने विश्व एथलेटिक्स को 2028 चैम्पियनशिप की मेजबानी के लिए मनाया है । भारत को 2028 में होने वाली एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी मिलने की भी उम्मीद है जिस पर फैसला मई में लिया जाएगा। अधिकांश भारतीय एथलीटों, आयोजकों और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अधिकारियों के लिये यह नया अनुभव होगा। इनडोर स्पर्धा 200 मीटर के ट्रैक पर होगी। सबसे छोटी फर्राटा दौड़ 60 मीटर की है। ऊंची कूद, पोल वॉल्ट, लंबी कूद , त्रिकूद और शॉटपुट को इसमें शामिल किया गया है लेकिन भालाफेंक, चक्काफेंक या तारगोला फेंक जैसी थ्रो स्पर्धायें नहीं होंगी।

300 एथलीट कर रहे प्रतिभाग

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में 300 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें ओडिशा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के सबसे बड़े दल हैं। दो दिन में पुरुष और महिला वर्ग में 11 स्पर्धायें होंगी जिनमें 60 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर, 60 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, पोल वॉल्ट, लंबी कूद, त्रिकूद और शॉटपुट शामिल हैं । हाल ही में पोलैंड में विश्व इनडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में शामिल की गई चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले इसका हिस्सा नहीं है । चार गुणा 400 मीटर महिला और पुरुष रिले, पुरूष हेप्टाथलन और महिला पेंटाथलन को भी जगह नहीं दी गई है।